जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

जालोर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

जालोर, शनिवार 15 नवम्बर, 2025

अशुद्ध के विरुद्ध आन्दोलन अशुद्ध के विरुद्ध

KEDIA™ Pavitra

भारत का असली प्रोटीन

- Unpolished
- Low Moisture Content
- Higher Yield
- Sortex Cleaned
- Highest Grade
- Export Quality
- Bold Size

ORDER NOW:

- शरबती सुपीरियर आटा
- देशी चक्की आटा
- सूजी
- दलिया
- बेसन
- शरबती गेहूँ
- देशी गेहूँ
- लाकाडोंग हल्दी पाउडर
- मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा
- सौंफ
- चना दाल
- काला चना
- हरा चना
- काबुली चना
- हरा मूंग
- हरा मटर
- मसूर मलका
- मसूर दाल
- मूंग दाल
- मूंग दाल (छिलका)
- मोठ
- अरहर/तूर दाल
- उड़द दाल
- उड़द दाल (छिलका)
- राजमा चित्रा
- राजमा लाल
- राजमा कश्मीरी
- कैलिफोर्निया बादाम
- काजू
- पिस्ता
- किशमिश
- अखरोट
- मामरा बादाम

COMING SOON: चावल । पोहा । कुकिंग ऑयल । खड़े मसाले । चाय

ORDER ON WEBSITE | ORDER ON WHATSAPP | ORDER ON APP

रिटेलर और कस्टमर कॉल लगाओ, गाड़ी बुलाओ

1800 120 2727

AVAILABLE AT 21000+ RETAILERS | SUPERMARKETS | QUICKCOM/ECOM | WEBSITE | WHATSAPP | APP | TOLL FREE

T&C Apply.

विचार बिन्दु

जो नसीहत नहीं सुनता उसे लानत-मलामत सुनने का शौक है। -शेख सादी

प्री वेडिंग शूट का बढ़ता चलन समाज में उचित या अनुचित

शादी से पहले प्री वेडिंग को लेकर हमारे समाज में तरह तरह की बातें सुनने को मिल रही है। वह भी एक समय था जब विवाह के दौरान फोटो खिंचवाकर उसे एल्बम में संजो कर रखते थे। इस एल्बम का क्रेज कुछ दिनों तक रहता और बाद में कहीं रखकर इसे भुला दिया जाता। समय बदला और अब हम डिजिटल युग में प्रवेश कर चुके है। कुछ समय पहले तक हम एल्बम के साथ वीडियो बनाकर अपने पास रख लेते थे। इस वीडियो को यदा-कदा देख लेते थे। मगर अब हमारा डिजिटलीकरण हो चुका है और इसी के साथ प्री वेडिंग के नाम से एक नई प्रथा शुरू हो गई है। अब जमाना सोशल मीडिया का है। फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब, लिंक्डइन, आदि का चलन लगभग हर घर में होने लगा है। युवा अपनी हर घटना को सोशल मीडिया पर परोसने लगा है तो प्री वेडिंग कैसे पीछे रहता। अब प्री वेडिंग भी सोशल मीडिया पर देखी जाने लगी है। प्री वेडिंग के वीडियो और फोटो देखकर सामान्य परिवारों में काफी हलचल देखने को मिल रही है। कुछ लोग इसे पसंद कर रहे है तो कुछ ना पसंद कर रहे है। यहीं से इसके समर्थन और विरोध में आवाजें बुलंद होने लगी है। कुछ सामाजिक संगठन इसे देश की संस्कृति के खिलाफ बता कर विरोध जता रहे है।

आजकल देशभर में प्री-वेडिंग शूट का एक चलन बढ़ता ही जा रहा है। पिछले कुछ सालों में प्री वेडिंग शूट शादी की फोटो एल्बम बनाने से ज्यादा ज़रुरी बन चुके हैं। प्री वेडिंग देश में एक लक्जरी इंडस्ट्री के रूप में उभर रहा है जो अपने बजट के हिसाब से किसी पार्क, रमणिक स्थल या किसी खूबसूरत स्थान पर ये शूट किए जाने लगे हैं। इसके तहत भावी दूल्हा-दुल्हन अपने परिवारजनो की सहमति से शादी से पूर्व फ़ोटोग्राफर के साथ देश के अलग-अलग स्थानों पर सैर-सपाटा करते हैं, बड़े होटलों, हेरिटेज बिल्डिंगों, समुद्री बीच व अन्य ऐसी जगहों पर जहाँ सामान्यतः पति-पत्नी शादी के बाद हनीमून मनाने जाते है, जाकर अलग-अलग और कम से कम परिधानों में एक-दूसरे की बाहो में समाते हुए वीडियो शूट करवाते है। विवाह से पहले किया जाने वाला वह फोटो/वीडियोग्राफी जिसमें होने वाले भावी दंपति अपने विवाह से पहले, एक प्रेमी जोड़े की भांति फोटो और वीडियो शूट करवाते हैं। जिसे वे मुख्य शादी वाले दिन बड़ी स्क्रीन पर एक शॉर्ट फिल्म के रूप में पेश करते हैं और सोशल मीडिया पर भी बड़े ही उत्साह के साथ पोस्ट करते हैं। इसे ही वीडियो शूट की संज्ञा दी जा रही है। इस प्रकार के आयोजन पर हजारों-लाखों का खर्चा भी किया जाने लगा है। मीडिया ख़बरों के अनुसार विवाह से पहले इस प्रकार के प्रचलन से समाज में कई प्रकार की समस्याएं उभरने लगी हैं। बहुत से परिवार इस खर्चे को सहन करने की स्थिति में नहीं होते है मगर आपसी दवाब के आगे झुक जाते है। विभिन्न रिपोर्टों में प्री-वेडिंग शूट को निजता का उल्लंघन बताते हुए इसे अनावश्यक खर्च और पारिवारिक तनाव का कारण बताया जाकर लोगों को सावचेत किया जा रहा है। समाज इसे स्टेटस सिंबल के रूप में देखता है, जो मर्यादा को कम करता है। शादी को सादगी और भारतीय परंपराओं के अनुरूप मनाना चाहिए। कुछ जागरूक संगठनों ने प्री-वेडिंग शूट जैसी कुरीतियों को रोकने का आव्हान किया है। उन्होंने कहा कि विवाह एक पवित्र बंधन है, जो दो परिवारों और आत्माओं का मिलन है न कि दिखावे का जरिया।

समिति का कहना है, सोचिए जिन लोगों को वर-वधू को जीवनसाथी के रूप में स्वीकारते हुए आशीर्वाद देना होता है, उनके सामने ही विवाह से पूर्व के अत्यधिक अंतरंग दृश्य दिखाए जाते हैं। यह दृश्य देखकर अनेक लोग असहज हो जाते हैं, पर आधुनिकता के नाम पर चुप रहते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह सब दोनों परिवारों की सहमति से हो रहा है। कई बार यह शूट कई दिनों का होता है, जिसमें युवक-युवती साथ में यात्रा और निवास भी करते हैं। ऐसे में मन में स्वाभाविक प्रश्न उठता है - जब सब कुछ पहले ही किया जा चुका है, तो विवाह संस्कार का अर्थ क्या रह जाता है?

बताया जाता है प्री-वेडिंग शूट एक पाश्चात्य संस्कृति है। जो पिछले कुछ दशक से भारत में भी घर-घर जगह बना रही है। प्री-वेडिंग शूट की कहानी भी बड़ी अजब गजब है। कई परिवारों में तनाव का एक कारण भी इसे बताया जा रहा है। शादी के पहले ही भावी दुल्हन और दूल्हा फिल्मी अंदाज में एक-दूसरे के साथ नजर आते हैं। वे स्वयं को एक अभिनेता और अभिनेत्री की भांति दिखाने की हर संभव कोशिश करते हैं। चाहे उन्हें अर्धनग्न वस्त्र ही क्यों ना पहनने पड़े। हालांकि कुछ जोड़ों ने अपने प्री-वेडिंग शूट को नया रूप देने के लिए धार्मिकता से भी जोड़कर बनाया है। यह भी देखा जाता है कि कुछ जोड़े प्री-वेडिंग शूट के लिए अपनी जान जोखिम में डालकर भी शूट करवाते हैं। ऐसे दो मामलों में उनकी जान भी जा चुकी है। अपनी शादी को यादगार बनाने और उसे कैमरे में कैद कर सार्वजनिक स्थल में परोसने की प्रवृत्ति कहीं न कहीं भारतीय समाज में पारिवारिक रिश्तों को तार-तार कर रही है। इस परंपरा को रोकना आवश्यक है ताकि विवाह के नाम पर युवक-युवती द्वारा फूहड़ प्रदर्शन का विपरीत असर सभ्य समाज पर न पड़े। कुछेक मामलों में ये उल्टा पड़ जाता है जब किसी वजह से शादी ही टूट जाए, लेकिन आज की जेनरेशन ये रिस्क लेने के लिए तैयार लगती है। भारतीय परपराओं के अनुसार प्री वेडिंग शूट गलत है। विवाह से पहले प्री वेडिंग शूट के बहाने इस प्रकार युवक-युवती का मिलना समाज के लिए कतई शोभनीय नहीं है। प्री वेडिंग शूट के बहाने एक-दूसरे के करीब आना गलत हैं जो फैशन बन रही है। इस पर सभी समाज को रोक लगाना चाहिए। शुरूआत घर से होना चाहिए।

जयपुर जैन सभा समिति ने भी लोगों को इस प्रवृति से सावचेत किया है। समिति का कहना है, सोचिए जिन लोगों को वर-वधू को जीवनसाथी के रूप में स्वीकारते हुए आशीर्वाद देना होता है, उनके सामने ही विवाह से पूर्व के अत्यधिक अंतरंग दृश्य दिखाए जाते हैं। यह दृश्य देखकर अनेक लोग असहज हो जाते हैं, पर आधुनिकता के नाम पर चुप रहते हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि यह सब दोनों परिवारों की सहमति से हो रहा है। कई बार यह शूट कई दिनों का होता है, जिसमें युवक-युवती साथ में यात्रा और निवास भी करते हैं। ऐसे में मन में स्वाभाविक प्रश्न उठता है - जब सब कुछ पहले ही किया जा चुका है, तो विवाह संस्कार का अर्थ क्या रह जाता है? यह प्रवृत्ति विशेष रूप से सम्पन्न घरानों से आरंभ हुई है, जो अपनी आर्थिक सामर्थ्य के प्रदर्शन हेतु परंपराओं की मर्यादा भुला बैठे हैं। दुर्भाग्यवश, इसका अनुकरण अब समाज के अन्य वर्ग भी करने लगे हैं। जैन सभा समिति का सवाल है, क्या यह वास्तव में प्रगति है या हमारी संस्कृति का पतन? क्या हम आने वाली पीढ़ियों को ऐसा ही उदाहरण देना चाहते हैं? आइए, विवेक से सोचें हमारी परंपरा, मर्यादा और संस्कृति को संभालना हमारी ही जिम्मेदारी है।

-अतिथि संपादक,
बाल मुकुन्द ओझा,
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार

राशिफल शनिवार 15 नवम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

मार्गशीर्ष मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, शनिवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र रात्रि 11:35 तक, विष्कुम्भ योग रविवार प्रातः 6:46 तक, बव करण दिन 1:44 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-तुला, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-वृश्चिक, बुध-वृश्चिक, गुरू-कर्क, शुक्र-तुला, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज यमघट योग रात्रि 11:35 से सूर्योदय तक है। आज उत्पन्न (वेतरागी) एकादशी व्रत, पदम प्रभु मोक्ष दिवस है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: शुभ 8:11 से 9:31 तक, चर 12:11 से 1:32 तक, लाभ-अमृत 1:32 से 4:12 तक।

राहूकाल: 9:00 से 10:30 तक। सूर्योदय 6:50, सूर्यास्त 5:32 तक

मेष
परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी।

कन्या
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनःस्थिति में सुधार होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक कार्यों एवं आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

मिथुन
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित आर्थिक समस्या का समाधान हो सकता है।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कुंभ
अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आज शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। धार्मिक-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

मीन
ार-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा।

भगवान बिरसा मुंडा - जनजातीय गौरव की गाथा

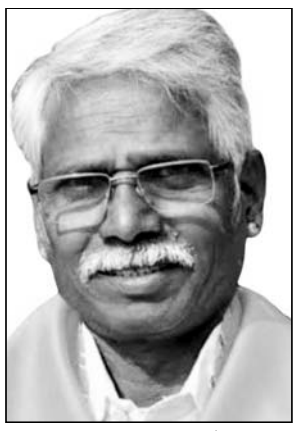

बाबूलाल खराड़ी

आज जब हम जनजातीय गौरव दिवस मना रहें हैं, तब महान आदिवासी स्वतंत्रता सेनानी और समाज सुधारक भगवान बिरसा मुंडा को याद करना न केवल हमारा कर्तव्य है बल्कि यह हमारे राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक भी है। 'धरती आबा' यानी धरती के पिता के नाम से प्रसिद्ध बिरसा मुंडा ने मात्र 25 वर्ष की अल्पायु में राष्ट्र और जनजाति समुदाय के लिए जो कार्य किए, वे सदियों तक प्रेरणा देते रहेंगे।

भगवान बिरसा मुंडा का जन्म 15 नवंबर, 1875 को झारखंड के उलिहातू गाँव में हुआ था। उन्होंने बहुत कम उम्र में ही अपने आदिवासी समाज पर ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन और ईसाई मिशनरियों के बढ़ते प्रभाव को महसूस किया। बिरसा मुंडा का जीवन ब्रिटिश उपनिवेशवाद, साहूकारों के शोषण और जमींदारी प्रथा के क्रूर गठजोड़ के खिलाफ एक अटूट संघर्ष था। उन्होंने देखा कि किस तरह उनकी मुंडा जनजाति की खुंटकट्टी (सामुदायिक स्वामित्व) कृषि प्रणाली को छीना जा रहा है, और उन्हें बेगार (बंधुआ मजदूरी) करने के लिए मजबूर किया जा रहा है। 19वीं शताब्दी के अंत तक ब्रिटिश शासन ने अपने क्रूर वन कानूनों (जैसे भारतीय वन अधिनियम 1865 और 1878) के माध्यम से आदिवासियों को उनकी पारंपरिक वन भूमि से वंचित कर दिया। उन्होंने जंगलों को व्यावसायिक लाभ के लिए आरक्षित वन घोषित कर दिया, जिससे आदिवासियों को लकड़ी काटने, मवेशी चराने, वनोत्पाद इकट्ठा करने या पारंपरिक शिकार करने से रोक दिया गया। इससे आदिवासियों की आजीविका और उनकी प्राचीन जीवनशैली पर सीधा हमला हुआ। बिरसा मुंडा ने इस शोषणकारी नीति और पर्यावरणीय विनाश के खिलाफ पुरजोर आवाज़ उठाई। उनका मानना था कि भूमि, जल और जंगल पर आदिवासियों का सामूहिक अधिकार है और इन संसाधनों का उपयोग केवल सतत और न्यायपूर्ण तरीके से ही किया जाना चाहिए न कि अनियंत्रित दोहन के लिए।

इस शोषण के विरुद्ध उन्होंने उलगुलान (महान विप्लव) आन्दोलन का आव्हान किया। यह केवल भूमि के लिए विद्रोह नहीं था, जल, जंगल और जमीन पर आदिवासियों के पैतृक अधिकार, उनकी संस्कृति और उनकी पहचान को बचाने की लड़ाई थी। बिरसा ने आदिवासियों को एकजुट किया, उनके बीच व्याप्त जाति और उपजाति के भेदों को मिटाया और उन्हें यह एहसास दिलाया कि वे भी सम्मान और अधिकारों के पात्र हैं।

उन्होंने अपने लोगों को यह सिखाया कि अन्याय के खिलाफ आवाज़ उठाना और अपनी गरिमा के लिए लड़ना उनका जन्मसिद्ध अधिकार है। उन्होंने आदिवासियों को उनकी पारंपरिक न्यायिक प्रणाली जैसे पड़ा पंचायत और मानकी-मुंडा व्यवस्था को पुनर्जीवित करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे अपने विवादों का निपटारा स्वयं कर सकें और बाहरी अदालतों पर निर्भर न रहें। उनका अबुआ राज (अपना राज) का विचार केवल ब्रिटिश शासन से राजनीतिक स्वतंत्रता तक सीमित नहीं था बल्कि एक ऐसे समाज की कल्पना थी, जहाँ सभी को समान अधिकार मिलें, जहाँ किसी भी प्रकार का शोषण न हो और जहाँ हर व्यक्ति गरिमापूर्ण जीवन जी सके।

बिरसा मुंडा ने अपने अनुयायियों को संगठित किया, उन्हें शस्त्रों के बजाय आत्म-विश्वास और सत्यनिष्ठा का बल दिया। 1897-1900 का बिरसा आंदोलन ब्रिटिश दमनकारी नीतियों एवं सामाजिक अन्याय के खिलाफ एक प्रत्यक्ष और सशक्त चुनौती थी, जिसमें आदिवासियों ने अपने अधिकारों के लिए अंग्रेजों के विरुद्ध संगठित विरोध किये। जनवरी, 1900 में डोम्बरी पहाड़ी पर जन सभा को संबोधित करते वक्त अंग्रेज सेना के साथ बिरसा मुंडा का टकराव हुआ एवं फरवरी में चक्रधरपुर के जमकोपाई जंगल से अंग्रेजों ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। बिरसा मुंडा को अंग्रेजों ने कैद कर रांची कारागार में रखा, जहाँ अंग्रेजों द्वारा इस आदिवासी महानायक को कई कठोर यातनाऐं दी गई। अन्ततः कारागार में बिरसा मुंडा जी की रहस्यमी परिस्थितियों में 9 जून, 1900 को मृत्यु हो गई।

बिरसा मुंडा केवल एक महान योद्धा ही नहीं थे अपितु एक दूरदर्शी समाज सुधारक भी थे। उन्होंने देखा कि जनजाति समुदाय में असंगठन, अशिक्षा, आर्थिक तंगी का गलत लाभ उठाते हुए ईसाई मिशनरियों द्वारा भोले-भाले आदिवासियों का धर्मान्तरण किया जा रहा है एवं आदिवासियों को उनकी गौरवशाली प्राचीन परम्पराओं से विमुख किया जा रहा है। बिरसा मुंडा ने आदिवासियों को उनके धर्म एवं परम्पराओं से जोड़ने के लिए कमर कसी एवं लगभग 1894-95 के आसपास, बिरसा ने एक आध्यात्मिक और सामाजिक-धार्मिक आंदोलन की शुरुआत की जिसे बिरसाइत पंथ के नाम से जाना जाता है। यह पंथ मूल मुंडा परंपराओं और एकेश्वरवाद का एक अनूठा संगम था, जिसमें केवल सिंगबोंगा (सूर्य देवता) की पूजा पर जोर दिया गया और जनजाति समुदाय में साफ-सफाई, शुद्धता तथा नैतिकता को जीवन का आधार माना गया। उन्होंने जनजातीय समुदाय को अंधविश्वासों, पशु बलि और नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने का उपदेश दिया। उनका यह प्रयास दिखाता है कि उन्होंने केवल बाहरी शत्रुओं से नहीं बल्कि आंतरिक बुराइयों से भी लड़ने का बीड़ा उठाया था।

बिरसा मुंडा की शहादत के वर्षों बाद भी उनका संदेश आज भी गूँजता है। उनके संघर्ष ने जनजातीय समुदायों को अधिकार और न्याय के लिए लड़ना सिखाया। उनकी प्रेरणा से ही देश में वन अधिकार अधिनियम, पेसा कानून और जनजातीय हितों की सुरक्षा के लिए कई संवैधानिक प्रावधान लागू हुए हैं।

बिरसा मुंडा हमें सिखाते हैं कि सच्चा नेतृत्व संसाधनों या उम्र से नहीं बल्कि साहस, नैतिकता और अपने लोगों के प्रति समर्पण से मापा जाता है। आज के भारत में जब हम समावेशी विकास और सामाजिक न्याय की बात करते हैं तब हमें बिरसा मुंडा के उस सपने को याद रखना होगा, जिसमे एक एक ऐसा समाज-निर्माण करने कि अभिलाषा है, जहाँ हर व्यक्ति को गरिमा और स्वाभिमान के साथ जीने का अधिकार हो और जहाँ प्रकृति का सम्मान सर्वोपरि हो। आइए, हम सब धरती आबा के दिखाए मार्ग पर चलें और उनके न्यायपूर्ण तथा समतावादी समाज के सपने को साकार करने में अपना योगदान दें।

-बाबूलाल खराड़ी,
जनजाति क्षेत्रीय विकास मंत्री, राजस्थान सरकार

आदिवासियों के लिए बिरसा मुंडा का योगदान

दुलीचन्द मीणा

बिरसा मुण्डा का जन्म 15 नवम्बर, 1875 को ऐसे समय हुआ जब आदिवासी सरदारों का आंदोलन चल रहा था। जिन्होने अपना राज्य वापस लाने के लिए प्रार्थना, विरोध और अर्जी देने की कानूनी और संवैधानिक नीति अपनाई थी। बिरसा संभवतः नव सरदारों के शक्तिशाली गुट के थे, जो उग्र नीति में विश्वास करते थे। मुण्डा आंदोलन की पृष्ठभूमि में भूमि-स्वामित्व-अपहरण संबंधी आक्रोश के साथ-साथ वनों के संरक्षण संबंधी सरकार के आदेश से जन-जातियों के उस परम्परागत अधिकारों को आघात था जिसके चलते वे वनों से लकड़ी काटकर निःशुल्क ईंधन ले जाते थे तथा वहां अपने पशुओं को चराते थे तथा तब चाहे वह जंगल से खेती के लिए जमीन ले लिया करते थे। बड़े स्तर पर आदिवासियों का धर्मान्तरण के साथ ही 1896-97 व 1899-1900 के अकालों से उनके बीच सुलगती असन्तोष की आग विस्फोटक स्थिति में पहुंच गई। नई आबकारी नीति के कारण मुण्डाओं के बीच मद्यपान का रिवाज शुरू हुआ और मुण्डा-मजदूरों के चाय बागान तथा अन्य कारणों से बाहर जाने से उनके परम्परागत नैतिक मूल्यों और अधिकारिता पर चोट पहुंची।

बचपन में बिरसा चलकद में अपने मॉ-बाप के साथ ही रहा। बिरसा ने सलमा में जयपाल नाग की पाठशाला में आरंभिक शिक्षा प्राप्त की। बिरसा की मौसी जोनी की शादी होने पर वह बिरसा को अपने साथ ससुराल खटॉगा ले गई। यहां वह भेड़-बकरियां चराता था, लेकिन भावमग्न बिरसा अपने अध्ययन में इतना तल्लीन रहता था। बिरसा के भाई कोम्ता ने बिरसा को लुकास प्रचारक के साथ बुर्जु के जर्मन मिशन में भेज दिया जहां से बिरसा ने लोअर प्राईमरी परीक्षा दो वर्ष में पास की। जर्मन मिशन के रेवरेड पुट्सकिग बिरसा से बोले कि "हमारे यहां और पढाने की व्यवस्था नही है तुम चाईबासा जाओ, तुम पढाई मत छोड़ना तुम्हारा भविष्य बहुत उज्जवल है।" 11वें वर्ष में बिरसा चालकाड़ लौट आया। बिरसा को सन् 1886 में चाईबासा मिशन में उच्च प्राथमिक शिक्षा के लिए भर्ती करा दिया गया। यहां बिरसा 1886 से 1890 तक रहा। यह उसके व्यक्तित्व का निर्माण काल था। इस समय आदिवासी सरदारों का भूमि आंदोलन चल रहा था। इस बीच मिशनरियों से आदिवासी सरदारों का विच्छेद हो गया। मिशनरियों ने आदिवासी सरदारों को धोखेबाज एवं ठग कहना शुरू कर दिया इसलिए बिरसा ने डॉ. नोट्रोट एवं मिशनरियों की तीखी आलोचना की। बिरसा ने आवाज बुलन्द की साहब-'साहब एक टोपी है।' इस पर बिरसा को मिशन से निकाल दिया गया। अत बिरसा चाईबासा मिशन छोड़कर चलकड चला गया। बिरसा का मन बहुत अस्थिर हो रहा था। अब बिरसा सिंबोङा की सैंगेल-दा की कहानी के बारे में पता लगाने के लिए बनगाँव के जमीदार जगमोहन सिंह के यहां गया। उनके मुंशी आनंद पाण्डे यह सब जानते थे। यहां उनके प्रभाव से बिरसा ने मांस खाना छोड़ दिया, उसने यज्ञोपतीत धारण किया, शरीर पर चन्दन लगाया, तुलसी की पूजा की, रामायण, महाभारत, पुराण सब सुने, गौवध रूकवाया। इस समय आदिवासी सरदार आंदोलन जोर पकड़ रहा था। 1893-94 में गॉवों की सभी बंजर भूमि को जिस पर सरकार का स्वामित्व था सुरक्षित वन घोषित कर दिया। अन्य सरदारों की तरह बिरसा भी कुछ रैयतो को साथ लेकर चाईबासा गया और जंगल ऑफिस अर्जी दे आया था। इसका कोई फल नही निकला और बिरसा बनगाँव लौट आया। वहां आनन्द पाण्डे ने बिरसा के अर्जी देने से नाराज होकर कहा कि "तेरे लिए जगह नही है। पाण्डे के अधीन बिरसा के शिष्यत्व की अवधि 1893-94 में समाप्त हो गई।"

1894-95 में बिरसा का मसीहा के रूप में उदय हुआ। उस समय वे लोग जंगल के साग-पात से अपनी भूख मिटा रहे थे। उसी समय एक गर्भवती मुण्डा महिला की प्रसव के दौरान मौत हो गई। मुण्डा धार्मिक प्रथा के अनुसार शव को कुछ गहनों एवं धन के साथ गाड़ दिया गया। भूख की ज्वाला को शांत करने के लिए बिरसा रात के समय कब्र खोदकर वह गहने व धन को निकाल लाया तथा बीरबांकी के बाजार में बेचकर परिवार के लिए अनाज ले आया। इस घटना की खबर चारों ओर फैल गई। पूछताछ करने पर बिरसा ने अपना अपराध कबूल कर लिया। बिरसा के माता-पिता ने बिरसा का लाया हुआ खाना खाने से इंकार कर दिया। उसे धर्म बहिष्कृत कर दिया। बिरसा चिल्लाकर पेट पीटता हुआ जंगल में चला गया। मई-जून 1895 में बिरसा के हृदय में सर्वोच्च प्रभू ने प्रवेश किया। बिरसा जंगल से जब गॉव लौटा तो उसने अनेक लोगों को अपने इंतजार में खड़ा पाया। बिरसा!, "करमी के चेहरे पर अविश्वास का भाव था।" "बिरसा मत कहो, मॉ। मैं भगवान हूँ। मैं ही भगवान हूँ। मैं सबके लिए जंगल-पहाड़, धरती सब जीतकर ला दूंगा।" उसने स्वयं को धरती आबा (धरती का पिता) घोषित किया। अब आस-पास के क्षेत्रों में बिरसा का व्यक्तित्व रोगों को दूर करने वाले, उपदेशक के रूप में, चमत्कार दिखाने वाले और पैगम्बर के रूप में निकलकर सामने आया।

अगस्त-नवम्बर 1895 में बिरसा का राजनीतिक आंदोलन शुरू हुआ। वह बिरसा-राज एवं बिरसा-धर्म स्थापित करना चाहता था। सभी सरदार बिरसा आंदोलन के साथ जुड़ते चले गये। बिरसा के अनुयायियों की संख्या लगातार बढ रही थी तथा चारों ओर बिरसा लोकप्रिय हो रहा था। विभिन्न थानों एवं ईसाई मिशनरियों ने सरकार को विभिन्न तरीके से बिरसा के कार्यकलापों की रिपोर्ट सौंपी। अन्ततः अगस्त 1895 में बिरसा को गिरफ्तार कर लिया और रांची ले जाया गया।

रांची के कमिश्नर ने बिरसा से जेल में मुलाकात की। बिरसा ने उससे कहा कि वह केवल धार्मिक विषयों पर लोगों में भाषण करता था। बिरसा पर मुकदमा चलाने का स्थान रांची से खूंटी ले जाया गया,जो कि मुण्डा क्षेत्र का गढ था ऐसा इसलिए किया गया कि बिरसा के दावों से धोखे में रहने वाले लोग मुकदमा खुद देख सकें तथा उसके दावों की व्यर्थता समझ सकें। अंत में डिप्टी कमिश्नर ने अपना फैसला सुनाया कि, "बिरसा भड़काने वाला हैं, आंदोलन का प्रवर्तक हैं, उसने मुण्डाओ के मन में अंग्रेज सरकार के प्रति अश्रद्धा पैदा की हैं। अतः बिरसा को दो वर्ष की सजा सुनाई गई।"

जब बिरसा जेल में थे तो 1896-97 में कोढ़ के रोग की तरह अकाल फैला। मुण्डा क्षेत्र में सरकारी रिकॉर्ड के मुताबिक भुखमरी से 40 मौते हुई। ईसाई मिशनरियों ने सार्वजनिक भोज के प्रबंध किये लेकिन जमींदारों एवं सूदखोर महाजनों ने हृदयहीनता दिखाई। इन हालातो में आशा की एक मात्र किरण बिरसा का आंदोलन ही था। 30 नवम्बर,1897 को बिरसा को जेल से रिहा किया गया। रांची के डिप्टी कमिश्नर नें बिरसा से वायदा लिया कि वह रिहा होने के बाद कोई उपद्रव नहीं करेगा। जेल से रिहा होने के कुछ दिनों बाद बिरसा के अनुयायी उससे मिले और पुनः आंदोलन करने के लिए अनुनय किया। इस प्रकार धार्मिक एवं राजनैतिक आंदोलन की पुनः शुरुआत हुई। इस क्रम में पैतृक स्थानों जैसे चुटिया, नवरतन, जगन्नाथपुरी आदि की यात्रा की गई तथा गुप्त बैठकों का आयोजन किया गया जिनमें विद्रोह की रणनीति बनाई जाती थी। डोम्बारी पहाड़ी पर बैठक में बिरसा नें एक लाल झंडा और एक सफेद झंडा लिया। सफेद झंडा मुण्डाओ का प्रतीक था और लाल झंडा दिकुओं द्वारा मुण्डाओ और आदिवासियों के शोषण का प्रतीक था। बिरसा ने लाल झण्डे पर प्रहार किया और बिरसा ने घोषणा की कि "दिकुओं से कसकर लड़ाई होने वाली है, उन लोगों के खून से जमीन इस लाल झण्डे की तरह लाल हो जाएगी।" अपना धर्म एंव राज्य वापस लेने के लिए बिरसा का विद्रोह निर्बाध रूप से उग्रतापूर्ण था। बिरसा ने उलगुलान शुरू करने के लिए बड़े दिन के पूर्व का दिन यानी 24 दिसम्बर, 1899 निर्धारित किया गया। उलगुलान के दो खण्ड निश्चित किये गये। पहले में आग जलाकर, तीर छोड़कर कर क्रिस्तानों को डराने का कार्यक्रम था तथा दूसरे चरण में सशस्त्र संग्राम शुरु करना था।

खूटी थाना क्षेत्र में 24 तारीख की ही शाम को अनेक गिरीजाघरों पर तीर चलाये गये। रांची में छेदी मिस्त्री नामक व्यक्ति की तीर लगने से मृत्यु हो गई तथा अनेक लोगों को चोटें आई। सिंहभूमि क्षेत्र में आगजनी की ज्यादा घटनायें हुई। 24 दिसम्बर, 1899 की घटनाओं की लहर दूर-दूर तक फैल गयी इसके बाद मुंडाओं ने गिरिजाघरों व ईसाईयों पर हमले बंद कर दिए और आंदोलन पूरी तरह राजनीतिक हो गया। 5 जनवरी को ऐटकेडीह में बिरसा के अनुयायी गया मुण्डा को गिरफ्तार करने आये पुलिस दल के दो सिपाहियों की मुण्डा विद्रोहियों ने तलवार से काट कर हत्या कर दी। दूसरे ही दिन रांची के डिप्टी कमिश्नर स्ट्रीटफील्ड स्वयं ऐटकेडीह पहुंचे और गया मुण्डा को एक भारी विरोध के बाद गिरफ्तार कर लिया। इस विरोध में गया मुण्डा के परिवार की महिलाओं ने वीरता का परिचय दिया।

उसी रात बोरतोडीह में विद्रोहियों की बैठक हुई और यह तय किया कि मुण्डा क्षेत्र के केन्द्र में खूंटी थाना सरकारी आधिपत्य का प्रतीक है, इसलिए उन्होने जोर से आवाज दी कि "खूटी में रहर की फसल पक गई है, आओ इसे काटें।" दूसरे ही दिन खूंटी थाने पर हमला कर दिया जहां एक सिपाही को मार डाला तथा थाने में आग लगा दी, लेकिन थाने में जो रूपया था उसे उन्होने छुआ तक नही। खूटी पर हमला विद्रोहियों की अधिकारियों के साथ सीधी बड़ी टक्कर थी। इस घटना के बाद रांची में आतंक फैल गया। रांची, सिंहभूम के एस.पी., कमिश्नर, पादरी, आमजनता सबमें दहशत का माहौल था। अब पुलिस एवं फौज सब विद्रोहियों को गिरफ्तार करने में जुट गये।

ब्रिटिश अधिकारियों को खबर मिली कि सईल रकब पहाडी पर 9 जनवरी को विद्रोही मुण्डाओं की बड़ी बैठक होने जा रही है। 25 दिसम्बर 1899 से ही विद्रोही बडी संख्या में सईल रकब पहुंचने लगे थे वे वहां सपरिवार आये थे तथा सईल रकब को एक अभेद्य दुर्ग मानते थे। इस पहाडी को पुलिस व सेना ने घेर लिया इस कार्यवाही में स्वयं कमिश्नर साथ थे। रांची के डिप्टी कमिश्नर स्ट्रीटफील्ड ने विद्रोहियों से बिरसा को सौपने एवं आत्म समर्पण करने को कहा। लेकिन उठा मुण्डाओं मे से नरसिंह मुण्डा ने अंग्रेजी सेना को ललकारते हुए कह कि "अब राज हम लोगो का है अंग्रेजों का नहीं, मुण्डा आखिरी बूंद तक लड़ने को तैयार है।" अन्ततः विद्रोही व सेना में आमने-सामने की कार्यवाही हुई। पहाडी से विद्रोही गुलेलो एवं पत्थरो की वर्षा कर रहे थे। पुलिस गोलीबारी कर रही थी। विद्रोहियों में महिला व पुरूष दोनों ही थे। अनेक बिरसा विद्रोही गोलीबारी में मारे गये।

पहाड़ी पर बिखरे पड़े शव नरसंहार की कहानी बया कर रहे थे, पुलिस ने पहाड़ी पर बिखरी पड़ी लाशों को दो बडी खाईयों में गाड दिया। 'द स्टेटमैन' अखबार के मुताबिक इसमें कम से कम 400 मुण्डा मारे गये। मुण्डाओं के वकील वैरिस्टर जैकब ने मृतको की संख्या के इस अनुमान को सही माना। रातोंरात वह पहाड़ी गोलीकाण्ड की पहाड़ी के नाम से जानी जाने लगी।

इस घटना का मुण्डा लोकगीतों में बड़े मार्मिक ढंग से चर्चा की गई है, सात नदियां विद्रोहियों के गरम-गरम खून से उबल पड़ी, ऊपर से धुंआधार गोलियां मौत उगल रही थी, सईल रकब की घटना के बाद रांची एवं सिंहभूम जिले में विद्रोहियों की धर-पकड़ शुरू की गई। बिरसा को गिरफ्तार करने के लिए पांच सौ रूपये का पुरस्कार घोषित किया गया तथा अन्य सरदारों की गिरफ्तारी के लिए इनाम घोषित किया गया। विद्रोह को कुचलने के लिए दंगा प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस व सेना का अतिरिक्त जाब्ता तैनात कर दिया गया। बिरसा आंदोलन को कुचल डालने के लिए भयानक आतंक बरपा दिया गया। उनके साथ धोखाधड़ी और जालसाजी की गई, सताया गया, बुरी तरह पीटा गया, उनसे प्रश्न पूछे गये, उनकी सम्पत्ति लूट ली गई तथा बहिन-बहुओं का शील हरण किया गया। मुण्डाओं के दमन के लिए सारे हथकण्डे अपनाये गये। सरकारी की इस दमनकारी नीति के परिणाम स्वरूप प्रमुख मुण्डा सरदार डोंका एवं माझिया ने अपने साथियों के साथ आत्मसमर्पण किया। अनेक मुण्डाओ को बिरसा समर्थको को गिरफ्तार कराने के लिए इनाम दी गई। बिरसा को पकड़वाने के लिए मानमारू और जरीकेल के सात आदमी पांच सौ रूपये के लोभ मे पड गये उन्होनें सेंतरा के जंगल में बिरसा को रात को धोखे से सोते हुए पकड लिया और बंदगाँव में कैम्प डाले डिप्टी कमिश्नर को सुपुर्द कर दिया। उन्हें पांच सौ रूपये का इनाम दिया गया। पुलिस ने विद्रोह की आशंका को देखते हुए बिरसा को खूटी के रास्ते रांची पहुंचा दिया गया। जेल में बिरसा ने कई बार ऐसे उद्दरण एवं मसीही भाषा में प्रलाप किया जो उसके मानसिक व्यथा और बिगडते स्वास्थ्य के धोतक थे। बिरसा की जेल में तबियत खराब हो रही थी अन्ततः 9 जून को प्रातः 9 बजे उनकी मृत्यु हो गई। बिरसा के शव परीक्षण में मृत्यु का कारण एशियाटिक हैजे को बताया गया। बिरसा मुंडा की मृत्यु के कारणों पर ओर अधिक अनुसंधान की जरूरत हैं। यद्यपि मुण्डा विद्रोही मुण्डा राज स्थापित करने में सफल नही हो पाये लेकिन 1903 के काश्तकारी संशोधन अधिनियम के द्वारा प्रथम बार मुण्डा खुंटकट्टी व्यवस्था को कानूनी मान्यता दी गई।

1908 में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम आया जिसके अधीन मुण्डाओं को भूमि समस्या के संबंध में जो विशेष अधिकार मिले उतने भारतीय खेतीहरों के किसी भी वर्ग को कभी भी नहीं मिलें थे। आदिवासीयों एवं प्रशासन को एक साथ लाने के लिए प्रशासनिक सुधार करते हुए 1905 में खूंटी तथा 1908 में गुमला को अनुमण्डल बनाया गया। बिरसा-धर्म मसीहावाद पर आधारित था जिसका प्रभाव उरांव जनजाति के ताना भगत आंदोलन, गोविंदगिरी के भील आंदोलन, 1930-31 के हरिबाबा आंदोलन एवं महात्मा गांधी द्वारा किये गये आंदोलन पर पडा। आदिवासी महासभा द्वारा 1938 में बिरसा को आदिवासी जागरण के प्रतीक के रुप में स्वीकार किया। इस प्रकार बिरसा ने न केवल आदिवासीयों के मसीहा बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन के नायक के रूप में दिकुओं से लड़ाई लडी और शहीद हुए।

-दुलीचन्द मीणा,
आर.ए.एस

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 218 प्रभात जालोर, शनिवार, 15 नवम्बर, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

कांग्रेस अभी भी स्वीकार करने को तैयार नहीं है कि बिहार में वो जायज तरीके से हारी है

कांग्रेस का मानना है कि ''द मैन ऑफ द मैच'' चुनाव आयुक्त हैं, जिन्होंने आँखें बंद करके रखीं, जब भाजपा ने सभी स्थापित तौर तरीकों का उल्लंघन कराया, चुनाव अभियान के दौरान

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। बिहार चुनाव में भाजपा और जद यू को भारी जीत मिली है, जबकि राजद को भारी हार का सामना करना पड़ा है।

एन.डी.ए. ने 200 का आंकड़ा पार कर लिया, जो कई लोगों के लिए चौंकाने वाला है, क्योंकि ज़मीनी हालात इतनी बड़ी जीत का संकेत नहीं दे रहे थे।

कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि ''मैन ऑफ द मैच'' चुनाव आयुक्त रहे, जिन्होंने आँखें बंद कर लीं और सोते रहे, जबकि भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान सभी नियमों और मानकों का खुलकर उल्लंघन किया।

प्रशांत किशोर को भी बड़ा झटका लगा और उनका प्रदर्शन बिल्कुल शून्य रहा, जिससे वे चुनावी मुकाबले से बाहर हो गए।

महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव चुनाव जीत गए, लेकिन दिन के कुछ समय तक वे पीछे चल रहे थे।

- **कांग्रेस के आरोपों के अनुसार, पैंसठ लाख मतदाताओं का वोटर लिस्ट से नाम काटा गया था तथा देश भर से मतदाता भेजे गये थे, भाजपा के पक्ष में वोट करने के लिए।**
- **कांग्रेस का यह भी आरोप है कि बिहार के माइग्रेंट वोटर को मतदान के लिए लाने की पूर्ण व्यवस्था की गई, फूलमाला व स्वागत गेट बनाकर।**
- **कांग्रेस की यह भी शिकायत है कि दस हजार रूपए एक करोड़ महिला मतदाताओं को बांटे गए, पर, चुनाव आयोग चुप रहा।**
- **कांग्रेस के अनुसार, भाजपा व चुनाव आयोग के बीच ''गठबंधन'' है और इसीलिए प्र.मंत्री मोदी ने नारा दिया है, ''गंगा बिहार से बंगाल बहती है'' और अब बंगाल के चुनाव में भी यह संबंध उपयोग में लाए जाएंगे।**

सबसे बड़ा झटका राहुल गांधी को लगा, जिनकी कांग्रेस पार्टी 61 में से सिर्फ 5 सीटें जीत सकी। भाजपा नेताओं ने उनके नेतृत्व की कड़ी आलोचना की, और कांग्रेस के भीतर भी उनके कामकाज और पार्टी चलाने के तरीके पर तीखी आलोचना बढ़ रही है।

राहुल और प्रियंका दोनों देश से बाहर हैं, और कांग्रेस नेतृत्व की ओर से इस भारी हार पर कोई ठोस बयान सामने नहीं आया है।

वाम दल (लेफ्ट पार्टियाँ), जिन्हें अच्छे नतीजों की उम्मीद थी, वे भी पूरी तरह निराश हैं और राजनीतिक तस्वीर से लगभग बाहर हो गये हैं।

कांग्रेस पुनः पुरजोर ढंग से कह रही है कि असली कहानी भाजपा नेतृत्व के चुनावी प्रबंधन और चालों की है, जिसने इस जीत को संभव बनाया, और भाजपा के अंदर के कई नेता और कार्यकर्ता भी इससे चकित रह गए हैं।

कांग्रेस ने यह भी आरोप लगाया कि 65 लाख से ज़्यादा मतदाताओं के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुधांश पंत सोमवार को श्रीनिवास को मुख्य सचिव का कार्यभार सौपेंगे

सुधांश पंत

वी. श्रीनिवास

जयपुर, 14 नवंबर। वर्ष 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस वी. श्रीनिवास राजस्थान के नये मुख्य सचिव का कार्यभार सोमवार को वर्तमान मुख्य सचिव सुधांश पंत से ग्रहण करेंगे। सुधांश पंत दिल्ली में कैबीनेट सैक्रटेरियट में ओएसडी बनाये गये हैं तथा वे मंगलवार को अपना काम संभालेंगे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक बार फिर नीतीश भाजपा को उनकी पार्टी का मु.मंत्री बनाने का आग्रह करेंगे

भाजपा यह प्रस्ताव स्वीकार ना करके मुख्यमंत्री बनायेगी नीतीश को

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवंबर। भाजपा ने बिहार की राजनीति में पहली बार वह बाधा पार कर ली है, जो अब तक उसके लिए मुश्किल रही थी। अब पार्टी के पास ऐसा जनादेश है कि वह नीतीश कुमार की जेडीयू के सहारे के बिना भी राज्य पर शासन कर सकती है।

बिहार के मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने अपनी पार्टी की सीटें लगभग दोगुनी कर युद्ध तो जीत लिया है, लेकिन इस चुनाव में वे, भाजपा से राजनीतिक लड़ाई हार गए हैं।

एनडीए ने 200 से अधिक सीटों की प्रचंड जीत हासिल की है, जबकि विपक्षी महागठबंधन 40 से भी कम सीटों पर सिमट गया। 243 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा 90 से अधिक सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। छोटे-छोटे मित्र दलों, चिराग पासवान की एलजेपी (आरवी), जीतन राम मांझी की एचएएम, उपेन्द्र कुशवाहा की आरएलएम और कुछ निर्दलीयों सहित, भाजपा अब 122 के बहुमत के आंकड़े के बिल्कुल करीब है।

- **यह प्रक्रिया केवल मीठी औपचारिकता ही नहीं है, इसमें यह सत्य भी छुपा है कि केन्द्र में एनडीए सरकार चलाने के लिए नीतीश के सांसद अनिवार्य हैं।**
- **अतः भाजपा कभी भी नीतीश को बिहार का मुख्यमंत्री न बनाने का रिस्क नहीं ले सकती।**

सूत्रों का कहना है कि नीतीश कुमार 2020 की तरह इस बार भी भाजपा से आग्रह कर सकते हैं कि वह अपना मुख्यमंत्री चुने। लेकिन संभावना यह है कि भाजपा नीतीश के मुख्यमंत्री बने रहने पर जोर देगी, क्योंकि केन्द्र में भाजपा को अभी भी जेडीयू के समर्थन की ज़रूरत है। इसलिए लगता है कि नीतीश कुमार ही 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे।

उत्तर प्रदेश के विपरीत, भाजपा अब तक बिहार में अकेले अपने दम पर सत्ता में नहीं आ सकी थी। लेकिन आज के नतीजों के बाद, भगवा पार्टी को शासन की कुंजी अपने हाथों में मिलती दिख रही है। हालांकि जेडीयू की सीटें बढ़ी हैं, लेकिन नीतीश कुमार की गिरती सेहत और पार्टी के कुछ वरिष्ठ नेताओं, जैसे संजय झा और लल्लन सिंह का भाजपा के क़रीब जाना जेडीयू को कमजोरी की ओर ले जा रहा है। फिर भी उनकी पार्टी और एन.डी.ए. की भारी जीत ने नीतीश को यह मौका दिया है कि वे अपने राजनीतिक करियर का समापन गरिमा और सम्मान के साथ कर लें। देखना यह है कि वे अभी मुख्यमंत्री पद छोड़ने का निर्णय लेते हैं, या आगे चलकर। जेडीयू के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''यह फैसला केवल नीतीश ही ले सकते हैं।''

महागठबंधन के दलों का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। लेकिन असली संकट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारी ''सैटबैक'' के बावजूद आरजेडी को भाजपा व जद (यू) से ज्यादा वोट मिले

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। तेजस्वी यादव की अगुवाई वाली राजद को अब तक अपने प्रतिद्वंद्वियों, भाजपा और नीतीश कुमार की जद यू से ज़्यादा वोट मिले हैं।

बिहार में सत्ता पर क़ाबिज़ नेशनल डेमोक्रेटिक एलायंस (एनडीए) दोबारा सरकार बनाता हुआ दिख रहा है, वहीं, विपक्ष की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल (राजद), जिसे 2010 के बाद से अपना सबसे बड़ा झटका झेलना पड़ सकता है, इस बात से थोड़ी राहत में है कि उसे सबसे ज़्यादा वोट शेयर मिला है। वोटों की गिनती शुरू होने के छह घंटे बाद तक, तेजस्वी यादव की पार्टी को भाजपा और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जेडीयू से ज़्यादा वोट मिले हैं।

राजद, जिसने 243 सदस्यीय विधानसभा की 143 सीटों पर चुनाव लड़ा था, को अब तक 22.84 प्रतिशत वोट मिले हैं, जो भाजपा से 1.86 प्रतिशत और जद यू से 3.97 प्रतिशत ज़्यादा है।

2020 के विधानसभा चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरने वाली राजद इस बार सिर्फ 27 सीटों पर आगे चल रही है। यह प्रदर्शन राजद का 2010 के बाद दूसरा सबसे खराब प्रदर्शन माना जा रहा है, जब पार्टी को सिर्फ 22 सीटें मिली थीं।

- **आरजेडी ने 143 सीटों पर चुनाव लड़ा था तथा उसका ''वोट शेयर'' 22.84 प्रतिशत रहा, जो भाजपा के ''वोट शेयर'' से 1.86 प्रतिशत ज्यादा है तथा जद (यू) के वोट शेयर से 3.97 प्रतिशत अधिक है।**

विपक्षी महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद का चेहरा, तेजस्वी यादव अपनी राघोपुर सीट पर जीत गए हैं, लेकिन, दिन में काफी समय तक पीछे चल रहे थे। एक बार तो वे भाजपा के सतीश कुमार से 2,288 वोटों से पीछे थे।

महागठबंधन में राजद के साथी दल भी काफी पीछे हैं। कांग्रेस 4 सीटों पर आगे है, सीपीआईएम (एल) 4 पर और सीपीआई 1 सीट पर आगे है।

वहीं दूसरी तरफ, एनडीए 201 सीटों पर आगे है। भाजपा 91 सीटों पर, जेडीयू 81 पर, केन्द्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (राम विलास) 21 पर, केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा 5 पर, और राज्यसभा सांसद उपेन्द्र कुशवाहा का राष्ट्रीय लोक मोर्चा 4 सीटों पर आगे हैं।

प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी और मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) उन सभी सीटों पर पीछे हैं, जहां उन्होंने चुनाव लड़ा है।

बिहार में मतदान दो चरणों में हुआ था, 6 नवंबर और 11 नवंबर को, और इस बार 66 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ, जो 1951 के बाद राज्य में सबसे अधिक है।

पुरुष मतदाताओं ने 62.8 प्रतिशत और महिला मतदाताओं ने 71.6 प्रतिशत मतदान किया।

राज्य सरकार 15 अप्रेल तक पंचायत व निकाय चुनाव कराए

जयपुर, 14 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को आदेश दिए हैं कि वह प्रदेश की पंचायतों और नगर निकायों के चुनाव 15 अप्रैल तक कराए। इसके लिए अदालत ने 31 दिसंबर तक परिसीमन की प्रक्रिया पूरी करने को कहा है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने यह आदेश पूर्व विधायक संयम लोढ़ा की याचिका सहित, जयपुर और जोधपुर में दायर कुल 439 याचिकाओं पर फैसला सुनाते हुए दिए। अदालत ने गत 12 अगस्त को सभी पक्षों को सुनने के बाद इन याचिकाओं पर फैसला सुरक्षित रख लिया था।

- **राजस्थान हाई कोर्ट की खंडपीठ ने निर्देश देते हुए परिसीमन की प्रक्रिया 31 दिसम्बर तक पूरी करने को कहा।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीतीश, भाजपा कॉम्बिनेशन इतना अनबीटेबल क्यों है

भाजपा की संगठनात्मक क्षमता, सशक्त बूथ सैटअप व राष्ट्रीय चुनाव अभियान ने नीतीश की विश्वसनीयता व अनुभव को पोषित किया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवंबर। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने स्वयं को एक स्थिर और भरोसेमंद प्रशासक के रूप में पेश करके वर्षों की सरकार-विरोधी लहर (एंटी-इनकंबेंसी) पर काबू पा लिया है। उनकी निरंतरता, मजबूत नेतृत्व और स्थिर कामकाज के वादे ने मतदाताओं की थकान को कम करने और प्रमुख क्षेत्रों में विश्वास जगाने में मदद की है।

भाजपा के साथ उनका समय पर किया गया गठबंधन बेहद अहम साबित हुआ। जिसने उनकी जदयू की क्षेत्रीय ताकत को भाजपा के बड़े संगठनात्मक ढांचे से जोड़ दिया। इसने अलग-अलग जातियों में समर्थन बढ़ाया और उन मतदाताओं को भरोसा दिया, जो एकजुट और स्थिर राजनीतिक विकल्प चाहते थे।

- **नीतीश की ईबीसी, कुर्मी, महादलित व गैर यादव ओबीसी पर पकड़ ने एक व्यापक व नया समीकरण प्रस्तुत किया, जिसने दोनों पार्टियों को कई सोशल ग्रुप्स में प्रवेश दिलाया तथा लालू का चिरपरिचित ''एम वाय'' फॉर्मूला महागठबंधन को व्यापक समर्थन नहीं दिला पाया।**

74 साल की उम्र में, नीतीश कुमार ने अपने बारे में उठे संदेहों को गलत साबित किया। उन्होंने पूरी ऊर्जा और फोकस के साथ चुनाव प्रचार किया। जनता के बीच लगातार संपर्क और संवाद ने मतदाताओं को भरोसा दिलाया कि वे एक और कार्यकाल संभालने और प्रभावी नेतृत्व देने में पूरी तरह सक्षम हैं।

महिलाओं के लिए खास योजनाओं और स्वयं-सहायता समूहों के लिए शैक्षिक सहायता जैसी पहल से महिला वोटरों में उनकी पकड़ और मजबूत हो गई। सुरक्षा और कल्याण योजनाओं के उनके रिकॉर्ड ने एक मजबूत महिला समर्थन आधार तैयार किया, जिसने उनके कुल वोटों में बड़ी बढ़ोतरी की।

सड़क, बिजली, कल्याणकारी योजनाओं और कानून-व्यवस्था पर उनका ज़ोर पूरे प्रदेश में पसंद किया गया। रोज़मर्रा के जीवन में बेहतर सरकारी कामकाज का संदेश ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में बहुत प्रभावी रहा, जहाँ लोग लगातार सुधार देखना चाहते थे।

दूसरी तरफ, महागठबंधन की आपसी खींचतान और अस्पष्ट संदेशों ने विपक्ष को कमज़ोर बना दिया। स्पष्ट नेतृत्व और स्थिरता चाहने वाले मतदाता एनडीए की तरफ चले गए, जिससे पूरी चुनावी मुहिम में नीतीश कुमार की बढ़त कायम रही।

भाजपा का मजबूत बूथ प्रबंधन और राष्ट्रीय स्तर का प्रचार भी उनके लिए फायदेमंद रहा। मतदाताओं तक पहुँचने की भाजपा की संगठित रणनीति ने नीतीश कुमार की छवि और अनुभव को और मजबूती दी।

ईबीसी, कुर्मी, महादलित और गैर-यादव ओबीसी समुदायों तक उनकी पहुँच ने एक व्यापक सामाजिक गठजोड़ बनाया। प्रतिनिधित्व और लक्ष्ययुक्त सहायता देने से उन्हें राज्य के कई सामाजिक समूहों का समर्थन मिला।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भू-अभिलेख निरीक्षक 7.5 लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

जयपुर, 14 नवम्बर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की राजसमन्द टीम ने कार्रवाई करते हुए वृत भाणा तहसील कुंवारिया जिला राजसमंद के भू-अभिलेख निरीक्षक कमलेश चंद्र खटीक को सात लाख रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। यह रिश्वत भू-प्रबन्ध विभाग की ओर से चलाये जा रहे पैमाइश कार्य में आराजियात की मौके के हिसाब से पैमाइश की कार्यवाही करने एवं नक्शा शुद्धिकरण करने की एवज में ली गई थी। फिलहाल भू-अभिलेख निरीक्षक के घर सहित अन्य ठिकानों पर एसीबी की सर्च चल रही है।

- **भ्रष्टाचार निरोधक विभाग निरीक्षक के घर व अन्य ठिकानों पर सर्च कर रही है।**

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भारतीय कैबिनेट मंत्री का एप्स्टीन सैक्स स्कैंडल में नाम आने से दिल्ली में हड़कंप मचेगा इस बार

पहली बार जब यह नाम आया था तो चुपचाप माननीय मंत्री को इस्तीफा लेकर घर भेज दिया था और आशा की गई थी कि मामला शांत पड़ गया है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 नवम्बर। एप्स्टीन कांड जैसे-जैसे अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप को और गहराई तक घसीटता जा रहा है, एक भारतीय मंत्री का नाम सामने आने से भारत की घरेलू राजनीति भी अचानक गर्म हो गई है। एप्स्टीन मामला नाबालिग लड़कियों की तस्करी और उन्हें सत्ता और धन के बड़े पदों पर बैठे उम्रदराज़ पुरुषों के सामने पेश करने से जुड़ा है।

सोशल मीडिया पर सबसे बड़ा सवाल यही घूम रहा है, क्या एप्स्टीन से जुड़े एक केन्द्रीय मंत्री का नाम सामने आने के बाद उन्हें मोदी सरकार से हटाया जाएगा? एक ईमेल में मंत्री के शामिल होने के संकेत मिलने के बाद कई लोग इस संभावित आरोप को लेकर गहरी नाराज़गी और घृणा व्यक्त कर रहे हैं।

अगर मंत्री को तुरंत हटाया न भी जाए, तब भी मंत्री और सरकार, दोनों पर यह ज़िम्मेदारी बनती है कि वे जनता को स्पष्ट बताएं कि उस मंत्री और एप्स्टीन समूह के बीच क्या संबंध थे। अब तक न तो उस मंत्री की तरफ से कोई बयान आया है, न ही केन्द्र सरकार की तरफ से।

नैतिकता यही कहती है कि सरकार कम से कम मंत्री से स्पष्टीकरण मांगे और बताए कि उनका नाम एप्स्टीन समूह से कैसे जुड़ा।

इस घोटाले में पहले भी कई बड़े नाम गिर चुके हैं। इनमें इंग्लैंड के किंग चार्ल्स के छोटे भाई प्रिंस एंड्रयू भी शामिल हैं, जिन्हें हाल ही में शाही उपाधि से वंचित कर दिया गया और अब वे सिर्फ एंड्रयू माउंटबेटन विंडसर कहलाते हैं। उन्हें उनके विशाल शाही महल से भी निर्वासित कर दिया गया है।

- **पर, अमेरिका में ही एप्स्टीन प्रकरण जोर पकड़ रहा है, क्योंकि राष्ट्रपति ट्रंप का नाम भी इस एप्स्टीन के मित्र व जानकार के रूप में उभरा है।**
- **बहुत सार्वजनिक दबाव बना है कि एप्स्टीन के सारे ई-मेल व पत्र-व्यवहार सार्वजनिक किये जाएं।**
- **जैसा कि विदित ही है कि एप्स्टीन पर आरोप है कि यह विश्व के अति पावरफुल लोगों को कमसिन बच्चियाँ सप्लाई करता था सैक्स के लिए।**
- **एप्स्टीन प्रकरण की कुछ ई-मेल सार्वजनिक होने से विश्व के कई प्रभावशाली लोगों की बलि चढ़ी है, जैसे इंगलैंड के प्रिंस एन्ड्रू, जिन्हें अपना पद, गरिमा व सुविधाएँ सरेंडर करनी पड़ी, ब्रिटिश सरकार को।**

ट्रंप और एप्स्टीन के बीच की बातचीत के खुलासे की आशंका अमेरिकी राष्ट्रपति को भी भारी राजनीतिक शर्मिंदगी और आलोचना के खतरे में डाल रही है। वे एप्स्टीन से जुड़े दस्तावेज़ों के पूरे खुलासे को रोकने की कोशिश कर रहे हैं। वाइट हाउस और अमेरिकी कांग्रेस के स्पीकर माइक जॉनसन भी इन दस्तावेज़ों को दबाने की कोशिश में लगे हुए हैं।

तथापि, अब बड़ी संख्या में रिपब्लिकन सांसद भी अपनी पार्टी से अलग होकर पूरे एप्स्टीन दस्तावेज़ जारी करने के समर्थन में हस्ताक्षर अभियान में शामिल हो गए हैं। इससे ट्रंप काफी नाखुश हैं और इन सांसदों पर दबाव डाल रहे हैं कि वे अपनी मांग वापस लें।

फिलहाल राहत की बात यह है कि अब तक जारी हुई संचार सामग्री में ट्रंप के सीधे किसी गलत काम में शामिल होने का सबूत नहीं मिला है। हालांकि यह संकेत ज़रूर मिले हैं कि ट्रंप जानते थे कि एपस्टाइन का साथी मैक्सवैल गिस्लेन ट्रंप के मार-ए-लागो स्थित हाई प्रोफाइल गॉल्फ रिसॉर्ट और क्लब से नाबालिग लड़कियों सहित अन्य महिलाओं के रिक्रूटमैंट की व्यवस्था कर रहा था।

भविष्य में ट्रंप एप्स्टीन कांड से पूरी तरह बच निकलेंगे या नहीं - यह अभी कहा नहीं जा सकता। लेकिन अगर किसी भारतीय मंत्री या नेता का एप्स्टीन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बिलाड़ा में ट्रोमा सैन्टर का चिकित्सा अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

जोधपुर, 14 नवम्बर (कासं)। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो जोधपुर की टीम ने बिलाड़ा के राजकीय ट्रोमा सेंटर के चिकित्साधिकारी को 3.70 लाख की रिश्वत लेने के आरोप में पकड़ा है। उनसे अग्रिम पूछताछ जारी है। कार्रवाई शुक्रवार सुबह की गई। एसीबी द्वारा ट्रेप होने वाला चिकित्साधिकारी डॉक्टर बुधराज विश्नोई है।

- **एसीबी की जोधपुर इकाई ने शिकायत के आधार पर ट्रैप की कार्यवाही की।**

ब्यूरो के महानिदेशक गोविन्द गुप्ता ने बताया कि एसीबी की जोधपुर शहर इकाई को एक शिकायत इस आशय की मिली कि डॉक्टर बुधराज बिश्नोई चिकित्सा अधिकारी राजकीय ट्रोमा सेन्टर बिलाड़ा जोधपुर द्वारा परिवादी के भाई को फार्मासिस्ट के पद के लिए नियुक्ति देने के लिए तीन लाख रूपए व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सार-समाचार

घूमर फेस्टिवल का आयोजन 19 को

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान की लोक संस्कृति और परंपरा का प्रतीक घूमर नृत्य राज्य के गौरव के रूप में पूरे देश और विश्व में प्रसिद्ध है। इसी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग राजस्थान द्वारा आगामी 19 नवम्बर को सम्पूर्ण राज्य के सभी संभागीय मुख्यालयों पर घूमर फेस्टीवल का आयोजन किया जा रहा है। इस फेस्टीवल के लिए घूमर नृत्य पूर्वाभ्यास प्रारंभ किया गया है। होटल घूमर में सुबह 11 से दोपहर एक बजे तक घूमर नृत्य का पूर्वाभ्यास किया जा रहा है जो 17 नवंबर तक जारी रहेगा। क्षेत्रीय पर्यटन कार्यालय जोधपुर की उप निदेशक डॉ. सरिता फिड़ौदा ने बताया कि जोधपुर संभागीय मुख्यालय पर आयोजित घूमर फेस्टीवल प्रतियोगिता में कुल बीस महिला समूहों को भाग लेने का अवसर दिया जाएगा। इनमें एनजीओ, स्कूल, कॉलेज तथा पंजीकृत सांस्कृतिक केंद्रों की महिला प्रतिभागी भाग ले सकेंगी। राज्य सरकार द्वारा प्रतियोगिता के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार निर्धारित किए गए हैं, जिनमें बेस्ट ठ्रुप डांस, बेस्ट कॉस्ट्ययूम, बेस्ट ज्वेलरी तथा बेस्ट कोरियोठााफी शामिल हैं। डॉ. फिड़ौदा ने बताया कि इच्छुक प्रतिभागी पर्यटन विभाग द्वारा जारी क्यूआर कोड स्कैन कर ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। एकल प्रतिभागी भी इस फेस्टीवल में भाग ले सकेंगे, किन्तु वे प्रतियोगिता श्रेणी में सम्मिलित नहीं होंगे।

महाकाली के नाम श्रीयादे नगर में जागरण

धोरीमन्ना, (निसं)। धोरीमना के निकटवर्ती श्रीयादे नगर ग्राम पंचायत में महाकाली मंदिर में छठी वर्षगांठ संपन्न हुई। जिसमें एक शाम महाकाली के भव्य जागरण का आयोजन हुआ। आयोजनकर्ता लिछमणाराम लिम्बा प्रजापत परिवार द्वारा जागरण का कार्यक्रम आयोजित करवाया गया। पुजारी जगराम लिम्बा ने बताया कि 13 नवंबर शाम को बाबा जागरण का पाठवी मगनाराम लिम्बा वाधा रामदेव भजन मंडली एड पार्टी गायक निंबाराम पवार करनाराम बरवड व तेजाराम चौहान गोडा व गंगासरा.और देवाराम गोदारा एंड पार्टी गिडा गायक देवाराम व करन गिरी गोस्वामी धनाऊ द्वारा भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। गजानंद की प्रस्तुति द्वारा जागरण का शुभारंभ हुआ। गुरु महिमा कई देवी देवताओं की प्रस्तुतियां दी गई। रात भर भोपो द्वारा नृत्य किया गया। भोपो का नृत्य देखते हुए मां जगदंबा के भक्त जनों ने रात भर मनमोहित कर दिया। धोरीमना व सेडवा क्षेत्र के मां जगदंबा के सनातन धर्म प्रेमियों ने सैकडो की संख्या में जागरण में भाग लिया। हर साल में धूमधाम से वर्षगांठ मनाई जाती है। बुजुर्ग युवा महिलाओ छात्र-छात्राओ ने बढ चढकर जागरण में भाग लिया। सुबह महाकाली के मंदिर में महा आरती व हवन किया गया। दिन भर मेले जैसा माहौल रहा सैकडो की संख्या में ग्रामीण सनातन धर्म प्रेमी उपस्थित रहे।

प्रतापपुरी ने खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया

पोकरण, (निसं)। पोकरण शहर में आयोजित ब्लॉक स्तरीय सांसद खेलकूद महोत्सव का शुभारंभ शुक्रवार को उत्साह और उमंग के साथ हुआ। शुभारंभ अवसर पर आयोजित समारोह में बड़ी संख्या में खिलाडयों, जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने भाग लिया। कार्यक्रम में उपस्थित पोकरण विधायक महंत प्रताप पुरी महाराज ने खिलाडियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं, बल्कि अनुशासन, एकजुटता और आत्मविश्वास का सशक्त आधार है। सांसद खेल महोत्सव जैसी पहलें ग्रामीण युवाओं को अपनी प्रतिभा पहचानने और बडे मंच की ओर कदम बढाने का सुनहरा अवसर प्रदान करती हैं। कार्यक्रम में प्रधान जनक सिंह, भाजपा जिला महामंत्री संतोष पालीवाल, संयोजक मदन सिंह राजमथाई, सह-संयोजक श्रवण पूनिया, नगर पालिका चेयरमैन मनीष पुरोहित,हेमशंकर, हनुमानराम, व्यापार मंडल अध्यक्ष राजेश व्यास, भाजपा युवा नेता सहित जनप्रतिनिधि, पदाधिकारी व खिलाडी मौजूद रहे। स्टेडियम परिसर में उत्साहजनक माहौल के बीच प्रतियोगिताओं की शुरुआत हुई। विधायक प्रताप पुरी महाराज ने इस खेल उत्सव को सफल बनाने में योगदान देने वाले सहयोगियों, खिलाडियों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार जताया।

सहकार सप्ताह के तहत कार्यशाला

जालोर, (कासं)। दी जालोर सेण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि. जालोर के तत्वावधान में 14 से 20 नवम्बर तक आयोजित किए जा रहे ''72वें अखिल भारतीय सहकार सप्ताह'' के तहत शुक्रवार को दी जालोर सेण्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक लि. जालोर के सभागार में ''परिचालन दक्षता, जवाबदेही और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए डिजिटलीकरण को बढ़ावा देना'' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता बैंक के अधिशासी अधिकारी भवानीसिंह कविया ने की तथा मुख्य वक्ता के रूप में उप रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां, जालोर सुनील वीरभान उपस्थित रहे। कार्यशाला में मुख्य वक्ता सुनील वीरभान ने समितियों में पैक्स कम्प्यूटराईजेशन के महत्व तथा बैंकिंग/समितियों में पादरर्शिता बढाने के लिए डिजिटलीकरण की आवश्यकता के बारे में व्याख्यान दिया गया। अधिशासी अधिकारी भवानी सिंह कविया द्वारा इस वर्ष के सहकार सप्ताह के मूल ध्येय वाक्य' को-ऑपरेटिव एस व्हीकल फॉर आत्मनिर्भर भारत' के महत्व पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर सुरेश कुमार सारस्वत, नन्दकिशोर सोनी, योगेशचन्द्र शर्मा, नवीन कुमार सक्सेना, चेनाराम परिहार, श्रीमती कंचन खण्डेलवाल, अमित गेहलोत, मोहित दवे, रविवर्धन सिंह इत्यादि बैंक अधिकारी-कर्मचारी तथा समिति कर्मचारी उपस्थिति रहे।

भाजपाइयों में बिहार जीत की खुशी

पोकरण, (निसं)। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत की घोषणा के बाद पोकरण शहर स्थित विधायक जनसंपर्क कार्यालय में विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज के सानिध्य में भाजपा कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की और एक दूसरे को लड्डू खिलाकर विजय का जश्न मनाया। इस अवसर पर शहर के गांधी चौक व जय नारायण व्यास सर्किल पर विजय के होर्डिग लगाए गए। ढोल नगाडों की थाप और जय बीजेपी जय एनडीए के नारों से पूरा माहौल गूंज उठा। पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने इस जीत को बिहार की जनता द्वारा विकास और स्थिरता को चुनने का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि यह परिणाम केंद्र की नीतियों पर जनता के भरोसे को दर्शाता है। बिहार में एनडीए की जीत से पूरे देश में सकारात्मक संदेश दे रही है और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार कर रही हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष दलपत हिंगडा ने कहा कि बिहार में सुशासन का कमल खिला और विकास की जीत हुई। इस दौरान मंडल अध्यक्ष जितेंद्र माली, जिला महामंत्री संतोष पालीवाल, जिला मंत्री मदनसिंह राठौड, महिला मंडल अध्यक्ष वंदना शर्मा, भरत चारण, हनुमान सिंह राठौड, भाजयुमो अध्यक्ष अनिल रंगा, दुर्गाराम कुमावत, रमेश मेघवाल, श्रवण पुनिया सहित पार्टी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मदरसों में कार्यक्रमों का आयोजन

जालोर,(कासं)। राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में एवं भारत के स्वतंत्रता संग्राम में इस गीत की ऐतिहासिक भूमिका के सम्मान में नागरिकों में देशभक्ति, एकता और आत्मनिर्भरता की भावना को पुनः जागृत करने के उद्देश्य से जिला जालोर के राजस्थान मदरसा बोर्ड, जयपुर से पंजीकृत मदरसों में सामूहिक रूप से 'वंदे मातरम' का गायन, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक गतिविधियां का आयोजन किया गया। साथ ही स्वच्छता एवं सेवा अभियान के तहत उपस्थित सभी लोगों एवं विद्यार्थियों द्वारा मदरसों एवं आस-पास के क्षेत्रों को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया गया। समारोह में मदरसा शिक्षा अनुदेशकों एवं विद्यार्थियों ने वंदे मातरम राष्ट्रीय गीत की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, स्वतंत्रता आंदोलन में इसकी भूमिका एवं वर्तमान में देशभक्ति, स्वदेशी, राष्ट्र गौरव एवं राष्ट्रीय एक्ता के बारे में बताया। विद्यार्थियों एवं मदरसा प्रबंधन समिति के सदस्यों द्वारा राष्ट्र को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वदेशी का संकल्प लिया गया।

शुभाश्री के सम्मान में काव्य गोष्ठी कल

जोधपुर, (कासं)। कला साहित्य एवं संस्कृति मंच ''उड़ान'' के तत्वावधान में 16 नवम्बर, रविवार को उड़िया कवयित्री शुभाश्री जानकी के सम्मान में काव्य गोष्ठी का आयोजन होगा। काव्य गोष्ठी की अध्यक्षता कवयित्री पूजा अग्रवाल करेंगी जबकि मुख्य अतिथि वरिष्ठ कवयित्री डॉ. सुमन बिस्सा तथा विशेष अतिथि उदीयमान कवयित्री दीपा टाक होंगी। कार्यक्रम मदन सावित्री डागा साहित्य भवन में अपराह्न 4 बजे होगा जिसका संचालन शायरा डॉ.संजीदा खानम शाहीन करेंगी।

महिला संवर्ग की बैठक कल

रेवदर, (निसं)। राजस्थान शिक्षक संघ राष्टीय उपशाखा रेवदर की महिला संवर्ग की बैठक रविवार को आयोजित होंगी। उपशाखा महिला मंत्री कमलेश संत ने बताया कि अजीम प्रेमजी भवन रेवदर में रविवार को सामाजिक कार्यकर्ता कंचन देवी कोली के मुख्य आतिथ्य में महिला संवर्ग की बैठक में मुख्य वक्ता प्राचार्य ममता एरन रहेंगी।

बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर विकास प्रदर्शनी शुरू

जालोर, (कासं)। भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव वर्ष के अंतर्गत 1 नवम्बर से 15 नवम्बर तक जिलेभर में विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने नगर परिषद सभागार जालोर में आयोजित दो दिवसीय विकास प्रदर्शनी का फीता काटकर विधिवत शुभारंम किया।

मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग व जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने प्रदर्शनी में पैनल बोर्ड पर फ्लेक्स के माध्यम से प्रदर्शित भगवान बिरसा मुंडा के जीवन वृतांत का अवलोकन किया और समाज और देश के लिए दिए गए योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि हम सभी को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। इस दौरान जिला परिषद की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी का अधिकारी चिदंबरा परमार, नगर परिषद जालोर के आयुक्त दिलीप माथुर, पुखराज विराणा, पुरुषोत्तम पोमल, दिलीप सोलंकी, अशोक गुर्जर, भागीरथ गर्ग, नाथु सोलंकी व अशोक शर्मा सहित विभागीय अधिकारी-कार्मिक व गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जालोर नगर परिषद् में आयोजित दो दिवसीय विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने किया। फोटो-राष्ट्रदूत

जनजाति गौरव वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवम्बर को जिला स्तरीय कार्यक्रम पंचायत समिति आहोर में किया जायेगा। जिला कलैक्टर डॉ. प्रदीप. के. गावंडे ने बताया कि जिला स्तरीय कार्यक्रम के तहत पंचायत समिति आहोर में प्रातः 9 बजे प्रभात फेरी/शोभा यात्रा निकाली जायेगी तथा लाभार्थी संतृप्ति शिविर व चिकित्सा शिविर लगाया जायेगा। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तरीय मुख्य समारोह का सीधा प्रसारण भी होगा।

उन्होंने जिला स्तरीय कार्यक्रम के तहत विभिन्न गतिविधियों के सम्पादन के लिए उपखण्ड अधिकारी जालोर को नोडल अधिकारी व पंचायत समिति आहोर के विकास अधिकारी को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है। जनजाति गौरव वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर 15 नवम्बर, शनिवार को ग्राम पंचायत व ब्लॉक लेवल पर कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

कलैक्टर डॉ. प्रदीप के. गावंडे ने बताया कि शनिवार को ग्राम पंचायत लेवल पर ग्राम सभा आयोजित की जायेगी तथा सेवा शिविरों में अवशेष पट्टों का वितरण किया जायेगा। शोभा यात्राओं के आयोजन के साथ ही कर्मयोगी अभियान के तहत आदि सेवा केन्द्र पर जन समस्या समाधान शिविरों का आयोजन किया जायेगा। इसी प्रकार ब्लॉक लेवल पर प्रभात फेरी/शोभा यात्राओं के आयोजन के साथ ही सभागार बैठक/सम्मेलन आयोजित किया जोयगा। कार्यक्रमों के दौरान राष्ट्रीय स्तरीय मुख्य समारोह का सीधा प्रसारण किया जायेगा। उन्होंने ब्लॉक व ग्राम पंचायत लेवल पर कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए संबंधित उपखण्ड अधिकारियों को नोडल अधिकारी तथा संबंधित विकास अधिकारी व नगरीय निकायों के अधिकारियों को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया है।

कृषि मंत्री किरोड़ीलाल मीणा के निर्देशानुसार कृषि विभाग ने की कार्रवाई

जालोर, (कासं)। राज्य के कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा की ओर से 12 नवम्बर को जालोर जिले के सांचौर क्षेत्र में विभिन्न उर्वरक एवं कीटनाशी निर्माण भंडारण एवं विक्रय स्थलों के निरीक्षण के दौरान दिए गए निर्देशों की पालना में कृषि विभाग द्वारा अवैध भंडारण, विक्रय व निर्माण भंडारण/विक्रय/निर्माण में 4 प्रतिष्ठानों पर कार्यवाही की गई।

कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक रामलाल जाट ने बताया कि कृषि विभाग द्वारा सवान्स ग्रीन एग्रीटेक इण्डिया प्रा.लि. सांचौर में उर्वरक (मिक्स माईक्रान्यूट्रयन्ट 140 क्विंटल, सल्फर 90 प्रतिशत 900 किग्रा., क्लोरोपाईरिफॉस 41 क्विंटल व सल्फर 99 प्रतिशत 22 टन) की जब्ती निरीक्षक चौथुराम हाकला द्वारा देर रात तक जब्ती की कार्यवाही की गई साथ ही 2 कीटनाशक व 2 उर्वरक के नमूनें लिए गए। थराद रोड पर अवैध गोदाम पर आईपीएल कंपनी के एग्रीकल्चर ग्रेड यूरिया एवं टेक्नीकल ग्रेड यूरिया जो मैसर्स दिनेश एग्रो सेल्स सांचौर द्वारा भण्डारण करना बताया गया। निरीक्षक उद्यान विभाग के सहायक निदेशक जोगेन्द्र सिंह द्वारा देर रात तक जब्ती की कार्यवाही की गई व फर्म के प्रति एफआईआर दर्ज करवाई गयी साथ ही 2 उर्वरक के नमूने लिए गए। माखुपुरा रीको इण्डस्ट्रीयल एरिया सांचौर पर मैसर्स दिनेश एग्रो सेन्टर के यूरिया भंडारण स्थल पर की गई यूरिया, कम्पोस्ट के नमूने आहरण एवं जब्ती विवरण निरीक्षक आत्मा के कृषि अधिकारी जितेन्द्र सिंह शेखावत द्वारा जब्ती की कार्यवाही की गई व एफआईआर दर्ज करवायी गई। साथ ही विभागीय कार्यवाही के तहत् 26 उर्वरक के नमूनें लिए गए। पहाडपुरा में श्रीधरणीधर ऑयल मिल पर मिले यूरिया, पोटाश डेराईवड फ्रार्म मोलासस व नैनो यूरिया के नमूना आहरण कर विक्रय पर रोक लगाई गई व पोटाश के 20 बैग जब्त किये गये। निरीक्षक स.नि.कृ. (सामान्य) श्रीमती सुनिता ढाका द्वारा देर रात तक जब्ती की कार्यवाही की गई व एफआईआर दर्ज करवायी गई। साथ ही 3 उर्वरक के नमूनें लिए गए।

निरीक्षक उप.निदे.कृ .(सामान्य) डॉ. खुमान सिंह रूपावत द्वारा सायना सीड्स एवं फर्टीलाईजर रानीवाडा रोड सांचौर के उर्वरक/कीटनाशी/बीज विक्रय स्थल पर निरीक्षण किया गया तथा प्रतिष्ठान से डीएपी उर्वरक का नमूना आहरित किया गया अनियमितता नहीं पाई गई। साथ ही 1 नमूना उर्वरक का लिया गया।

जालोर में बी.एल.ओ. ने अब तक 14 लाख से अधिक ईएफ फार्म बांटे

जालोर, (कासं)। जिले में 4 नवम्बर से विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत गणना प्रपत्र वितरण प्रारंभ हो गया है। जिले में अब तक दिन में 14 लाख 66 हजार 361 (96.27 प्रतिशत) गणना प्रपत्र बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर वितरित किए गए। जिले में कुल मतदाताओं की संख्या 15 लाख 23 हजार 143 हैं, जिसमें से 96.27 प्रतिशत मतदाताओं को ईएफ फार्म का वितरण किया जा चुका हैं। बीएलओ 4 दिसम्बर तक घर-घर जाकर गणना प्रपत्र(ईएफ) फॉर्म भरवाने का कार्य कर रहे हैं।

जिले में मतगणना प्रपत्रों का सर्वाधिक वितरण रानीवाड़ा विधानसभा में लगभग 98.36 प्रतिशत किया जा चुका है। वहीं सांचौर विधानसभा में 97.91 प्रतिशत, भीनमाल विधानसभा में 96.31 प्रतिशत, आहोर विधानसभा में 94.93 प्रतिशत व जालोर विधानसभा में 93.74 प्रतिशत मतदाताओं को परिगणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं तथा बीएलओ द्वारा निरन्तर घर-घर जाकर ईएफ फॉर्म भरवाने का कार्य किया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. प्रदीप के. गांवडे ने जिले के मतदाताओं से अपील की है कि हर योग्य मतदाता 4 दिसंबर तक अपनी एक नवीनतम रंगीन फोटो एवं आवश्यक सूचनाओं के साथ भरा हुआ गणना प्रपत्र अपने बीएलओ को जमा करा कर स्वच्छ एवं सही मतदाता सूची निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें एवं लोकतंत्र के प्रति कर्तव्य का पालन करें।

अजय व्यास ने कार्य संभाला

उप अभियोजन निदेशालय जालोर में उप निदेशक अजय कुमार व्यास ने कार्य संभाला। फोटो-राष्ट्रदूत

जालोर, (का.सं.)। जिला मुख्यालय पर उप अभियोजन निदेशालय में शुक्रवार को नवनियुक्त उप निदेशक अजय कुमार व्यास ने कार्यभार संभाला।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नवनियुक्त उप निदेशक व्यास सवेरे 10 बजे अभियोजन कार्यालय पहुंचे, यहां पर कार्यवाहक अभियोजन उप निदेशक एवं वरिष्ठ अभियोजन अधिकारी किशोर कुमार शर्मा ने विधि विधान से इनको कार्यभार सौंपा।

नव नियुक्त उप निदेशक व्यास का अभिभाषक संघ के अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राठौड़ एवं उपाध्यक्ष अश्विन राजपुरोहित ने माला व साफा पहनाकर स्वागत एवं अभिनन्दन किया।

इस अवसर पर अन्य कई अधिवक्ताओं और कार्यालय स्टाफ ने भी स्वागत किया।

इस अवसर पर अधिवक्ता मुमताज़ अली सैय्यद, ओमप्रकाश व्यास, अजय कुमार ओझा, अभियोजन कार्यालय के भोपालसिंह, रफीक खान, भागेश कुमार समेत स्टाफ उपस्थित रहे।

खेल महोत्सव का द्वितीय चरण शुरू

जोधपुर, (कासं)। सांसद खेल महोत्सव 2025 के लूणी ब्लॉक की ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारंभ संसदीय कार्य, विधि एवं विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पाल मेला मैदान में किया। मंत्री ने कहा कि पाल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होगा। विद्यालय में पूरे स्टॉफ की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। पाल मेला मैदान को स्टेडियम के रूप में विकसित किया जाएगा।

वॉलीबॉल, फुटबॉल, योगासन, बास्केटबॉल, खो-खो, कबड्डी, गिल्लीडंडा, एथलेटिक्स, लेमन स्पून रेस, सेक रेस एवं रस्साकसी जैसे खेलों का आयोजन होगा। लूणी प्रधान वाटिका राजपुरोहित, सरपंच भल्लाराम सारण, पूर्व प्रधान तुलसीराम मेघवाल, पंचायत समिति सदस्य श्रवण चौधरी, रावतराम बिंजारिया, जगदीश देवासी, श्रवण पटेल, राकेश बिश्नोई, गोविंद टाक, उपखंड अधिकारी हसमुख कुमार, विकास अधिकारी कंवरलाल सोनी, सीबीईओ शमीम बानो, जेठाराम बिश्नोई सहित कई जने उपस्थित रहे।

धमकाने का मामला दर्ज

जोधपुर, (कासं)। कारोबारी को धमकाने और ब्लैकमेल किए जाने का प्रकरण पुलिस में दर्ज हुआ है। पुलिस में नामजद रिपोर्ट कारोबारी ने दी है।

चौपासनी हाउसिंग बोर्ड पुलिस ने बताया कि कारोबारी श्रीराम नगर गली नंबर 5 निवासी दिनेश भंबानी पुत्र किशनचंद्र ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि कुलदीप विहार में रहने वाला चंद्रप्रकाश उर्फ पपीता उसे लगातार ब्लैकमेल कर रहा है। आरोपी चंद्रप्रकाश उर्फ पपीता द्वारा धमकाने और ब्लैकमेल करने की घटनाओं से परेशान होकर दिनेश भंबानी ने अब पुलिस में रिपोर्ट दी है। उसे ब्लैकमेल कर मानहानि किए जाने का आरोप लगाया गया है। जांच एएसआई अनिल कुमार की तरफ से की जा रही है।

सर प्रताप की 180 वीं जयंती एवं चौपासनी विद्यालय का वार्षिक उत्सव मनाया

जोधपुर,(क.सं.)। मारवाड़ में शिक्षा की अलग जगाने वाले व चौपासनी विद्यालय के संस्थापक सर प्रताप की 180 वीं जयंती एवं विद्यालय का वार्षिक उत्सव शनिवार को समारोह पूर्वक आयोजित किया गया।

मुख्य अतिथि उपसेना अध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह ने समारोंह को संबोधित करते हुए कहा कि चौपासनी विद्यालय का गौरवशाली इतिहास रहा है। यहां के विद्यार्थियों ने देश में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का प्रथम लहराया है। परमवीर मेजर शैतान सिंह सहित अनेक विद्यार्थियों ने इस संस्थान से निकलकरअपनी प्रतिभा की गहरी छाप छोड़ी। चाहे कोई भी क्षेत्र हो यहां के विद्यार्थियों ने अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय परिसर में महाराजा हनवन्त सिंह सैनिक स्कूल की स्थापना एक हर्ष का विषय है, इससे विद्यार्थियों में सेना के क्षेत्र में जाने रुचि होगी व मार्ग प्रशस्त होगा।

उन्होंने कहा कि आज छात्रों की सेरमोनियल परेड शानदार रही। कार्यक्रम बेहतर रूप से प्रस्तुत किए गए,यह विद्यालय की विशेष पहचान व अच्छी तैयारीकी ओर इंगित करते हैं। मुझे संस्थान में आकर खुशी हुई है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी कड़ी मेहनत करें यही सफलता का मूल मंत्र है ।

समारोह के अध्यक्ष मुख्य संरक्षक महाराजा गज सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चौपासनी विद्यालय का अपना एक इतिहास रहा है । आज के युवा वर्तमान को भी नए तरीके से प्रस्तुत करेंगे। हम सभीया अध्ययन करके विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सेवाएं देने वाले उन पूर्व विद्यार्थियों को आज भी याद करते हैं । उनका स स्मरण वर्तमान विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्त्रोत होता है। आज प्रतियोगिता में प्रतिस्पर्धा का युग है। छात्र कड़ी मेहनत करें वह अपने लक्ष्य को प्राप्त करें ।उन्होंने कहा कि सर्वप्रथम नेवर्षों पहले शिक्षा के महत्व को समझा व शिक्षा पर विशेष जोर दिया। चौपासनी विद्यालय उन्हीं की देन है। उन्होंने आज के सांस्कृतिक कार्यक्रमवी सेरेमोनियल पैरेड की बेहतरीन प्रस्तुति के लिए इसकी तैयारी कराने वाले सभी शिक्षक गण, पीटीआई व छात्रों को बधाई दी । उन्होंने चौपासनी शिक्षा समिति को भी आयोजन के लिए बधाई दी । चौपासनी शिक्षा समिति के अध्यक्ष रावल किशन सिंह जसोल ने स्वागत उद्बोधन दिया व समिति के सचिव राघवेंद्र प्रताप सिंह झालामंड ने विद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

सिर पर केसरिया साफा पहने 208 छात्रों की 6 प्लाटून ने परेड कमांडर हर्षवर्धन सिंह भाटी के नेतृत्व में शानदार सेरेमोनियल ट परेड की । मुख्य अतिथि ने परेड का निरीक्षण किया व सलामी ली। मयूर चोपासनी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बाग पाइप पर बंद की विभिन्न दिनों के साथ प्रस्तुति दीजिसकी सभी ने सराहना की। छात्र हर्षवर्धन सिंह खींची के नेतृत्व में शरीर स्वस्थ का मलखान प्रदर्शन हुआ जिसमें चौपासनी स्कूल व महाराजा हनवन्त सैनिक स्कूल के छात्रों ने प्रदर्शन किया। दिग्विजय सिंह की अगवाई में 72 छात्र-छात्राओं ने लेजियम की प्रस्तुति दी। श्री उम्मेद पूर्व प्राथमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने डंबल्स की प्रस्तुति दी।

समारोह के 228 छात्रों ने हाथों में जलती हुई मसाले लिए अंधेरे में बैंड की धुनो के साथ शानदार प्रदर्शन किया, इसमें चौपासनी विद्यालय व महाराजा हनवन्त सैनिक स्कूल के छात्रों ने भाग लिया । टेटू शॉ विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पीटीआई पुष्पेंद्र सिंह व नाथू सिंह नरूका ने विशेष तैयारी करवाई।

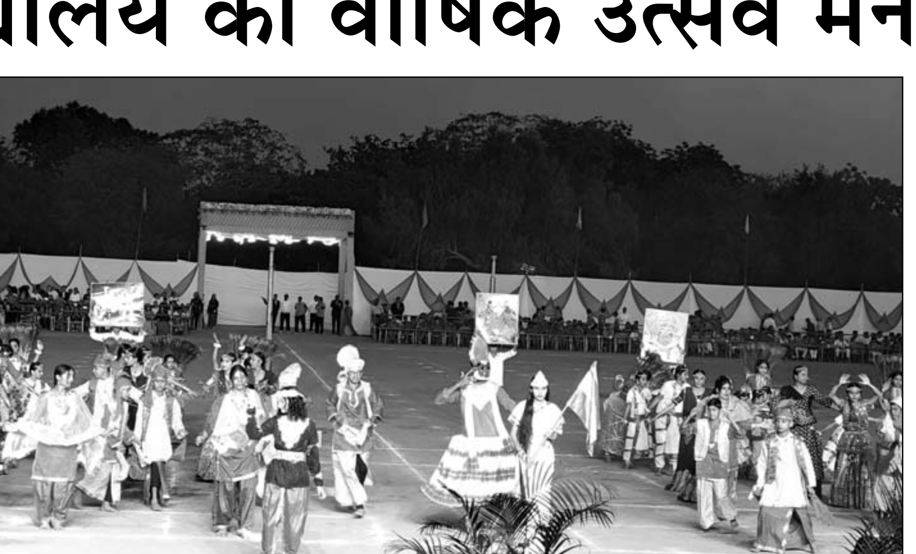

मारवाड़ में शिक्षा की अलग जगाने वाले व चौपासनी विद्यालय के संस्थापक सर प्रताप की 180 वीं जयंती एवं विद्यालय के वार्षिक उत्सव कर्यक्रम समारोह पूर्वक आयोजित किया।

घूमर नृत्य ने खूब तालियां बटोरी

चौपासनी स्कूल व महाराज हनुमंत सैनिक स्कूलके 50 छात्रों ने परंपरागत राजस्थानी पहनावे में लोकगीत घूमर पर शानदार नृत्य की प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरी। जय मम भारतम् की थीम पर मणिपुरी, कथकली गरबा व भांगड़ा के सामूहिक नृत्य की प्रस्तुति ने वाहवाही लूटी।

परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए चौपासनी स्कूल के खुशहाल सैन, सूर्या कंवर, कल्पना कंवर, जालम सिंह राठौड़, लोकेंद्र सिंह, महाराजा हनवन्त सैनिक स्कूल की शिवानी कंवर, लेखपाल सिंह, दिग्विजय सिंह, चेतना , विधि गांधी, मयूर चौपासनी की अंशिका फितानी, कार्तिकेय प्रकाश तापड़िया, विदुषी ईनाणी ,वात्सल्य व्यास, निधि बरथोस को मुख्य अतिथि व समारोह अध्यक्ष द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गए।

समारोह विशेष अतिथि पूर्व महारानी हेमलता राज्ये, ब्रिगेडियर हर्षवर्द्धनं सिंह राघव, मेजर जनरल के वी एस ललोत्रा , कर्नल शम्भू सिंह देवड़ा, चौपासनी शिक्षा समिति के कोषाध्यक्ष दलपत सिंह खींची, चौपासनी जनरल काउंसिल के सदस्य दुर्जन सिंह राठौड़ ,महेश करण सिंह पाल , पूर्व पार्षद राम सिंह जोघा , कर्नल जयदेव सिंह राठौड़ , हनवन्त सिह बालोत, राम सिंह रोहिणा , छोटू सिह बुचटी, आनन्द सिंह जोधा , बिशन सिंह भाटी, शम्मू सिंह तंवर, मोहन सिह खीची, राजेन्द्र सिंह लीलियाँ , भूपेन्द्र सिंह सोढा , कल्याण सिंह राठौड़ , शक्ति सिंह रावलोत , चन्द्रवीर सिंह इंदा, पार्षद गिरधारी सिंह राठौड़ , नाथू सिंह जोधा, मनोहर सिंह खीची, मेहरानगढ़ म्युजियम ट्रस्ट के प्रशासक कर्नल अजय सिंह शेखावत , हमीर सिंह सोढा, चौपासनी महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर जय सिंह राठौड़, चौपासनी स्कूल के प्राचार्य दुर्गादास सिह राजवी, महाराजा हनवन्त सैनिक स्कूल के प्राचार्य लेफ्टिनेंट कर्नल अवनीश कुमार त्यागी, मयूर चौपासनी स्कूल के प्राचार्य शरद तिवारी, प्रो रविन्द्र शर्मा आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता बिशन सिंह, भोम सिंह राठौड़ व रिनी हाडा ने किया।

बीएसएफ की बाइक रैली बीकानेर से पोकरण पहुंची

पोकरण, (नि.सं.)। सीमा सुरक्षा बल के 60वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में शुक्रवार को मोटरसाइकिल रैला का बीएसएफ हेडक्वार्टर, पोकरण में शानदार स्वागत किया गया।

जवानों का फूलों की वर्षा और देशभक्ति के तरानों के साथ उत्साहपूर्ण अभिनंदन किया गया। यह रैली राष्ट्रीय एकता, अखंडता और नशामुक्त भारत का संदेश लेकर देशभर में यात्रा कर रही है। रैली के पोकरण पहुंचने पर बीएसएफ जवानों ने नाचते गाते और जोशपूर्ण नारों के साथ देशभक्ति की भावना का अदभूत प्रदर्शन किया।

ज्ञात हो कि यह रैली 9 नवंबर को जम्मू से प्रारंभ हुई थी और 20 नवंबर को भुज (गुजरात) पहुँचेगी। लगभग 1,742 किलोमीटर की इस यात्रा में 60 वीर मोटरसवार बीएसएफ की गौरवशाली परंपरा, अनुशासन और राष्ट्र भक्ति का संदेश जन जन तक पहुँचा रहे हैं। 14 नवंबर की सुबह 8 बजे यह रैली बीकानेर सेक्टर मुख्यालय से रवाना होकर बाप फलोदी मार्ग से होते हुए पोकरण बीएसएफ कैंप पहुँची। इस अवसर पर छात्र छात्राओं ने देशभक्ति गीतों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और नृत्य कार्यक्रमों के माध्यम से जवानों का उत्साह बढाया।

स्वागत समारोह में सेक्टर मुख्यालय जैसलमेर (नॉर्थ) के डीआईजी जतिंदर सिंह बिंजी मुख्य अतिथि के रूप में, तथा 72वीं बटालियन बीएसएफ, पोकरण के कार्यवाहक कमांडेंट राजेंद्र सिंह विशिष्ट, पुलिस उप अधीक्षक प्रवीण कुमार, सीमाजन कल्याण बोर्ड के खेताराम लीलड, चिरंजीलाल सोनी, जय किशन दवे सहित कई विशिष्ट अतिथि उपस्थित रहे। स्थानीय प्रशासन और पुलिस के सक्रिय सहयोग से रैली का आयोजन सफल रहा।

अंता उपचुनाव में बीजेपी की हार का कारण टिकट चयन को लेकर खींचतान रही

मोरपाल सुमन को टिकट दिया गया, जो पार्टी की पहली पसंद नहीं थे, इस असमंजस ने बीजेपी की चुनावी पकड़ कमजोर कर दी और कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भी कम कर दी

- उपचुनाव में कांग्रेस की सबसे बड़ी सफलता उसकी एकजुटता रही, कांग्रेस ने पूरे चुनाव अभियान को समन्वित बनाए रखा
- निर्दलीय नरेश मीणा शुरुआत में कांग्रेस के लिए खतरा माने जा रहे थे, इसलिए कांग्रेस सतर्क रही, परंतु बीजेपी ने उन्हें किसी भी खतरे की श्रेणी में नहीं रखा

जयपुर/अंता। अंता विधानसभा उपचुनाव का परिणाम प्रदेश की सियासत में एक बड़ा संकेत छोड़ गया है। कांग्रेस ने वह सीट बीजेपी से छीन ली, जिसे पिछले चुनाव में वह मामूली अंतर से हार गई थी। इस बार कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद जैन भाया ने तीन गुना बड़े अंतर से जीत दर्ज की। कांग्रेस की इस अप्रत्याशित वापसी और बीजेपी की हार के पीछे कई अहम कारण रहे। उपचुनाव में कांग्रेस की सबसे बड़ी सफलता उसकी एकजुटता रही। अशोक गहलोत और सचिन पायलट ने मिलकर चुनाव को संघर्षपूर्ण नहीं, बल्कि रणनीतिक बनाया। प्रमोद जैन भाया की स्थानीय पकड़ और संगठन की मजबूत जमीनी चौकसी ने मिलकर कांग्रेस को स्पष्ट बढ़त दिलाई। कांग्रेस ने पूरे चुनाव अभियान को समन्वित और आक्रामक बनाए रखा।

बीजेपी की हार का सबसे बड़ा कारण टिकट चयन को लेकर भीतरखाने चली खींचतान रही। वसुंधरा राजे की पहली पसंद कंवरलाल मीणा की पत्नी थी, लेकिन परिवारवाद का मुद्दा उठने से यह नाम आगे नहीं बढ़ पाया। इसके बाद प्रभुलाल सैनी का नाम सामने आया, किंतु सहमति नहीं बनी। अंत में मोरपाल सुमन को टिकट दिया गया, जो पार्टी की पहली पसंद नहीं थे। इस असमंजस ने बीजेपी की चुनावी पकड़ कमजोर कर दी और कार्यकर्ताओं में ऊर्जा भी कम कर दी। उपचुनाव का जिम्मा वसुंधरा राजे और उनके बेटे दुष्यंत सिंह को सौंपा गया।

सीएम भजनलाल शर्मा भी प्रचार में शामिल हुए, लेकिन चुनाव का फोकस मोरपाल सुमन की बजाय वसुंधरा राजे की प्रतिष्ठा बन गया। यह चुनाव स्थानीय मुद्दों से हटकर हाई प्रोफाइल चेहरों की उपस्थिति पर ज्यादा केंद्रित दिखाई दिया, जिससे जमीनी असंतोष लगातार बढ़ता गया। बारां जिले के दोनों दिग्गज नेता–हीरालाल नागर और मदन दिलावर को प्रचार से लगभग साइड लाइन रखा गया। दोनों के स्थानीय जनाधार मजबूत हैं और इन्हें दूर रखने का संदेश गांव–गांव में नकारात्मक रूप में गया। सात बार के विधायक प्रताप सिंह सिंघवी तक प्रचार में कहीं नहीं नजर आए। स्थानीय सोशल स्ट्रक्चर को समझने वाले नेताओं की इस अनुपस्थिति ने बीजेपी के वोट बैंक को कमजोर किया। निर्दलीय नरेश मीणा शुरुआत में कांग्रेस के लिए खतरा माने जा रहे थे, इसलिए कांग्रेस सतर्क रही, परंतु बीजेपी ने उन्हें किसी भी खतरे की श्रेणी में नहीं रखा।

नरेश मीणा को हनुमान बेनीवाल और राजेंद्र गुढ़ा का खुला समर्थन मिला। कई गांवों में उनकी सभाओं में भीड़ बढ़ती गई और उन्होंने मीणा, धाकड़, राजपूत समाज के नाराज वोटों को अपने साथ जोड़ लिया। किरोड़ी लाल मीणा का प्रचार भी केवल औपचारिक रहा। राजनीतिक जानकारों के अनुसार यदि वे पूरी ताकत से जुटते तो समीकरण काफी अलग दिखते। बीजेपी सरकार को पता था कि उपचुनाव होना तय है, लेकिन अंता क्षेत्र की मूलभूत समस्याओं पर कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। सड़कें, बस स्टैंड, स्कूल और बिजली जैसे मुद्दों पर काम दिखाई नहीं दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार यदि सरकार उपचुनाव से पहले ही कुछ विकास कार्य शुरू कर देती या अपनी मौजूदगी महसूस कराती तो माहौल बीजेपी के पक्ष में जा सकता था। इस जीत ने कांग्रेस में नई ऊर्जा भर दी है। गहलोत और पायलट की एकजुटता का संदेश मजबूत हुआ है और संगठन में आत्मविश्वास बढ़ा है।

बीजेपी के लिए यह हार आत्ममंथन की मांग करती है। टिकट चयन, स्थानीय नेतृत्व की अनदेखी और जातीय समीकरणों की गलत व्याख्या जैसे मुद्दों पर पार्टी को अब गहराई से समीक्षा करनी होगी।

पॉक्सो एक्ट मामले में फरार बदमाश गिरफ्तार

- डिटेन करने के दौरान भागते समय नाले में गिरने से बदमाश चोटिल हुआ

उदयपुर, (कासं)। शहर के गोवर्धन विलास थाना पुलिस ने पॉक्सो एक्ट मामले में फरार शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया। डिटेन करने के दौरान भागते समय नाले में गिरने से बदमाश चोटिल हो गया।

प्रकरण के अनुसार 16 अक्टूबर को पीड़िता ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया था। प्रकरण के अनुसारआरोपी शिवा शर्मा पुत्र गोपाल शर्मा 13 मई को स्कूल से घर लौटते समय पुत्री का हाथ पकड़ कर 50 हजार रूपये मांगे, शादी करने की धमकी दी। विरोध करने पर मुझे व पति को जान से मारने की धमकी दी। घटना के दो दिन बाद दुबारा आरोपी ने मेरी पुत्री के साथ छेड़छाड़ की तथा घर में घुस कर अलमारी से जेवर ले गया। वारदात के बाद आरोपी इंस्टाग्राम पर डॉन ऑफ सेक्टर 14 नाम से आईडी बना कर अपराधिक वीडियो डालकर आमजन में भय पैदा कर रहा था।

मामले में प्रकरण दर्ज होने पर गोवर्धन विलास थानाधिकारी दिलिपसिंह झाला के नेतृत्व एएसआई धर्मवीरसिंह, मनोहरसिंह मय दल ने हुलिया बदलकर जोधपुर में कार गैराज पर नौकरी करते आरोपी शिवा शर्मा उर्फ शिवा पुत्र गोपाल शर्मा को डिटेन कर उदयपुर लेकर रवाना हुए, जहां बीच रास्ते लघुशंका के बहाने नीचे उतरकर मौका देख कर भागा, जिसका पिछा करने पर नाले में गिरने से घायल हो गया, जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू की।

युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। गुजरात रोडवेज की बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौत हो गई। गुरूवार सांय खेरवाड़ा थाना क्षैत्र छाणी रोड़ पर गुजरात रोडवेज बस की टक्कर से घायल फलासिया निवासी अर्जुन कुमार नाथ (24) पुत्र कमल कुमार नाथ की मौत हो गई। अर्जुन अपने ससुराल मीठी मउडी छाणी आया था। गुरूवार को अपने साले के साथ स्कूटी पर ससुराल से गांव लौट रहा था, जहां बीच रास्ते छाणी गांव के समीप गुजरात रोडवेज बस ने स्कूटी को चपेट में ले लिया था।

कार्यालय नगरपालिका मसूदा जिला ब्यावर (राजस्थान)
गांधी चौक मसूदा

क्रमांक: न0पा0म0/2025/1290 दिनांक : 11.11.2025

-: ऑफलाईन निविदा सूचना :-

सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि नगरपालिका गुलाबपुरा द्वारा राजकीय विभाग में नियमानुसार उपर्युक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से कार्य हेतु ऑफलाईन निविदा निर्धारित प्रपत्र में आमंत्रित की जाती हैं। ऑफलाईन निविदा कार्य संख्या–02 कार्यो की ऑफलाईन निविदाएं दिनांक 21.11.2025 को 04.00 बजे तक उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं तथा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

उपरोक्त निविदा सम्बन्धित सूचना www.sppp.raj.nic.in साईट पर देखी जा सकती हैं।

NIB CODE Reference No. DLB2526A7924

राज.संवाद/सी/25/13843 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका मसूदा

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)

क्रमांक : न.पा.रा./2025/1193 दिनांक 11.11.2025

ई–निविदा सूचना 15/2025–26

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई–निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 11.11.2025 से 20.11.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 11.11.2025 से 20.11.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा षुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 21.11.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 21.11.2025 को दोप. 1.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB2526A7914	DLB2526WSRC23814
		DLB2526WSRC23815

राज.संवाद/सी/25/13856 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रामगंजमण्डी

कार्यालय नगरपालिका रामगंजमण्डी जिला-कोटा (राज0)

क्रमांक : न.पा.रा./2025/1205 दिनांक 12.11.2025

ई–निविदा सूचना 16/2025–26

नगरपालिका रामगंजमंडी द्वारा कार्यो हेतु पालिका में पंजीकृत एवं विभागों में AA,A,B, Class एवं उपयुक्त श्रेणी संवेदको से लिफाफा पद्धति/ई–निविदा पद्धति से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। कार्य की निविदा बेचे जाने की दिनांक 12.11.2025 से 26.11.2025 एवं अपलोड करने की दिनांक 12.11.2025 से 26.11.2025 सांय 6 बजे तक। ई.एम.डी./ निविदा षुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त करने की तिथि : 27.11.2025 समय प्रातः 11.00 बजे तक। तकनीकी बिड खोलने कि दिनांक 27.11.2025 को दोप. 1.00 बजे बाद रहेगी। वित्तीय बिड तकनीकी परीक्षण उपरांत खोली जावेगी। निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण http//sppp.raj.nic.in, http//eproc.rajasthan.gov.in देखी जा सकती है।

SR.NO	NIB	UBN
1	DLB2526A7986	DLB2526WSOB24002
2		DLB2526WSOB24003
3		DLB2526WSOB24005
4		DLB2526WSOB24008
5		DLB2526WSOB24010
6		DLB2526WSOB24011

राज.संवाद/सी/25/13852 अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रामगंजमण्डी

राज्यपाल बागड़े ने इंद्रा देवनानी को श्रद्धांजलि दी

अजमेर, (निसं)। राजस्थान के राज्यपाल हरिकिशन राव भाऊ बागड़े शुक्रवार को अजमेर पहुंचे, जहां उन्होंने राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निवास पर पहुंचकर उनकी पत्नी स्वर्गीय इंद्रा देवनानी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

राज्यपाल बागड़े ने देवनानी परिवार से मिलकर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की और इस कठिन घड़ी में ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को धैर्य प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि इंदिरा देवनानी एक सरल, स्नेही और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी हुई व्यक्तित्व थीं, जिनकी कमी लंबे समय तक महसूस की जाएगी। इस दौरान अजमेर जिला कलेक्टर लोक बंधु, पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने भी देवनानी परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट की।

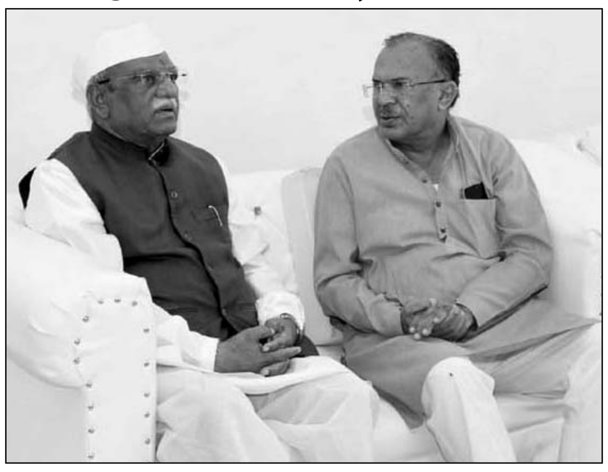

राज्यपाल बागड़े ने विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी के निवास पर पहुंचकर इंद्रा देवनानी के निधन पर शोक जताया।

राज्यपाल के आगमन पर मौजूद जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों ने भी स्वर्गीय इंद्रा देवनानी को श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार और स्कूटी की भिड़ंत में युवक की मौत

- कार पर भारत सरकार लिखा हुआ था, नेशनल हाइवे 48 पर हुआ हादसा

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के धूलखेड़ा के समीप शुक्रवार को नेशनल हाइवे–48 पर भारत सरकार लिखी अर्टीगा कार और स्कूटी के बीच हुई जोरदार भिड़ंत में स्कूटी सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दुर्घटना के बाद हाइवे पर कुछ समय के लिए अफरा–तफरी मच गई और वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

कार की टक्कर से स्कूटी क्षतिग्रस्त हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कूटी सवार युवक मांडल की ओर आ रहा था, तभी सामने से तेज रफ्तार में आ रही भारत सरकार लिखी अर्टीगा कार ने उसकी स्कूटी को जबरदस्त टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। जानकारी मिलते ही मांडल थाना पुलिस मय जाब्ता मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त स्कूटी एवं अर्टीगा कार को हाइवे से हटवाकर यातायात सुचारू करवाया। पुलिस ने मृतक के शव को उपजिला अस्पताल मांडल की मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान रनीकपुरा निवासी रतनलाल पुत्र धन्ना लाल गुर्जर के रूप में हुई है। परिजनों को दुर्घटना की सूचना दे दी गई है, जहां घर में मातम का माहौल है। हादसे के बाद पुलिस ने प्रत्यक्षदर्शियों के बयान लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाइवे पर तेज रफ्तार और भारी वाहनों की लापरवाही के चलते इस तरह के हादसे लगातार बढ़ रहे हैं। उन्होंने प्रशासन से दुर्घटनाजन्य क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने और गति नियंत्रण के लिए सख्त कदम उठाने की मांग की है।

भारत और इंग्लैण्ड की सेना का युद्धाभ्यास 17 से

- महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज में होगी प्रैक्टिस, हथियारों के साथ पहुंचेंगे जवान
- भारत-यूके संयुक्त अभ्यास ''अजय वारियर'' का ये 8वां एडिशन है

बीकानेर, (निसं)। भारत और इंग्लैड के बीच एक बार फिर महाजन फिल्ड फायरिंग रेंज में युद्धाभ्यास होगा। इस संयुक्त युद्धाभ्यास की शुरुआत 17 नवम्बर से हो रही है, जिसमें दोनों देशों के जवान अपने–अपने मॉडर्न हथियारों के साथ पहुंच रहे हैं।

भारत–यूके संयुक्त अभ्यास ''अजय वारियर'' का ये 8वां एडिशन है। जो सोमवार को महाजन फील्ड फायरिंग रेंज (एमएफएफआर) में शुरू होगा। अगले कुछ दिनों तक दोनों देशों के जवान अपनी–अपनी तकनीक के साथ युद्ध का अभ्यास करेंगे।

आतंकवाद सहित सीमा पर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर दोनों देश अपने अपने अनुभव शेयर करेंगे। बीकानेर में सोमवार से शुरू हो रहे अभ्यास से पहले भी पश्चिमी राजस्थान में कई जगह युद्धाभ्यास जोरों पर है। पश्चिमी राजस्थान के किसी हिस्से में रुद्र ब्रिगेड ने जमीनी अभियानों, विशेष हेलीबोर्न अभियान के तहत अभ्यास किया।

इसी तरह सेना आर्मी एविएशन से समन्वित हमलावर हेलिकॉप्टर मिशन का अभ्यास कर रही है।

साथ ही मशीनीकृत और पैदल सेना युद्धाभ्यासों का समन्वय किया जा रहा है। हाल ही में एक युद्धाभ्यास में सभी आर्म्स और सर्विसेज के एकीकृत उपयोग के माध्यम से कोणार्क कोर की पूर्ण–स्पेक्ट्रम युद्ध तत्परता को साबित किया गया।

विवाहिता की मौत

टोंक, (निसं)। कोतवाली थाना क्षैत्र के इंद्रा कॉलोनी में एक विवाहिता ने फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मामले में मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का आरोप लगाया है।

इंद्रा कॉलोनी, पोस्ट ऑफिस के पीछे निवासी नगमा (32) पत्नी शाहजेब ने अपने मकान में गले में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जिसके बाद मौके पर पंहुची कोतवाली थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर मृतका के शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतका के पिता ने थाने में प्रकरण दर्ज कराकर मृतका के पति शाहजेब उर्फ जानू व देवर समीर पर अपनी पुत्री नगमा से दहेज के लिए मारपीट करने व गाली–गलौच करके प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया है।

फायरिंग करने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

- दो अक्टूबर को दो गुटों के बीच तलवारबाजी एवं फायरिंग की घटना हुई थी

उदयपुर, (कासं)। शहर के हाथीपोल थाना क्षेत्र में फायरिंग करने के मामले में फरार दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

प्रकरण के अनुसार 2 अक्टूबर को दो गुटों के बीच हाथीपोल थाना क्षेत्र में एक होटल के बाहर तलवारबाजी एवं फायरिंग की घटना हुई थी, जिसको लेकर दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ हाथीपोल पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया था। मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर हाथीपोल थानाधिकारी योगेन्द्र व्यास के नेतृत्व में गठित दल ने शोएब उर्फ पहलवान पुत्र एजाज मो. निवासी नागानगरी चांदपोल अम्बामाता, मो. सोहेल उर्फ अन्ना पुत्र मो. रसीद निवासी महावतवाड़ी को प्रोडक्शन वारंट जरिये जेल से गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपी से वारदात में प्रयुक्त हथियार बरामद किया। आरोपी राहिल उर्फ बोहरा व शाहरूख के खिलाफ गोवर्धन विलास में दर्ज प्रकरण को लेकर तथा 5 सितंबर को ईद मिलादुन्नबी के दौरान होटल के सामने राहिल उर्फ बोहरा तथा उसके साथी ने तबर्रूक के लिए लगाए कांउटर पर आए नजिब व मलिक ने राहिल व मित्र शाहनवाज के साथ गाली–गलौज की थी। इसी रंजिश के चलते एवं दबदबा कायम करने के लिए योजनाबद्ध वारदात को अंजाम देना सामने आया।

भगवान बिरसा मुण्डा साहस, संघर्ष और सर्वोच्च बलिदान के प्रतीक थे : बिरला

- राजस्थान भील समाज विकास समिति की ओर से धरती आबा भगवान बिरसा मुण्डा की जयंती पर कोटा में हुआ समारोह

कोटा, (निसं)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुक्रवार को सुभाष नगर में राजस्थान भील समाज विकास समिति द्वारा आयोजित भगवान बिरसा मुण्डा जयंती समारोह में भाग लिया। उन्होंने कहा कि भगवान बिरसा मुण्डा ने अपने साहस, संघर्ष और बलिदान से न सिर्फ आदिवासी समाज, बल्कि पूरे देश को मार्गदर्शन दिया। आज़ादी से पहले उनके नेतृत्व में लड़ी गई लड़ाईयाँ जनजातीय समाज के अधिकारों की रक्षा का अहम अध्याय हैं। जनजातीय गौरव दिवस उनके महान त्याग को नमन करने और उनकी विरासत को नई पीढ़ी तक पहुँचाने का महत्वपूर्ण अवसर है।

कोटा में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने राजस्थान भील समाज विकास समिति द्वारा आयोजित भगवान बिरसा मुण्डा जयंती समारोह में शिरकत की।

बिरला ने कहा कि जनजातीय समाज ने जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा के साथ–साथ स्वतंत्रता आंदोलन और सामाजिक न्याय की लड़ाई में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने नागालैंड के खोनोमा गांव में अपने हालिया प्रवास का उल्लेख करते हुए कहा कि एक छोटे से जनजातीय गांव ने अंग्रेजों के खिलाफ साहसिक संघर्ष कर उन्हें पीछे हटने पर मजबूर किया। उन्होंने उन अनगिनत जनजातीय वीरों को भी स्मरण किया, जिनके बलिदान देश की अमूल्य धरोहर हैं।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि आज भी कई आदिवासी गांव बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं, जिन्हें दूर करना हमारी साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई पहलें जैसे जनजातीय गौरव दिवस, भूमि अधिकार योजना और एकलव्य मॉडल विद्यालय जनजातीय क्षेत्रों में बड़े सामाजिक परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। आने वाले वर्षों में छात्रावास, डिजिटल लाईब्रेरी, कौशल विकास केंद्र, स्वास्थ्य सेवाएँ और खाद्य सुरक्षा योजनाएँ हर जनजातीय परिवार तक पहुंचेंगी। बिरला ने कहा कि शिक्षा ही सामाजिक परिवर्तन का आधार है। कई पीढ़ियों तक शिक्षा के अभाव में जनजातीय समाज आरक्षण और अन्य योजनाओं का पूरा लाभ नहीं ले पाया, इसलिए अब हर गांव के बच्चों की पढ़ाई सुनिश्चित करना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर गांव में युवाओं और महिलाओं की एक टीम तैयार की जाएगी, जो सरकारी योजनाओं की जानकारी और लाभ दोनों को घर–घर तक पहुंचाएगी। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समाज की प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया। समारोह में बड़ी संख्या में जनजातीय समुदाय के प्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

VARDHMAN MAHAVEER OPEN UNIVERSITY, KOTA
(Rawathbhata Road, Kota -324021) (Estate Cell)

NOTICE INVITING E-TENDER (NIB 17/2025-26)

E-Bid is invited for "ARC for hiring of Computer Machines along with trained personnel" (UBN: VMU2526SLRC00020). Further details may be obtained from **http://www.eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in & www.vmou.ac.in** w.e.f. 15/11/2025.

Raj.Samwad/C/25/13884 OIC (Estate)

कार्यालय अधिशाषी अभियंता, जन स्वा.अभि.विभाग,खण्ड कोलायत

क्रमांक-2359-75 दिनांक-11.11.2025

Notice Inviting Bid-64-70/2025-26

Bid for various works are invited to registered interested bidder upto 24.11.2025 at 14.00 hours. Other particulars of bid may be visited on the procurement portal www.sppp.rajasthan.nic.in & "http://eproc.rajasthan.gov.in" of the state. The approximate value of the procurement of Rs. 168.81 lacs.

NIT NO.	64	65	66
UBN NO.	PHE2526WSOB08426	PHE2526WSOB08427	PHE2526WSOB08428
NIT NO.	67	68	69
UBN NO.	PHE2526WSOB08429	PHE2526WSOB08430	PHE2526WSOB08431
NIT NO.	70		
UBN NO.	PHE2526WSOB08432		

जल सीमित है, इसकी बचत करें।

DIPR/C/16680/2025 (धर्मेन्द्र कुमावत) अधिशाषी अभियंता जन स्वा.अभि.विभाग खण्ड कोलायत

कार्यालय नगरपालिका मण्डल, श्रीडूंगरगढ़ (बीकानेर)
नेशनल हाईवे नम्बर– 11, श्रीडूंगरगढ जिला– बीकानेर
Tel. : 01565-224766 E-mail id : nagarpalikadungargarh0@gmail.com

क्रमांक :–न.पा.श्रीडूं/4021 दिनांक :– 11.11.2025

ई निविदा सूचना

नगरपालिका मंडल श्रीडूंगरगढ़ के द्वारा विभिन्न कार्यो के लिए पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्ते व अन्य विवरण वेबसाईड sppp.rajasthan.gov.in व WWW.etenders.gov.in पर कर दिया गया हैं। जिसके युबीएन नम्बर निम्नानुसार है :–

क्र.सं.	UBN NO
1.	DLB2526WSOB23837
2.	DLB2526WSOB23839
3.	DLB2526WSOB23841

राज.संवाद/सी/25/13841 अध्यक्ष नगरपालिका श्रीडूंगरगढ अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका श्रीडूंगरगढ

राजस्थान सरकार
कार्यालय आबकारी आयुक्त, राजस्थान
आबकारी भवन2-गुनियावाला, पंचवटी, उदयपुर-313001

क्रमांक-F.32(B)(1)((After Policy-2025-26)EX/L/2025-04359/489 दिनांक-11.11.2025

पडत मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के अनुज्ञापत्र हेतु ई-निविदा आमंत्रण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राज्य सरकार की आज्ञा क्रमांक प.4(1)वित्त/आब/2025 दिनांक 29 जनवरी 2025 के द्वारा जारी आबकारी एवं मद्य-संयम नीति वर्ष 2025-29 के प्रावधानानुसार पडत मदिरा दुकानों के क्लस्टर (समूह) के लिये ई-निविदा प्रक्रिया से वर्ष 2025-26 के बन्दोबस्त करने हेतु निम्नानुसार ई-निविदिए आमंत्रित की जाती है-

1	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन डाउनलोड करने की दिनांक व समय	दिनांक 13.11.2025 दोपहर 3.00 बजे से
2	निविदा दस्तावेज ऑनलाईन अपलोड करने की अन्तिम दिनांक व समय	दिनांक 17.11.2025 दोपहर 3.00 बजे तक
3	वित्तीय निविदा खोलने की दिनांक, समय, व स्थान	दिनांक 17.11.2025 को दोपहर 4.00 बजे से संबंधित जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय

ई-निविदा में भाग लेने की शर्ते-

1. यह निविदा वेबसाईट https://www.sppp.rajasthan.gov.in तथा विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर देखी/डाउनलोड की जा सकती है। उक्त निविदाएं वेबसाईट https://www.eproc.rajasthan.gov.in पर प्रस्तुत की जानी है। ई-निविदा में भाग लेने के लिए डिजिटल सर्टिफिकेट, इन्फोरमेशन टेक्नोलॉजी एक्ट 2000 के तहत प्राप्त करना होगा, जो इलेक्ट्रोनिक निविदा में लॉगिन/साइन करने हेतु काम में आयेगा। निविदादाता उपरोक्त डिजिटल सर्टिफिकेट सीसीए (CCA) द्वारा स्वीकृत एजेन्सी से प्राप्त कर सकते है। जिन निविदादाताओं के पास पूर्व में वैद्य डिजिटल सर्टिफिकेट है उन्हें नया सर्टिफिकेट लेने की आवश्यकता नहीं है।
2. मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) का जिलवार एवं उनके आवेदन शुल्क, अनुमानित गारण्टी, अमानत राशि, धरोहर राशि, पंजीकरण शुल्क का विवरण विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध रहेगी।
3. ई-निविदा में भाग लेने हेतु इच्छुक आवेदक द्वारा मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) का फार्म डाउनलोड करके फार्म के साथ प्रक्रिया शुल्क, आवेदन शुल्क एवं अमानत राशि के चालान राजकोष में ऑनलाईन/ऑफलाईन जमा करवाकर चालानों की प्रति अपलोड करनी होगी। इन राशियों के जमा नहीं होने पर निविदा पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदादाता को निम्नलिखित राशियां उनके सामने उल्लेतित राजकोष मद में जमा करवानी होगी-

क्र.सं.	विवरण	राशि (रूपये में)	राजकोष लेखा मद
1	RISL की प्रक्रिया/ पंजीकरण शुल्क	रू. 2000/-	8658-00-102-(16)-01 (सिविल विभाग)
2	आवेदन शुल्क	आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 के बिन्दु संख्या 2.6.1 के अनुसार रू. 50,000/- (2 करोड रूपये तक की आरक्षित राशि हतु) रू. 1,00,000/- (2 करोड रूपये से अधिक की आरक्षित राशि हेतु)	0039-00-501-01-00 (आवेदन शुल्क)
3	अमानत राशि	निर्धारित आरक्षित राशि का 2 प्रतिशत	8443-00-103-00-00 (प्रतिभूति जमा)

ई-प्रोक पोर्टल से प्रक्रिया शुल्क, निविदा शुल्क एवं अमानत राशि का एक चालान जनरेट करने पर लेखा मद 0075-00-800-52-01 (निविदा प्रपत्र शुल्क) में राशि रू. एक रूपया जमा करवाकर आवेदन शुल्क का चालान पृथक से राजकोष में मद 0039-00-501-01-00 में जमा किया जा सकता है।

4. अनुमानित गारण्टी राशि से कम राशि की निविदा प्राप्त होने पर स्वीकृति के संबंध में सक्षम स्तर से निर्णय लिया जायेगा। किसी भी निविदा को स्वीकार एवं अस्वीकार करने के समस्त अधिकार आबकारी आयुक्त का होंगे।
5. स्वीकृत निविदादाता को धरोहर राशि, अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस ई-निविदा के संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश एवं शर्तो जो विभागीय वेबसाईट https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है के अनुसार जमा करानी होगी।
6. निर्धारित समय में वांछित राशियाँ यथा धरोहर राशि अग्रिम वार्षिक गारन्टी राशि एवं वार्षिक लाईसेंस फीस जमा न कराने पर स्वीकृति निरस्त कर समस्त जमा राशि जप्तराज की जायेगी।
7. वर्ष 2025-26 के पात्र अनुज्ञाधारियों को क्रमश वर्ष 2026-27, 2027-28 व 2028-29 के लिये निर्धारित शर्तो पर अनुज्ञापत्र नवीनीकरण का अवसर दिया जायेगा।
8. मदिरा दुकानों के कलस्टर (समूह) के बन्दोबस्त हेतु वे ही व्यक्ति ई-निविदा में भाग ले सकेंगे जो राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 एवं इसके अन्तर्गत बनाए गए नियमों, आबकारी एवं मध्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 व भारतीय संविदा अधिनियम के तहत अनुबन्ध करने की योग्यता रखते हो। इस संबंध में विस्तृत दिशा निर्देश, आबकारी नीति वर्ष 2025-29 तथा प्रारूप अनुज्ञा पत्र इत्यादि https://excise.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध है जिनका ई-निविदा में भाग लेने से पूर्व भली भांति अध्ययन कर लेना चाहिए। अन्य जानकारी हेतु संबंधित अतिरिक्त आयुक्त जोन, जिला आबकारी अधिकारी एवं जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।
9. ई-निविदा के संबंध में अन्य प्रावधान आबकारी एवं मद्यसंयम नीति वर्ष 2025-29 एवं राजस्थान आबकारी अधिनियम 1950 एवं इसके अन्तर्गत बने नियम के अनुसार रहेंगे।
10. ई-निविदा के संबंध में यदि कोई विवाद उत्पन्न होता है तो न्यायिक क्षेत्र संबंधित जिला ही रहेगा।

UBN NO. EXC2526GLOB00151

DIPR/C/16811/2025 (शिवप्रसाद नकाते) आबकारी आयुक्त, राजस्थान

सार-समाचार

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में कार्यशाला

पाली, (नि.सं.)। जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग पाली के संयुक्त तत्वाधान में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान पाली में आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक के निर्देशानुसार शुक्रवार को हुआ। जिला हब एंपावरमेंट ऑफ वूमन से जेंडर स्पेशलिस्ट राजश्री ने उपस्थित बालिकाओं को बताया कि कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न अधिनियम, 2013 एक भारतीय कानून है इसका उद्देश्य कार्यस्थलों पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से बचाना, रोकथाम करना और निवारण प्रदान करना है। यह अधिनियम 9 दिसंबर 2013 को लागू हुआ है और 10 व 10 से अधिक कर्मचारी वाले हर कार्यस्थल को एक आंतरिक शिकायत समिति स्थापित करने और अधिनियम के प्रावधानों का पालन करने के लिए बात करता है इसके अंतर्गत अधिनियम यौन उत्पीड़न को शारीरिक स्पर्श, अनुग्रह की मांग या अनुरोध, अश्लील टिप्पणी, अश्लील चित्र दिखाना और अन्य अवांछित शारीरिक मौखिक या गैर- मौखिक व्यवहार के रूप में परिभाषित करता है। राजश्री ने बताया कि पीड़िता अपनी शिकायत कार्यस्थल पर यौन उत्पीडन की शिकार होती है तो वह अपनी शिकायत अपने कार्यस्थल की आंतरिक शिकायत समिति से संपर्क करें,यदि आंतरिक शिकायत समिति नहीं है तो अपने जिले के स्थानीय शिकायत समिति में शिकायत दर्ज करें, पीड़िता सरकारी पोर्टल शी बॉक्स पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कर सकती हैं अथवा आप 181 महिला हेल्पलाइन पर कॉल करके भी सहायता ले सकती हैं। इस कार्यशाला में एमटीएस इंदुबाला, संजय सिंह पटेल उपनिदेशक, मनोज लखावत प्रशासनिक अधिकारी, सूरज कर अतिथि अनुदेशक एवं लगभग 20 बालिकाएं उपस्थिति रही।

जसराज पुरोहित ने खेल का महत्व बताया

भीनमाल, (निसं)। निकटवर्ती ग्राम रंगाला में आयोजित सांसद खेल महोत्सव खेलकूद प्रतियोगिता के समापन समारोह में मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज पुरोहित रहे। रंगाला में सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत आयोजित खेल-कूद प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हुआ। सांसद खेल महोत्सव ग्रामीण स्तर से शुरू होकर ब्लॉक, विधानसभा और अंततः लोकसभा स्तर तक पहुँचता है। इस प्रतियोगिता से ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को उच्च स्तर पर अपना कौशल प्रदर्शन का अवसर प्राप्त होता है। आयोजित इस प्रतियोगिता में कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल तथा एथलेटिक्स सहित टीम खेल और व्यक्तिगत पारंपरिक व आधुनिक खेलों का आयोजन हुआ। भाजपा जिलाध्यक्ष जसराज राजपुरोहित ने विजेता टीमों को पुरस्कृत कर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल टीम वर्क, अनुशासन और सामाजिक समरसता के साथ शारीरिक व मानसिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। शिक्षकों तथा अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करने और प्रशिक्षित तथा प्रेरित करने में इनकी महती भूमिका होती है। साथ ही अपने वक्तव्य में सरकार द्वारा विद्यार्थियों और आमजनों के लिए क्रियान्वित की जा रही कल्याणकारी योजनाओं का जिक्र करते हुए लाभान्वित होने का आ ान किया।इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष हीरालाल सारस्वत, बागोड़ा पंचायत समिति सदस्य ठाकराराम रंगाला, पूर्व प्रधान लक्ष्मणाराम, बागोड़ा मंडल महामंत्री दमाराम तथा पीईईओ रंगाला एम एम गोदारा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों, प्रतिभागियों और ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

जालोर में पं.नेहरू को पुष्पाजंलि दी

जालोर, (कासं)। जिला कांग्रेस कमेटी जालोर की ओर से शुक्रवार को देश के प्रथम पूर्व प्रधानमंत्री एवम आधुनिक भारत के निर्माता स्व.पंडित जवाहर लाल नेहरू की जयंती बाल दिवस के अवसर पर पुष्पांजलि कार्यक्रम राजीव गांधी भवन जालोर में रखा गया। सर्वप्रथम समस्त कांग्रेसजन ने चाचा नेहरू की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। साथ ही सभी कांग्रेसजन ने उनके बताए गए मार्गो एवम आदर्शो पर चलने का संकल्प लिया। अंत में सभी कांग्रेसजन ने दो मिनिट का मौन धारण कर उन्हें याद किया। साथ ही समस्त कांग्रेसजन ने भाद्राजून मंडल अध्यक्ष कालूराम मेघवाल के निधन पर दो मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर पुखराज पाराशर पूर्व अध्यक्ष जन अभियोग निराकरण समिति,जिलाध्यक्ष भवरलाल मेघवाल, आहोर कांग्रेस प्रत्याशी सरोज चौधरी, जिला प्रवक्ता योगेंद सिंह कुम्पावत, ब्लॉक अध्यक्ष भोमाराम मेघवाल, नगराध्यक्ष मुमताज अली,सुरेंद्र दवे,खसाराम मेघवाल,सोनाराम मेघवाल,देवाराम सांखला, कामिनी शर्मा, सुष्मिता गर्ग,गीता श्री, पीर सिंह मालपुरा, अनिल पंडत,मिश्रीमल गहलोत,कृष्ण कुमार वनिका, किसनाराम चौधरी, जोगाराम सरगरा, उम्मेद सिंह चारण, कार्तिक दवे,सुरेश चौधरी थांवला, पुखराज माली, सहित तमाम कांग्रेसजन मौजूद थे।

विद्या भारती स्कूल में बाल दिवस मनाया

जालोर, (कासं)। जालोर शहर के सिरे मंदिर रोड स्थित विद्या भारती इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों की ओर से बाल दिवस मनाया गया। विद्यालय प्रिंसिपल डॉ अनिल मिश्रा ने जानकारी दी कि विद्यालय की क्लास नर्सरी, एल के जी और यू के जी के छात्रों द्वारा आज विद्यालय में पंडित जवाहर नेहरू जैसे महापुरुषों का रोल प्ले हुआ। उसके बाद क्लास अनुसार खेलो का आयोजन हुआ । वहीं कक्षा प्रथम के विद्यार्थियों द्वारा फ्रॉग रेस हुई जिसमें प्रथम स्थान अकील , द्वितीय स्थान पर रियान और तृतीय स्थान पर उमेर रहे। उसी कडी में द्वितीय क्लास के विद्यार्थियों द्वारा बुक बैलेंस कंपटीशन हुआ। क्लास तृतीय के विद्यार्थियों द्वारा शेक रेस हुई जिसमें प्रथम स्थान पर कृत राज , द्वितीय स्थान पर हितैषी और दीक्षिता संयुक्त रूप से रही। क्लास चतुर्थ के विद्यार्थियों द्वारा म्यूजिकल चेयर खेल हुआ। जिसमें प्रथम स्थान पर रुद्राक्षी ,द्वितीय स्थान पर दिव्या यादव और तृतीय स्थान खुशवंत रहा अगली कडी में क्लास पांचवीं के विद्यार्थियों द्वारा लेमन रेस हुई। जिसमें प्रथम स्थान नियति, द्वितीय स्थान पर मिस्टी और तृतीय स्थान पर योगिता रही । अंत में विद्यालय निदेशक के एन भाटी और निदेशक मधु बाला भाटी ने बच्चों को गिफ्ट देकर बाल दिवस की शुभकामनाएं देते हुए आशीष दिया। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

आत्म निर्भर भारत पर चर्चा की

पोकरण, (निसं)। आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान महिला सम्मेलन का आयोजन शुक्रवार को विधायक जन संपर्क कार्यालय में हुआ। सम्मेलन में पोकरण विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज, जोधपुर महापौर व मुख्य वक्ता विनीता सेठ, भाजपा जिला अध्यक्ष दलपत हिंगडा, जिला महामंत्री संतोष पालीवाल, जिला मंत्री मदनसिंह राठौड, महिला मंडल अध्यक्ष वंदना शर्मा, अभियान संयोजक सुगन कंवर सहित महिलाए उपस्थित रही। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता विनीता सेठ ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और स्वदेशी उत्पादों को बढावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा आत्मनिर्भर बनाने में मातृ शक्ति का विशेष योगदान है। विधायक महंत प्रतापपुरी महाराज ने महिलाओं को स्वरोजगार, स्व सहायता समूह और कौशल विकास योजनाओं से जोडने पर बल दिया। उन्होंने हर घर स्वदेशी, घर-घर स्वदेशी का मंत्र अपनाकर स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने की बात कही। जिला अध्यक्ष दलपत हिंगडा ने कहा कि आज प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी शक्ति से लोहा मनवाया है। कार्यक्रम का मंच संचालन मदन सिंह राठौड ने किया। धन्यवाद संयोजक सुगन कंवर ने ज्ञापित किया।

सेंट पॉल स्कूल में कार्यक्रम आयोजित

जालोर, (कासं)। सेंट पॉल स्कूल जालोर में शुक्रवार को बाल दिवस के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। प्रधानाध्यापक फादर बिबिन सेबेस्टियन ने बताया कि सेंट पॉल स्कूल जालौर में बाल दिवस के उपलक्ष में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फादर अनिल जॉर्ज व फादर बिबिन सेबेस्टियन उपस्थित रहे। मंच संचालन स्वाति सिसोदिया व सादब सम्मा द्वारा किया गया। अध्यापिका ग्रेसी जॉर्ज नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रवीणा सोनी,मूर्ति ओझा, पूजा शर्मा, सीजी थॉमस,निकिता उन्नी, सिसिया जॉनसन, डेला, गीत की प्रस्तुति दी गई। चंदा गोस्वामी व प्रवीण सिंह द्वारा बाल दिवस की जानकारी देते हुए भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू के जीवन पर प्रकाश डाला। स्वाति सिसोदिया, सादब सम्मा द्वारा कक्षा 1 से लेकर 12वीं तक के सभी विद्यार्थियों को प्रश्नोत्तरी की गई। जिसमें विजेताओं को मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कार वितरण किए गए व कक्षा में खेल गतिविधियां आयोजित की गई।

पाली के सूरजपाल चौराहे पर पटाखे फोड़े

पाली, (नि.सं.)। भाजपा की बिहार चुनाव में ऐतिहासिक विजय पर पाली के सुरजपोल चौराहा पर कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष सुनिल भंडारी के नेतृत्व में आतिशबाज़ी की व मिठाई बांट कर खुशी व्यक्त की। पाली जिला प्रवक्ता तिलोक चौधरी ने बताया कि नारायण कुमावत, रामकिशोर साबु, देविलाल मेघवाल, पियुश शर्मा, राहुल मेवाड़ा, गोपाल बंजारा, सुरेश पंवार, अभिचेक दुगड, कैलाश गौड, गुमानसिंह रावत आदि उपस्थित रहे।

जालिपा की 78 दुकानें व सूर्या वाटिका कॉलोनी पर कार्रवाई

बाड़मेर,(नि.सं.)। सड़क सुरक्षा, सुगम यातायात और शहर के नियोजित विकास को लेकर नगर विकास न्यास, बाड़मेर की ओर से संचालित अतिक्रमण मुक्त बाड़मेर अभियान शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 3 नवंबर 2025 को आयोजित उच्च स्तरीय बैठक के निर्देशों के बाद न्यास प्रशासन ने शहर के प्रमुख मार्गों, बाईपास और ग्रीनबेल्ट क्षेत्रों को अतिक्रमणमुक्त बनाने का सख्त अभियान तेज कर दिया।

नगर विकास न्यास के सचिव श्रवण सिंह राजावत ने बताया कि शुक्रवार को सर्किट हाउस-नवले की चक्की-मेडिकल कॉलेज-जालीपा-जैसलमेर रोड तक 200 फीट मार्गाधिकार एवं 100 फीट ग्रीनबेल्ट क्षेत्र में विकसित किए गए अस्थायी और स्थायी निर्माणों पर भारी कार्रवाई की गई। पुलिस बल की मौजूदगी में कई दर्जन ढांचों को हटाया गया, अवैध कारोबारियों को चेतावनी दी गई तथा गैर-कृषि भूमि उपयोग परिवर्तन (संपरिवर्तन) के बिना किए गए निर्माणों को तुरंत प्रभाव से ध्वस्त किया गया।

कार्रवाई के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग-68 पर स्थित सियाग उद्योग, महादेव मेडिकल, सूर्या वाटिका (मारवाड़ होटल के समीप अवैध कॉलोनी), मारवाड़ होटल, बाबा गरीबनाथ हार्डवेयर, नागाणाराय फिटनेस सेंटर, जनता कैफे, यदुरा होटल, ए-वन गैस, आर.के. स्टील्स, कृष्णा कार डेकोर, केजीएन इलेक्ट्रिकल्स, जय हिंद टाइल्स एंड सेनेट्री, खिलजी शटर सप्लायर्स, शिव हॉस्पिटल सहित 50 से अधिक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई। उन्होने बताया कि अवैध संरचनाओं को हटाते समय कई स्थानों पर लोगों ने आपत्ति जताने की कोशिश की, लेकिन पुलिस एवं प्रशासन की संयुक्त टीम ने कार्रवाई को कड़ी निगरानी में पूरा किया।

सबसे महत्वपूर्ण कार्रवाई राजस्व ग्राम जालीपा में की गई, जहाँ कृषि भूमि पर अवैध रूप से काटी गई 78 व्यावसायिक दुकानों को पूरी तरह ध्वस्त किया गया। यह सभी दुकानें खसरा संख्या 726/210,727/210 और 465/166 खातेदार पवनकुमार पुत्र रामचन्द्र खत्री, निवासी जूना केराडू मार्ग, बाड़मेर की भूमि पर अवैध रूप से बनाई गई थीं। इसी तरह मारवाड़ होटल के पास खसरा संख्या 2572/716 पर विकसित सूर्या वाटिका कॉलोनी (खातेदार अचलाराम पुत्र खेमाराम) को भी पूर्ण रूप से ध्वस्त कर दिया गया। न्यास प्रशासन ने साफ कहा कि अवैध कॉलोनियों में भूखंड खरीदने वाले खरीदार स्वयं जिम्मेदार होंगे। न्यास किसी भी प्रकार का दायित्व स्वीकार नहीं करेगा।

न्यास सचिव श्रवण सिंह राजावत ने बताया कि अब तक 51 अस्थायी अतिक्रमण हटाए जा चुके हैं। वहीं बाड़मेर-जैसलमेर रोड पर चिन्हित स्थायी निर्माणों को 7 दिनों बाद पुनः चलने वाले विशेष अभियान में हटाया जाएगा। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि सर्किट हाउस से नवले की चक्की-मेडिकल कॉलेज-जालीपा के मध्य स्थित सभी गैर-कृषि प्रयोजनार्थ भूमि के खातेदार अगले सात दिनों में भूमि संपरिवर्तन (90-क) का आवेदन ऑनलाइन प्रस्तुत करें, अन्यथा उनके विरुद्ध ध्वस्तीकरण एवं दंडात्मक कार्रवाई नियमानुसार की जाएगी।

सचिव राजावत ने नागरिकों को स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि मार्गाधिकार क्षेत्र में किसी भी प्रकार का नया निर्माण चाहे अस्थायी हो या स्थायी किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने लोगों से स्वेच्छा से अतिक्रमण हटाकर प्रशासन का सहयोग करने और बिना विधिक अनुज्ञा गैर-कृषि उपयोग करने वाले खातेदारों को सम्परिवर्तन की अपील की। इसी क्रम में अभियान का तीसरा चरण सोमवार, 17 नवंबर 2025 को प्रारंभ होगा, जिसके अंतर्गत बीएनसी चौराहा से राजकीय आई.टी.आई कॉलेज, उत्तरलाई-जोधपुर रोड़ तक मार्गाधिकार क्षेत्र में किए गए सभी अतिक्रमणों तथा अवैध निर्माणों को हटाने की व्यापक कार्रवाई की जाएगी। न्यास प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि अब शहर के किसी भी हिस्से में मास्टर प्लान के विपरीत किए गए निर्माणों को किसी भी कीमत पर नहीं छोड़ा जाएगा।

जालोर में जागरूकता रैली को जिला न्यायाधीश ने रवाना किया

जालोर, (कासं)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला न्यायाधीश हारून के निर्देशन में शुक्रवार को बाल दिवस पर शुक्रवार को कई जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर रैली का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। रैली को जिला न्यायाधीश हारून ने हरी झंडी दिखाकर रवाना। यह रैली जिला न्यायालय परिसर से रवाना होकर अस्पताल चौराहा होते हुए हरिदेव जोशी सर्किल से वन वे होते हुए वापस जिला न्यायालय में आकर विसर्जित हुई। रैली में विद्यार्थी हाथों में तख्तियां लिए विभिन्न नारे लगाते हुए चल रहे थे। इस दौरान पोक्सो कोर्ट के न्यायाधीश प्रमोद कुमार मलिक, पारिवारिक न्यायालय के न्यायाधीश अमर वर्मा, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद, सीजेएम प्रिया टावरी, एसीजेएम राजेंद्रसिंह चारण, एसीजेएम संख्या द्वितीय अंकित दवे, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुनेश कुमार मीणा, एसीबीईओ रमेश खोरवाल, जब्बरसिंह देवडा आदि मौजूद रहे।

इस दौरान अतिथियों के हाथों न्याय आपके द्वारा लोक उपयोगिता समस्याओं का सुलभ और त्वरित समाधान को लेकर रालसा की ओर से शुरू किए गए तीन माह के अभियान के प्रचार प्रसार को लेकर पोस्टर का विमोचन किया गया। इस मौके पर विधिक जागरूकता शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव अहसान अहमद ने बाल दिवस के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बालकों के अधिकारों के बारे विस्तार से बताया। इस दौरान उन्होंने जन उपयोगी सेवाओं के समाधान के लिए शुरू किए गए अभियान के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने निशुल्क विधिक सहायता, पीडित प्रतिकर स्कीम, राष्ट्रीय लोक अदालत, पीएलवी के कार्य एवं अन्य जानकारी दी। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी मुनेश कुमार मीणा ने बाल दिवस के बारे में विस्तार से बताया एवं अपने अधिकरों के प्रति सचेत होने का आव्हान किया। इस दैरान महात्मा गांधी स्कूल शिवाजी नगर के अध्यापक हितेश दवे ने मंच संचालन किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ पीटीआई नरेश लोकर, सज्जन कुमार, शैलजा माथुर, शिवदत्त आर्य, रमेश दान, जेठाराम, हनुमान दवे, रोहिताश्व शर्मा, प्रियंका शर्मा, धनवंत, अश्विनी कुमार आदि मौजूद रहे।

इस मौके पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में पोस्टर, निबंध व वाद विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने बढ चढ कर भाग लिया। पोस्टर प्रतियोगिता में 13 निबंध प्रतियोगिता में 21 वाद विवाद प्रतियोगिता में 7 विद्यार्थियों ने भाग लिया। वाद वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम नेहल माथुर महात्मा गांधी विद्यालय शिवाजी नगर व राकेश परिहार पीएम श्री राउमावि जालोर तथा द्वितीय काव्या ठाकुर महात्मा गांधी विद्यालय शिवाजी नगर व तृतीय स्थान पर जितेंद्र कुमार पीएमश्री राउमावि जालोर रहे। निर्णायक की भूमिका शैलजा माथुर व प्रियंका शर्मा ने निभाई।

बिरसा मुंडा की जयंती पर पखवाड़ा उत्सव का आयोजन

पाली, (नि.सं.)। भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती पर भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार एक नवम्बर से 15 नवम्बर 2025 तक 'जनजातीय गौरव दिवस 2025 तक मनाया जा रहा है। इस पखवाड़ा उत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत गुरूवार को भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती अभियान के तहत पाली जिले में 10 नगरीय निकायों में विभिन्न चौराहों, भवनों एवं पार्के पर रोशनी की व्यवस्था की गई जिनमें कुल 34 चौराहे तथा 35 राजकीय भवन व 3 पार्क शामिल है।

जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी मुकेश चौधरी ने बताया कि पाली जिले की जनजातीय बाहुल्य 67 ग्राम पंचायतों में स्थापित आदि सेवा केन्द्रों पर प्रथम जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन एवं जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में ग्राम सभाओं का आयोजन किया गया जिसमें जनता की विभिन्न समस्याओं तथा शिकायत्तों की सुनवाई की गई तथा उनके निराकरण का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के 150 वीं जयंती मनाने के बारे में बताया गया और जीवन में श्रेष्ठता एवं समाज सेवा की दिशा में अठासर होने का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि बिरसा मुंडा जैसे महापुरुषों से प्रेरणा लेकर समाज सेवा की भावना को जीवित रखना ही सच्ची श्रद्धांजलि है।

'जनजातीय गौरव दिवस 2025' पर देश के जनजातीय नायकों की वीरता, संस्कृति और योगदान को सम्मानित किया जाएगा। हाल ही जनजातिय बाहुल्य क्षेत्रों में आदिवासी सेवा केन्द्रों की स्थापना की गई है इन्हें इस अवधि में सहायता एवं अभिसरण केंद्र के रूप में सक्रिय कर जनजातीय समुदाय तक योजनाओं की पहुँच सुनिश्चित की जाएगी।

15 दिवसीय इस अवधि के दौरान अलग अलग दिवसों पर अलग-अलग कार्यक्रमों के आयोजन किये गए है जो 15 नवम्बर तक चलेंगे। जिसमें भगवान बिरसा मुंडा तथा अन्य जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान करते हुए पूजा-अर्चना, सांस्कृतिक कार्यक्रम, लोकगीत-नृत्य तथा पारंपरिक कला का प्रदर्शन किया जाएगा।

साथ ही लाभार्थी संतृप्ति शिविरों में तथा स्वास्थ्य बीमा योजनाओं से जुड़े पंजीकरण, सत्यापन और लाभ वितरण किया जाएगा, शिकायत निस्तारण दिवस आयोजित कर आवास, जीविकोपार्जन, स्वास्थ्य एवं कल्याण योजनाओं से संबंधित शिकायतों का स्थल पर समाधान किया जाएगा। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण, एनीमिया जांच, टीकाकरण और पोषण जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित होंगे।

कृषि उपकरण, सहायक साधन वितरण और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम भी संचालित किए जाएँगे। सभी गतिविधियां -2047 और 2030 के लक्ष्य से जुड़ी होंगी।

विधिक जागरूकता रैली निकाली

रेवदर , (निसं)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर तथा अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सिरोही के निर्देशानुसार तालुका विधिक सेवा समिति, रेवदर द्वारा विशेष राष्ट्रीय बाल दिवस के उपलक्ष पर राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, रेवदर में विशेष जागरूकता कार्यक्रम तथा बाल अधिकार जागरूकता रैली का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों. शिक्षकों एवं समुदाय को बच्चों से संबंधित कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों एवं बाल संरक्षण कानूनों के बारे में जागरूक करना था। कार्यक्रम के उपरांत विद्यालय परिसर एवं मुख्य मार्गो पर जागरूकता रैली निकाली गई।

रैली का उद्देश्य ग्रामीण समुदाय में बालिका सुरक्षा एवं शिक्षा के प्रति सकारात्मक माहौल बनाना था। इस कार्यक्रम के दौरान वहां प्रधानाचार्य भेरूसिंह चारण, पीटीआई रंजना खत्री, व्याख्याता छाया शर्मा, अध्यापक भगवानाराम, रामलाल, तालुका सचिव भलाराम, पीएलवी प्रकाश कोली, अधिवक्ता मुकेश कोली सहित कई जने उपस्थित रहे।

एफसीआई गोदाम से गेंहू का गबन, जांच शुरू

जोधपुर, (कासं)। बासनी औद्योगिक क्षेत्र द्वितीय चरण में एफसीआई गोदाम से हजारों टन गेंहू का गबन हुआ। पूर्व में पता लगने पर विभागीय स्तर पर जांच की गई, तब कुछ लोगों की मिलीभगत सामने आई, जिसमें सरकारी कर्मचारी भी शामिल रहे। गेंहू कितने का था, इस बारे में खुलासा नहीं हुआ है। गबन छह माह तक चलता रहा। ऑडिट में इसका खुलासा हो पाया। एफसीआई के प्रवर्तन अधिकारी ने कुछ लोगों को नामजद कर बासनी थाने में रिपोर्ट दी है, जिसमें गहनता से तफ्तीश आरंभ की गई है।

जिला रसद विभाग के प्रवर्तन निरीक्षक राजकरण बारहठ की तरफ से बासनी थाने में केस दर्ज करवाया गया है। रिपोर्ट के अनुसार एफसीआई का गोदाम बासनी द्वितीय चरण में आया है। 1 सितंबर 24 से लेकर 28 फरवरी 25 तक गोदाम से लाखों टन गेंहू का गबन होना मिला। लोगों तक गेंहू नहीं पहुंचा। ऑडिट मिलान और जांच में आरंभिक तौर पर पता लगा कि इसमें ट्रांसपोर्टर से लेकर सरकारी कार्मिक शामिल है। बारहठ ने बासनी थाने में कुछ लोगों राजेश पंवार, मंगलाराम, खेताराम, नरेश दातवानी उर्फ कालू आदि को नामजद कर रिपोर्ट दी है।

शिविर आयोजित

पाली, (नि.सं.)। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला न्यायाधीश पाली विक्रम सिंह भाटी द्वारा रेनबो पब्लिक स्कूल नया गांव पाली में बच्चों के बीच सकारात्मक माहौल, बुराईयों से मुक्त कर समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा महसूस कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय बाल दिवस मनाया गया।

कार्यक्रम के दौरान मांगीलाल तंवर अधिकार मित्र द्वारा मंच का संचालन किया गया। इस दिवस के उपलक्ष में सचिव भाटी द्वारा बताया कि प्रतिवर्ष 14 नवम्बर को बाल दिवस के रूप में मनाया जाता है। यह दिन देश में बच्चों के अधिकारों, उनके स्वास्थ्य व शिक्षा एवं कल्याण पर बात करने का है। बच्चों को बाल विवाह, बाल श्रम, खराब स्वास्थ्य व शिक्षा के बारे में अवगत कराया तथा कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य आवश्यक है। विधिक सेवा प्राधिकरण के आयाम, नालसा हेल्पलाइन नम्बर, नालसा पोर्टल आदि की जानकारी दी।

बाल दिवस पर कार्यक्रम हुए

जोधपुर, (कासं)। राष्ट्रीय बाल दिवस" पर जोधपुर में अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बच्चों ने इसमें उत्साह से भाग लिया।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर महानगर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर जिला के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को "राष्ट्रीय बाल दिवस" के अवसर पर इस लार्ड सत्यम सीनियर सैकण्डरी स्कूल, नयापुरा, जोधपुर व राजकीय बालिका उच्च प्राथमिक विद्यालय, खाण्डा फलसा, जोधपुर में विधिक जागरूकता शिविरों व जागरूकता रैलियों का आयोजन किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शिविरों में उपस्थित इन विद्यालयों के छात्र व छात्राओं को संबोधित करते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर महानगर के सचिव राकेश रामावत ने राष्ट्रीय बाल दिवस मनाये जाने के उद्देश्य बताते हुए देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की जीवनी से अवगत कराया।

जीवन में शिक्षा के महत्व के बारे में बताते हुए विधिक सेवा प्राधिकरण की जन कल्याणकारी योजनाएं पीड़ित प्रतिकर स्कीम, राष्ट्रीय लोक अदालत, मध्यस्थता, लीगल एड फिर्डेस काउंसिल सिस्टम व नालसा हेल्पलाइन नंबर 15100 के बारे भी जानकारी दी। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जोधपुर मनीष हरजाई ने बच्चों को कैरियर प्लान संबंधी जानकारियां दी।

कार्यक्रमों में लार्ड सत्यम सीनियर सैकण्डरी स्कूल, नयापुरा के प्रिंसीपल मुकेश टाक, अधिवक्ता प्रमेन्द्र पुरी, संपत्त सिंह गहलोत, राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, खाण्डा फल्सा की प्रिंसीपल श्रीमती अनिता व्यास तथा समर्पण मारवाड़ सेवा संस्थान के अध्यक्ष कपिल आरोड़ व महिला मोर्चा अध्यक्ष विजय लक्ष्मी अरोड़ा, पीएलवी राजल गहलोत आदि उपस्थित थे।

इसी तरह श्री गुमान राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, इन्द्रोका में बाल मेला का आयोजन

किया गया पर बाल मेला का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य विजय सिंह राठौड़ ने बाल दिवस पर पंडित जवाहर लाल नेहरू के जीवन पर प्रकाश डाला।

मेले में कक्षा 8 से 12 के छात्र छात्राओं द्वारा पानी पूरी, मीठाई, पोहे, भेल पूरी चाट की स्टॉल लगाई गयी। इस अवसर पर बालकों के लिए विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में चन्दन सिंह, रंजना गौड़, कौशल्या, योगिता कुमारी, अनु जोया, ज्योति कुमारी, सुमेर सिंह, नीता सोलंकी, ललिता शर्मा, खींव सिंह आदि का सहयोग रहा।

चोरी के मोबाइल बेचे, जालसाजी का केस दर्ज

जोधपुर, (कासं)। शहर के एमजीएच रोड स्थित रायबहादुर मार्केट के पास मोबाइल के होलसेलर-रिटेलर को फलोदी के एक व्यापारी ने चोरी के 28 मोबाइल बेच डाले। बदले में 20 लाख रूपए ले लिए। हरियाणा के गुरूग्राम से पुलिस यहां पहुंची तब पता लगा कि मोबाइल चोरी के है। पीड़ित ने पूर्व में पुलिस के चक्कर काटे मगर केस दर्ज नहीं किया गया। उसने कोर्ट में इस्तगासे के माध्यम से धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में केस दर्ज करवाया है।

जानकारी के अनुससार 17 ई सेक्टर सीएचबी के रहने वाले नवनीत अरोड़ा पुत्र नंदकिशोर अरोड़ा ने यह रिपोर्ट दी। इसमें बताया कि वह वह एमजीएच रोड पर रायबहादुर मार्केट के पास में राजेंद्र मोबाइल प्लाजा नाम से दुकान चलाता है। वह मोबाइल का होलसेलर होने के साथ रिटेल में भी कारोबार करता है। उसका बिजनेस फलोदी के बरकत कॉलोनी निवासी पवन मुंजासर के साथ में गत एक साल से चल रहा था। दोनों आपस में मोबाइल खरीद-फरोख्त कर रहे थे। इस साल 13 और 14 अगस्त को पवन मुंजासर से 28 महंगे फोन खरीदे गए थे। जिसकी कीमत बीस लाख दो हजार थी। प्रति मोबाइल 71 हजार 500 का था। पवन को मोबाइल के रूपए केश और यूपीआई द्वारा किए गए थे। हाल में 11 अक्टूबर को गुरू ग्राम हरियाणा से पुलिस परिवादी नवनीत अरोड़ा की दुकान पर पहुंची थी।

पाली के बांगड़ स्टेडियम में सांसद खेल महोत्सव शुरू

पाली, (नि.सं.)। सांसद खेल प्रतियोगिता 2025 पाली 14 नवंबर विधानसभा स्तर की खेल कूद प्रतियोगिता का आगाज आज बांगड़ स्टेडियम पाली में भव्य शुभारंभ समारोह के साथ हुआ।

पाली विधानसभा स्तर की प्रतियोगिता के आयोजक प्रतियोगिता संयोजक व प्रधानाचार्य शंकर लाल सोनी ने बताया कि तीन दिवस तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के आज पहले दिन बांगड़ स्टेडियम पाली में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ में प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पाली जिला प्रमुख रश्मि सिंह के करकमलों से सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। उसके पश्चात आयोजन समिति की ओर से पधारने वाले सभी अतिथियों का राजस्थानी परंपरा से स्वागत अभिनंदन किया गया। जिसमें पाली विधानसभा क्षेत्र प्रतियोगिता के प्रभारी त्रिलोक चौधरी, नगर परिषद पाली के पूर्व उपसभापति मूल सिंह भाटी,भाजपा के जिला महामंत्री नारायण लाल कुमावत,कोषाध्यक्ष राम किशोर साबू, राजेश बोहरा, प्रहलाद चौधरी, गौतम व मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दिलीप कुमार कर्मचंदानी, उप जिला शिक्षा अधिकारी शारीरिक शिक्षा बलवीर सिंह सांसद खेल प्रतियोगिता के जिला नियंत्रण कक्ष प्रभारी दिलीप कुमावत, राधेश्याम सोनी, पारसमल सुथार आदि उपस्थित रहे। विद्यालय अध्यापिका जया कर्मचंदानी, रेखा, सोना अमरनानी व तेजकंवर के मार्गदर्शन में बालिकाओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी गई। जिला प्रमुख द्वारा कार्यक्रम की उद्धघोषणा व ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम का मंच संचालन रामदयाल जांगिड़ बुधवाड़ा ने किया। प्रतियोगिता के नियंत्रण कक्ष प्रभारी तुलसीराम चौहान व नीतू जालवाल ने बताया कि तीन दिवस तक आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता में पाली विधानसभा से पाली व रोहट ब्लॉक की चार क्लस्टर से व्यक्तिगत वह सामूहिक खेल स्पर्धा में 575 बालक बालिकाएं भाग ले रहे हैं। आज आयोजित हुई प्रतियोगिता के परिणामों में लम्बी कूद में अंडर-19 वर्ग में बालक वर्ग में सिंणगारी से महेंद्र, बालिका वर्ग में सोनाई लाखा से राधिका 19 वर्ष से ऊपर में बालक वर्ग में खाण्डी से सहीराम विजेता रहे कैरम बोर्ड में अंडर-19 वर्ष के बालक वर्ग में मां गायत्री विद्या मंदिर पाली बालिका वर्ग में सोनाई लाखा से प्रतिज्ञा गोस्वामी 19 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग में बालक वर्ग में मोहनलाल विजेता रहे। कबड्डी प्रतियोगिता में अंडर-19 वर्ष के बालक वर्ग में मांडावास व बालिका वर्ग में बिट्टू विजेता रहे 19 वर्ष से ऊपर आयु के बालक वर्ग में पैकेज कॉलोनी पाली विजेता रही।

बैडमिंटन में अंडर 19 वर्ष के बालक वर्ग में बागड़ स्कूल के हिमांशु कच्छवाह बालिका वर्ग में आवासन मंडल हाउसिंग बोर्ड की रूपाली 19 वर्ष से ऊपर आयु के बालक वर्ग में सोनाई लाखा के नरपत मेघवाल प्रथम रहे। सभी प्रतिभागियों के लिए मेड़तिया स्वीट होम की ओर से अल्पाहार की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम व्यवस्थार्थ, नियंत्रण कक्ष व प्रतियोगिता संचालन में भगवान दास बाबानी, जुंजा राम,चंद्रप्रकाश, वीरेंद्र व्यास, संजय ओझा, सिद्धार्थ ओझा, , मोहमद जावेद ,जगदीश सिंह राजपुरोहित, छैलेंद्र सिंह, गोविंद सिंह, लिपिका सरकार, मनोहर सिंह आदि का सहयोग रहा।

कार्यालय नगर पालिका सांचौर (राज.)

(टेलिफोन नम्बर-02979-283280 व ई-मेल आई.डी. eosanchore.lsg@rajasthan.gov.in & eosanchore2010@gmail.com)

क्रमांक / न.पा.सां. / 2025 / 4802 दिनांक : 11.11.2025

—:: आपत्ति विज्ञप्ति ::—

सर्व साधारण एवं आमजन को सूचित किया जाता है कि परिषद् परिक्षेत्र मे विलेख, वसीयत, हकत्याग, उत्तराधिकारी, गिफ्टडीड आदि से खरीदसुदा के नामान्तरण / उपविभाजन / संयुक्तिकरण प्रमाण पत्र हेतु प्राप्त आवेदन पत्रों का विस्तृत विवरण नीचे अंकित है। इसमें वर्णित सम्मतियों के नामान्तरण / उपविभाजन / संयुक्तिकरण प्रमाण पत्र में किसी व्यक्ति विशेश को कोई आपत्ति हो तो वह आपत्ति मय ठोस दस्तावेज सहित इस सूचना के प्रकाशन होने की दिनांक से 3 दिवस में इस कार्यालय मे आवश्यक रूप से प्रस्तुत करें। उपरोक्त अवधि के समाप्त के उपरान्त प्राप्त होने वाली आपत्ति स्वीकार नहीं की जावेगी। तथा सम्पत्ति आवेदनकर्ता के नाम नामान्तरण / उपविभाजन / संयुक्तिकरण प्रमाण पत्र जारी कर दिया जावेगा।

क्र. स.	आवेदनकर्ता का नाम	स्थल जहां सम्पत्ति है	पत्रावली संख्या	पत्रावली का प्रकार	पट्टा संख्या / वर्ष	भूखण्ड संख्या	कुल रकबा (वर्गगज)
1	श्री पिनेश अनराज शाह पुत्र श्री अनराज शाह	आशापूर्णा टाउपशीप के सामने हाडेचा रोड सांचौर	378/2025	नामान्तरण	1523/2013	-	200
2	श्री गोरधन पुत्र राणाराम गवारिया	एच. आर. नगर चतुर्थ सांचौर	379/2025	नामान्तरण	6879/2022	218	166.66
3	श्रीमती सरस्वती कुमारी पत्नी श्री विक्रम कुमार सुथार	हनुमान नगर मौखुपुरा सांचौर	380/2025	नामान्तरण	1005/2013	10	166.66
4	श्री नरेश जांगीड पुत्र श्री मांगीलाल सुथार	हिंगलाज नगर (मोजियावास) सांचौर	381/2025	नामान्तरण	1532/2013	289	200
5	श्रीमती पंखी देवी पत्नी श्री श्रीराम दर्जी	नेहरू नगर कॉलोनी सांचौर	382/2025	नामान्तरण	file no 20/1973	-	150
6	श्री मगाराम चौधरी पुत्र श्री सवाराम चौधरी	जीवराज नगर सांचौर	383/2025	नामान्तरण	1605/2023	-	141.59
7	श्रीमती ओमी पत्नी श्री विशनाराम, बिश्नोई	कामधेनू नगर सांचौर	384/2025	नामान्तरण	5898/2021	52	166.66
8	श्री आसूराम पुत्र श्री वरींगारामजी बिश्नोई	श्री शिवशक्ति नगर कॉलोनी सांचौर	385/2025	नामान्तरण	484/2008	59	166.66
9	श्रीमती उर्मिला पत्नी श्री जयकिशन बिश्नोई	श्री गायत्री नगर सांचौर	386/2025	नामान्तरण	302/2007	15	166.66
10	श्रीमती उर्मिला पत्नी श्री कपुरचन्द, ओसवाल	आशापूर्णा कॉलोनी सांचौर	387/2025	नामान्तरण	02/2002	-	211.11
11	श्रीमती उर्मिला पत्नी श्री कपुरचन्द, ओसवाल	आशापूर्णा कॉलोनी सांचौर	388/2025	नामान्तरण	359/1993	-	230.55
12	श्रीमती माया देवी पत्नी श्री रघुनाथजी बिश्नोई	महादेव नगर लाछडी रोड सांचौर	389/2025	नामान्तरण	1647/2013	2	166.66
13	श्रीमती माया देवी पत्नी श्री रघुनाथजी बिश्नोई	महादेव नगर लाछडी रोड सांचौर	390/2025	नामान्तरण	1646/2013	1	166.66
14	श्री अरविन्द कुमार पुत्र श्री रामावतार, विश्नोई	नेहरू कॉलोनी सांचौर	391/2025	नामान्तरण	233/1997	-	233.33
15	श्रीमती ब्रह्मा पत्नी श्री कालूराम, विश्नोई	ज्योति नगर द्वितीय सांचौर	392/2025	नामान्तरण	1350/2025	125	221.56
16	श्रीमती ब्रह्मा पत्नी श्री कालूराम, विश्नोई	ज्योति नगर द्वितीय सांचौर	393/2025	नामान्तरण	1349/2025	124	166.66
17	श्री मगाराम चौधरी पुत्र श्री सवाराम चौधरी	जीवराज नगर सांचौर	77/2025	उपविभाजन	1605/2023	A	141.59

राज.संवाद / सी / 25 / 13808 अधिशाषी अधिकारी

जूनियर हॉकी विश्व कप में दबाव का सामना करना और अनुभव हासिल करना युवाओं के लिये भावी सफलता का मील का पत्थर होगा - पी आर श्रीजेश

भारतीय पुरूष जूनियर हॉकी टीम के मुख्य कोच, भारतीय खिलाड़ीयों को सलाह देते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

टिम साउदी

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के लिए टिम साउदी को अपना गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान, जिन्होंने 2025 की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया था, गेंदबाजी सलाहकार के रूप में इंग्लैंड की टेस्ट टीम का हिस्सा रहे हैं। साउदी अभिषेक नायर की अध्यक्षता वाले केकेआर के नए कोचिंग समूह में शामिल हो गए हैं, और फ्रेंचाइजी ने हाल ही में अगले सीजन से पहले शेन वॉटसन को सहायक कोच के रूप में शामिल किया है। 36 वर्षीय इस खिलाड़ी ने अपने खेल करियर के दौरान 2021, 2022 और 2023 में केकेआर का प्रतिनिधित्व किया है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने सबसे कम स्कोर 2016 में, साउथ अफ्रीका के खिलाफ 260 रन बनाए और रोहित शर्मा ने 35 गेंदों में शतक जड़ा।

एन.बी. एकेडमी की एक तरफा जीत में विहान, रोहन व शिरीष चमके

जयपुर, 14 नवम्बर। यूनियन क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित प्रथम श्रीमती मुमताज खान स्मृति अण्डर-14 क्रिकेट प्रतियोगिता के अन्तर्गत आज नैना क्रिकेट एकेडमी जगतपुरा में खेले गये मुकाबले में एन.बी. क्रिकेट एकेडमी ने रोहन मीणा 17 रन पर 3 विकेट, शिरीष मीणा 28 रन पर 3 विकेट की शानदार गेंदबाजी के बाद विहान जैन 85 रन नाबाद (69 गेंद, 12 चौके, 2 छक्के), असद 36 रन नाबाद की 140 रन की अविभाजित साझेदारी की बदौलत डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी को 10 विकेट से हराकर 2 अंक अर्जित किये। टॉस जीतकर डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुये जय शर्मा 38 रन, तनुज शर्मा 18 रन, शान 13 रन व सम्यक जैन 12 रन की पारियों की बावजूद एन.बी. क्रिकेट एकेडमी के गेंदबाजों रोहन मीणा 17 रन 3 विकेट शिरीष मीणा 28 रन पर 3 विकेट, समर्थ सचदेवा 29 रन पर 2 विकेट तथा विहान जैन 22 रन पर 1 विकेट ने शानदार गेंदबाजी करते हुये डायमण्ड क्रिकेट एकेडमी की पूरी टीम को 26.2 ओवर में 138 रन पर सिमेट दिया। जवाबी पारी में एन.बी. क्रिकेट एकेडमी के दोनों ओपनर विहान जैन 85 रन नाबाद तथा असद 36 रन नाबाद ने शानदार बल्लेबाजी करते हुये 20.5 ओवर में 140 रन की नाबाद साझेदारी निभाकर अपनी टीम को 10 विकेट से एक तरफा जीत दिलाकर महत्वपूर्ण 2 अंक दिलवाये। इस मैच का मैन ऑफ दी मैच विहान जैन (86 रन व 1 विकेट) एन.बी क्रिकेट एकेडमी रहे।

बुमराह का पंजा, दक्षिण अफ्रीका 159 पर सिमटा

कोलकाता, 14 नवंबर। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह (27 रन पर पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत भारत ने दक्षिण अफ्रीका को ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट के पहले दिन शुक्रवार को पहली पारी में 55 ओवर में 159 रन पर समेट दिया। भारत ने इसके जवाब में स्टंप्स तक 20 ओवर में एक विकेट पर 37 रन बना लिए हैं और वह अभी पहली पारी में 122 रन से पीछे है।

यह पूरा दिन जसप्रीत बुमराह और भारतीय टीम के नाम रहा। बुमराह के पंजे की मदद से भारत ने दक्षिण अफ्रीका को 159 पर ही आउट कर दिया। कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने उनका बखूबी साथ दिया। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज पिच पर टिकने के बाद विकेट फेंकते हुए नजर आए।

भारत को यशस्वी जायसवाल (12) के रूप में एक झटका ज़रूर लगा लेकिन इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर और केएल राहुल ने सजगता से खेलते हुए सुनिश्चित किया कि भारत, दूसरे दिन खेल में आगे रहते हुए प्रवेश करेगा।स्टंप्स के समय राहुल 59 गेंदों में 13 और सुंदर 38 गेंदों में छह रन बनाकर क्रीज पर थे।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फ़ैसला किया था और रायन रिकेलटन और एडन मारक्रम ने मिलकर एक सधी हुई शुरुआत की थी। लेकिन जसप्रीत बुमराह ने दोनों सलामी बल्लेबाजों को पवेलियन लौटाया और कुलदीप यादव ने टेम्बा बावुमा को चलता किया। दूसरे सत्र में बुमराह और कुलदीप ने एक-एक सफलता हासिल की और सत्र के अंतिम चरण में मोहम्मद सिराज ने दोहरे झटके दिए, वहीं अक्षर पटेल की सफलता के साथ ही दूसरा सत्र दक्षिण के आठ विकेट के नुकसान पर 154 के स्कोर के साथ समाप्त हुआ। वहीं अंतिम सत्र में बुमराह ने दोनों शेष विकेट निकालते हुए दक्षिण अफ्रीका की पारी समाप्त कर दी।

सलामी बल्लेबाजों ने सकारात्मक शुरुआत की, रिकल्टन (23)ने शानदार शुरुआत की, जबकि मार्करम (31)ने अपना खाता खोलने के लिए 23 गेंदें लीं, लेकिन इसके बाद बाउंड्री से भरे स्कोरिंग शॉट्स का सिलसिला चला। बुमराह ने पहला स्पैल लंबा फेंका और आखिरकार उन्हें अपने 6वें ओवर में पुरस्कृत किया गया - एक के बाद एक और मेहमान टीम ने कुछ ही समय में दोनों सलामी बल्लेबाजों को खो दिया, ऐसा ही बावुमा(3) ने अपने वापसी वाले टेस्ट में किया।

71/3 के स्कोर पर, पहले घंटे की कड़ी मेहनत बर्बाद हो गई, लेकिन मुल्डर(24), टोनी डीजॉर्जी (24) और काइल वेरिन (16) - सभी ने शुरुआत की और सभी लगभग एक ही अंदाज में आउट हुए। ट्रिस्टन स्टब्स ने नाबाद 15 रन बनाते हुए, पुछल्ले बल्लेबाजों के साथ पारी संभालने की कोशिश की लेकिन भारतीय गेंदबाजों ने 13 रन में अंतिम पांच विकेट निकालकर दक्षिण अफ्रीका की पारी समेट दी। बुमराह के पंजे के अलावा सिराज ने 47 रन पर दो विकेट, कुलदीप ने 36 रन पर दो विकेट और अक्षर पटेल ने 21 रन पर एक विकेट लिया।

वैभव के तूफानी 144 से भारत ने यूएई को धो डाला

दोहा, 14 नवंबर। सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 144 रन की तूफानी शतकीय पारी की बदौलत भारत ए ने एशिया कप राइजिंग स्टार्स टूर्नामेंट में शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को 148 रन के बड़े अंतर से पीट दिया।

भारत ने 20 ओवर में चार विकेट पर 297 रन का विशाल स्कोर बनाया जिसके जवाब में यूएई की टीम सात विकेट पर 149 रन ही बना सकी। वैभव को उनकी आतिशी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया।

यूएई की तरफ से शोएब खान ने सर्वाधिक 63 रन बनाये जबकि भारत ए की तरफ से गुरजपनीत सिंह ने 18 रन देकर तीन विकेट और हर्ष दुबे ने 12 रन पर दो विकेट लिए।

प्लेयर ऑफ द मैच सूर्यवंशी ने मात्र 42 गेंदों में 11 चौके और 15 छक्के उड़ाते हुए 144 रन ठोके। उन्होंने नमन धीर (34) के साथ दूसरे विकेट के लिए 163 रन की बड़ी साझेदारी की। सूर्यवंशी 13वें ओवर में जब आउट हुए तब भारत का स्कोर 195 रन पहुंच चुका था।

कप्तान जितेश शर्मा ने 32 गेंदों में आठ चौके और छह छक्के उड़ाते हुए नाबाद 83 रन बनाये जिससे भारत 20 ओवर की समाप्ति तक 297 रन पर पहुंच गया।

राजस्थान फुटबॉल संघ के नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन

अध्यक्ष मानवेंद्र सिंह जसोल सहित खेल जगत की हस्तियां हुई शामिल

जयपुर, 14 नवम्बर। राजधानी जयपुर के नंदपुरी, हवा सड़क स्थित जीएस अपार्टमेंट में राजस्थान फुटबॉल संघ के नए कार्यालय का भव्य उद्घाटन भारतीय रीति रिवाज से राजस्थान फुटबॉल संघ के अध्यक्ष और पूर्व सांसद मानवेंद्र सिंह जसोल, आरएएस राजेंद्र सिंह सिसोदिया, पचार ग्रुप के जितेंद्र सिंह पचार और यूनाइटेड ग्लोबल पीस फाउंडेशन के डायरेक्टर ब्रिगेडियर जे एस शेखावत के कर कमलों द्वारा किया गया। संघ सचिव दिलीप सिंह शेखावत ने बताया कि संघ का कार्यालय आधुनिक सुविधाओं से युक्त है तथा स्थाई कार्यालय होने से खिलाड़ियों को भी किसी भी कार्य के लिए सुविधा रहेगी, कार्यालय से पूरे राजस्थान में फुटबॉल की गतिविधियों को संचालित किया जाएगा ।

धीरज और अंकिता ने रिकर्व स्पर्धाओं में जीते स्वर्ण

ढाका, 14 नवंबर। धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत ने शुक्रवार को बांग्लादेश के ढाका में एशियाई तीरंदाजी चैंपियनशिप 2025 में रिकर्व स्पर्धाओं में भारत के शानदार प्रदर्शन का प्रमाण देते हुए व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते।

पिछले साल, दोनों ने पेरिस 2024 में मिश्रित टीम रिकर्व स्पर्धा में चौथा स्थान हासिल किया था, जो ओलंपिक में तीरंदाजी में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। भारत ने अंतिम दिन रिकर्व तीरंदाजी में पांच पदक जीते, जिनमें दो व्यक्तिगत खिताब और पुरुष टीम का खिताब शामिल है। राहुल ने पुरुषों की व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता, जबकि संगीता ने ढाका के राष्ट्रीय स्टेडियम में महिलाओं की व्यक्तिगत स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।

महिला रिकर्व फाइनल में, अंकिता भकत ने पेरिस 2024 व्यक्तिगत रजत पदक विजेता कोरिया गणराज्य की नाम सु-ह्योन को 7-3 के स्कोर से हराकर स्वर्ण पदक जीता।

इससे पहले, अंकिता ने शीर्ष वरीयता प्राप्त दक्षिण कोरिया की जंग मिन्ही को हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया, जहां उन्होंने चार बार की ओलंपियन दीपिका कुमारी को शूट-ऑफ में हराया। इसके बाद संगीता ने दीपिका को एक और शूट-ऑफ में हराकर कांस्य पदक हासिल किया।

जय भारती क्रिकेट अकादमी को हराकर यति क्रिकेट अकादमी पहुंची फाइनल में

जयपुर, 14 नवम्बर। अंडर-14 पिंकसिटी कप में यति क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 282 रन 3 विकेट के नुकसान पर बनाएं। भव्यम जैन ने नाबाद 164 और जय प्रताप ने 57 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जय भारती क्रिकेट एकेडमी 15 ओवर में 101 रन पर ऑल आउट हो गई। रेयान ने सर्वाधिक 46 रनों का योगदान दिया। यति क्रिकेट अकादमी की ओर से सौम्या खांडल ने 5 और हिमांशु सिंह ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच भव्यम जैन को चुना गया।

रोनाल्डो को रेड कार्ड, फुटबॉल जगत में मचा बवाल

विश्व कप में खेलने पर मंडराया प्रतिबंध का खतरा

डबलिन, 14 नवम्बर। डबलिन में खेले गए मुकाबले में पुर्तगाल की टीम को एक ऐसा झटका लगा जिसकी किसी ने उम्मीद नहीं की थी। मौजूद जानकारी के अनुसार वर्ल्ड कप 2026 की रेस में आगे बढ़ने की उनकी कोशिश आयरलैंड के खिलाफ 0-2 की हार के बाद रुक गई है। बता दें कि पहले हाफ में ट्रॉय पारट ने दो गोल दागकर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया है। शुरुआत में पुर्तगाल ने लगभग 80 बॉल पजेशन के साथ दबदबा जरूर दिखाया, लेकिन गोल के सामने वे कोई खास मौका नहीं बना पाए हैं। दूसरी ओर, आयरलैंड ने अपनी तेज और लंबी गेंदों से पुर्तगाल की हाई डिफेंस लाइन पर लगातार दबाव बनाया है। इसी बीच एक बैक पास की गलती ने पुर्तगाल को मुश्किल में डाला और अगले ही पल कॉर्नर से पारट ने पहला गोल कर दिया है। पहले हाफ के अंत से ठीक पहले पारट ने एक और शानदार गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी है। गौरतलब है कि पुर्तगाल के डिफेंडर्स इस दौरान कई बार दबाव में आते दिखे हैं और आयरलैंड के फॉरवर्ड उनकी हर गलती भांपते रहे हैं। दूसरे हाफ में पुर्तगाल ने फिर से पजेशन तो रखा, लेकिन खेल में बिखराव साफ नजर आया है। सबसे ज्यादा निराश क्रिस्टियानो रोनाल्डो दिखे, जो अपने साथियों से लगातार नाराजगी जताते दिखे हैं। हालात तब और बिगड़े जब रोनाल्डो ने डारा ओ'शे को कोहनी मार दी। वीएआर की जांच के बाद उन्हें सीधे रेड कार्ड दिखा दिया गया है। मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने दर्शकों की ओर रोते चेहरे जैसा इशारा भी किया है।

डॉ. मोहन भागवत ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की

भागवत ने स्मारक पर संस्कार सृष्टि तथा उनके जीवन से जुड़ी अनेक घटनाओं को देखा

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत शुक्रवार को जयपुर के धानक्या गांव स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय स्मारक पर पहुंचे। उन्होंने यहां पंडित दीनदयाल उपाध्याय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और स्मारक पर संस्कार सृष्टि तथा उनके जीवन से जुड़ी अनेक घटनाओं को देखा। उन्होंने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की गत 6 वर्षों की गतिविधियों पर लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर डॉ. भागवत ने कहा कि पंडित दीनदयाल का जो दर्शन है, उसके पीछे उनकी पूरी जीवन की तपस्या है। वह कोरा चिंतन नहीं है। जीवन के अनुभव की गहराई में जो मनन हुआ है उसका परिणाम है। यह दर्शन नया नहीं है, अपना सनातन दर्शन ही है। दीनदयाल जी ने इस दर्शन को देशकाल और परिस्थिति के अनुसार प्रस्तुत किया है, जो ऋषि मुनियों ने कहा उसे अनुभव किया और उस अनुभव में से उसका एक परिष्कृत रूप उन्होंने समाज के सामने रखा। डॉ. भागवत ने कहा कि दीनदयाल का दर्शन इस राष्ट्रीय स्मारक से देश में सभी जगह जाना चाहिए। इनके आदर्शों का प्रचार सर्वत्र हो, ऐसा प्रयास हमें करना चाहिए और उनके जीवन के अनुसार जीने वाले लोगों को प्रति वर्ष यहां सम्मानित भी करना चाहिए। सत्य, करुणा, शुचिता और तपस्या, ये चारों बातें दीनदयाल जी के जीवन में पूर्णत: उत्कर्षता के साथ दिखती है।

डॉक्टर मोहन राव भागवत व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति की लगी प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया।

उन्होंने कहा कि दीनदयाल स्वतंत्र भारत में एकमात्र उदाहरण है जिन्होंने राजनीति में जाकर राजनीति की प्रकृति को बदलने का प्रयास किया, लेकिन राजनीति में रहकर भी अपने मूल चरित्र और स्वभाव में बिल्कुल बदलाव नहीं होने दिया। उनके रास्ते पर चलने वाले लोग प्रयास तो कर रहे हैं, लेकिन वह प्रयास किस दिशा में कैसे करें, इसका दीनदयाल जी ने मूर्तिमान उदाहरण अपने जीवन से दिया है।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति समारोह समिति के अध्यक्ष प्रो. मोहन लाल छीपा ने कहा कि समिति की स्थापना वर्ष 2019 में दीनदयाल उपाध्याय के विचार-दर्शन को देश-विदेश में फैलाने के उद्देश्य से की गई थी। समिति का लक्ष्य सामाजिक व राजनीतिक कार्यकर्ताओं में दीनदयाल भाव जागृत करना है और इस दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। अध्यक्ष ने बताया कि देश में फिलहाल धानक्या, फरह (मथुरा),चित्रकूट और मुगलसराय में प्रमुख स्मारक स्थापित हैं जहां पण्डितजी के विचारों पर अलग अलग कार्य हो रहे हैं। प्रो. छीपा ने बताया कि दीनदयाल जी के प्रचारक बनने से पूर्व जीवन के 21 वर्ष राजस्थान तथा 5 वर्ष उत्तर प्रदेश में बीते, जिनका उनके व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव पड़ा। बचपन में धानक्या स्थित शिव और हनुमान मंदिरों में दीनदयाल जी की दैनिक पूजा-अर्चना करने से उनमें आध्यात्मिक संस्कारों आए जिनका उनके विचार दर्शन पर प्रभाव पड़ा।

एएनटीएफ ने 25 हजार रुपये के इनामी तस्कर को गिरफ्तार किया

बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना निवासी जितेंद्र मेघवाल को गिरफ्तार किया

जयपुर। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने ऑपरेशन जिस्मत्रा चलाकर मारवाड़ में स्मैक की तस्करी करने वाले शातिर तस्कर को गिरफ्तार किया है। जिस पर 25 हजार रूपये का इनाम था। एएनटीएफ को लंबे समय से उसकी तलाश में जुटी थी।

एएनटीएफ पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) विकास कुमार ने बताया कि बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना निवासी जितेंद्र मेघवाल को गिरफ्तार किया है। जिस पर 25 हजार रुपए का इनाम था और नशे की तस्करी करते-करते वह खुद भी स्मैक का आदी हो गया।

नशा मुक्ति केंद्र में लंबे समय तक इलाज में काफी खर्च हुआ तो मकान और जमीन भी बिक गई। तबीयत में सुधार होने पर वह फिर से तस्करी करने लगा।

आईजी ने बताया कि आठवीं तक पढ़ाई के बाद उसने पढ़ाई छोड़ दी। दो साल तक बेंगलुरू में मोबाइल शॉप पर काम करने के बाद वापस धोरीमन्ना आ गया। इसके बाद वह कुख्यात तस्कर प्रकाश के संपर्क में आया। पहले उसका ड्राइवर और फिर पार्टनर बनकर स्मैक की तस्करी करने लगा। इसके बाद वह तीन साल में ही स्मैक की तस्करी का किंगपिन बन गया। जहां प्रकाश के जेल जाने के बाद वह पूरा धंधा खुद चलाने लगा।

तस्करी की कमाई से उसने कोठियां बनवाई और जमीन भी खरीद ली। जांच पड़ताल में सामने आया कि वह हर महीने 20 किलो स्मैक की तस्करी करता। जिससे हर महीने करीब 50 लाख रुपए कमाता। उसके खिलाफ तीन साल में आठ मुकदमे दर्ज हुए और तीन बार जेल भी गया। जब पत्नी को उसकी हरकतों के बारे में पता चला तो उसने बेंगलुरु सेटल होने को कहा।

इस बीच एएनटीएफ को भी उसके प्लान का पता चलने पर प्लेन, बस और ट्रेन के टिकट बुकिंग पर निगरानी रखनी शुरू कर दी। जिस पर आरोपित जितेंद्र ने अपने करीबी व्यक्ति के जरिए टिकट बुक करवाई थी। जहां एएनटीएफ ने नाकाबंदी कर बस को रुकवा कर आरोपी को हिरासत में लिया।

छात्रसंघ चुनाव को लेकर सुनवाई पूरी, फैसला सुरक्षित

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्थान विश्वविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव नहीं कराने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सभी पक्षों की बहस सुनकर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश जय राव व अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए दिए।याचिका में अधिवक्ता शांतनु पारीक ने बताया कि याचिकाकर्ता को छात्र प्रतिनिधि चुनने का मौलिक अधिकार है और राज्य सरकार द्वारा छात्रसंघ चुनाव नहीं कराकर उनके इस अधिकार का हनन किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा केवल एक परिपत्र से ही तर्कहीन व असंवैधानिक कारणों से छात्रसंघ चुनावों को नहीं कराने का निर्णय लिया है, जो गलत है। इसलिए राज्य सरकार के चुनाव नहीं करवाने वाले परिपत्र को रद्द कर छात्रसंघ चुनाव करवाए जाए।

मोहन भागवत आज एसएमएस स्टेडियम में करेंगे संबोधित

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूज्य सरसंघसंचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत, शनिवार को सायं 5.30 बजे सवाई मानसिंह स्टेडियम के इंडोर स्टेडियम में एकात्म मानवदर्शन अनुसंधान एवं विकास प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित दीनदयाल स्मृति व्याख्यान-2025 में वर्तमान वैश्विक परिदृश्य एवं एकात्म मानवदर्शन पर व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम के मीडिया प्रभारी सूरज सोनी ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूज्य सरसंघसंचालक डॉक्टर मोहन राव भागवत होंगे।

'बिहार में नकारात्मक और भ्रामक बयानबाजी का जनता ने दिया सटीक जवाब'

जयपुर । भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन को मिली ऐतिहासिक जीत पर बिहार की जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा 11 वर्षों में किए गए विकास कार्यों पर पूर्ण विश्वास जताया है। राठौड़ ने कहा कि बिजली, सड़क, रेलवे, फ्लाईओवर जैसी आधारभूत सुविधाओं के विस्तार ने बिहार के विकास की नई पहचान बनाई है, और जनता ने इन कार्यों को देखते हुए एनडीए को स्पष्ट जनादेश दिया। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के खिलाफ विपक्ष द्वारा की गई हल्की, नकारात्मक और भ्रामक बयानबाजी का जनता ने मतदान के माध्यम से सटीक और करारा जवाब दिया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने विपक्षी गठबंधन पर प्रहार करते हुए कहा कि सत्ता प्राप्ति की लालसा में बने बेमेल गठबंधन को जनता ने पूरी तरह खारिज कर दिया। जिन दलों का आपस में कोई समान विचार तक नहीं था, वे सिर्फ सत्ता के लिए एकत्र हुए थे। ऐसे बेमेल गठबंधन ने देश में भ्रम फैलाने का प्रयास किया, परंतु जनता ने उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया।

राठौड़ ने विशेष रूप से कांग्रेस की स्थिति पर टिप्पणी करते हुए कहा कि कांग्रेस का 243 सीटों में से 1-2 सीटों पर संघर्ष करना इस बात का संकेत है कि उनका जनाधार लगभग समाप्ति की ओर हो चुका है। उन्हें आत्मचिंतन कर अपनी कार्यशैली और नीति में सुधार करना चाहिए। राठौड़ ने यह भी कहा कि लालू यादव के पूर्व के भ्रष्टाचार और राहुल गांधी से किए गए समझौते ने भी विपक्ष की हार को और अधिक स्पष्ट कर दिया है।

मुख्यमंत्री आज डूंगरपुर में 87 करोड़ के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेंगे

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर वे किसानों व विद्यार्थियों को 264 करोड़ की राशि ट्रांसफर करेंगे

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर, 14 नवम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर डूंगरपुर में मनाए जाने वाले राज्य स्तरीय जनजातीय गौरव दिवस समारोह में शामिल होंगे। शर्मा इस अवसर पर जनजातीय समुदायों के विकास एवं कल्याण के लिए 62 करोड़ रुपये की लागत के 31 कार्यों का शिलान्यास तथा 25 करोड़ रुपये की लागत के 31 कार्यों का लोकार्पण करेंगे। वहीं, किसानों एवं जनजातीय छात्र-छात्राओं को कुल 204 करोड़ की राशि डीबीटी करेंगे। मुख्यमंत्री इस अवसर पर गुजरात में आयोजित होने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राष्ट्रीय कार्यक्रम में वीसी के माध्यम से जुड़ेंगे।

मुख्यमंत्री आरकेसीएल द्वारा जनजाति युवाओं को कम्प्यूटर में दक्ष बनाने के लिए उदयपुर, डूंगरपुर एवं बांसवाड़ा में 3 प्रशिक्षण केन्द्रों पर आरएस-सीआईटी कोर्स का शुभारम्भ करेंगे। वहीं, जनजाति भवन जयपुर में आईआईटी-जेईई, नीट प्रवेश परीक्षाओं व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए 60 छात्राओं के आवासीय बैच की भी शुरूआत करेंगे। मुख्यमंत्री इस दौरान 12 हजार जनजाति छात्र-छात्राओं को पोशाक, स्टेशनरी एवं अन्य सामग्री के लिए 4 करोड़ 8 लाख रुपये की राशि हस्तांतरित करेंगे। शर्मा रबी 2025-26 के लिए 50 हजार जनजातीय कृषकों को 3 करोड़ 14 हजार रुपये की लागत के निःशुल्क हाईब्रिड सब्जी बीज मिनिकिट प्रदर्शन एवं जैविक आदान का वितरण भी करेंगे। शर्मा कृषि एवं उद्यान विभाग की विभिन्न योजनाओं के तहत लाभार्थी किसानों को 200 करोड़ की अनुदान राशि डीबीटी करेंगे।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा आईआईटी जेईई, नीट आदि प्रवेश परीक्षाओं व अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए जनजाति की 60 छात्राओं के आवासीय बैच का शुभारंभ भी करेंगे।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे पर कार खाई में गिरी, 5 की मौत

रतलाम, 14 नवंबर। मध्य प्रदेश में शुक्रवार सुबह एक ऐसा सड़क हादसा हुआ, जिसने हर किसी को झकझोर कर रख दिया। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर तेज रफ्तार कार गहरी खाई में गिर गई, जिससे कार में सवार पांच लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। मरने वालों में एक 15 साल का किशोर भी शामिल था। हादसा इतना भयावह था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त होकर चकनाचूर हो गई।

शुक्रवार सुबह करीब 7:30 बजे रावटी थाना क्षेत्र के भीमपुरा गांव के पास यह हादसा हुआ। बताया गया कि कार दिल्ली से मुंबई की तरफ जा रही थी। अचानक कार अनियंत्रित हो गई और तेज रफ्तार होने के कारण, एक्सप्रेस-वे की रेलिंग तोड़ते हुए नीचे खाई में जा गिरी।

- ड्राइवर को झपकी आने से तेज रफ्तार कार रेलिंग तोड़ते हुए खाई में गिरी।

शुरुआती जानकारी में यह बात सामने आई है कि ड्राइवर, झपकी आने से वाहन नियंत्रण खो बैठा, जिसके कारण यह दुखद घटना हुई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार का आगे का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया और छत तक फट गई। टक्कर के प्रभाव से नंबर प्लेट सहित कई हिस्से दूर जाकर गिरे।

अंता में वसुंधरा का अहम और पूर्व विधायक मीणा की कार्यशैली भाजपा को ले डूबी

पूर्व विधायक मीणा की कार्यशैली का नुकसान निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को भी उठाना पड़ा

-कार्यालय संवाददाता-

कोटा, 14 नवम्बर (कासं)। अंता विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भाया ने 69,462 मत प्राप्त करके भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन पर 15,612 मतों से जीत हासिल की है। भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन को 53,959 मत प्राप्त हुए तथा निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा 53,800 मत प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे। भाजपा और निर्दलीय प्रत्याशी के मध्य मात्र 159 मतों का अंतर रहा।

- अंता में भाजपा का पारंपरिक मतदाता (नागर, धाकड़ और बंजारा) भी विमुख हुआ।
- कांग्रेस के भाया 15,000 से अधिक मतों से चुनाव जीते, भाजपा (दूसरे) और निर्दलीय (तीसरे) स्थान के मध्य मात्र 159 मतों का अंतर रहा।

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने एक बार चौथे राउंड में जरूर कांग्रेस प्रत्याशी भाया पर लीड बनाई, परंतु भाजपा एक बार भी कांग्रेस पर बढ़त नहीं बना पाई। भाजपा की इस करारी हार के लिए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के अहम् और पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा की कार्यशैली को महत्वपूर्ण माना जा सकता है।

पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा को वसुंधरा राजे का संरक्षण प्राप्त था तथा वसुंधरा की राय पर ही उन्हें 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अंता से प्रत्याशी बनाया था। बताया जा रहा है कि कंवरलाल मीणा ने चुनाव जीतकर अपने विधानसभा क्षेत्र में इस तरह की दबंगई दिखाई कि अन्य जातियों का मतदाता सहमा सा रहने लगा। इस बीच, कंवरलाल मीणा की विधानसभा सदस्यता चली गई और उपचुनाव की घोषणा हो गई। डरे, सहमे मतदाताओं ने साइलेंट रह कर मतदान किया, जो कांग्रेस के पक्ष में गया। मीणा समाज के मतदाताओं को छोड़कर अन्य समाज के मतदाता अपने क्षेत्र में पुनः मीणा विधायक नहीं देखना चाहते थे, क्योंकि पूर्व विधायक कंवरलाल मीणा को लेकर उनका अनुभव अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में नरेश मीणा अन्य समाजों का निर्णायक मत प्राप्त करने में सफल नहीं हो पाए।

वसुंधरा राजे ने अपने अहम् के चलते नागर-धाकड़ समाज के हाड़ौती में सबसे बड़े नेता और मंत्री हीरालाल नागर को कैंपेनिंग के लिए नहीं आने दिया, क्योंकि मंत्री नागर कोटा के एक बड़े नेता के करीबी हैं, जिन्हें वसुंधरा पसंद नहीं करतीं।

हीरालाल नागर को कैंपेनिंग से दूर करने के कारण अंता में तीसरे बड़े नागर-धाकड़ समाज के मतदाताओं ने भाजपा के प्रति अपनी नाराजगी दिखाई। नागर-धाकड़ भाजपा का परंपरागत वोटर होने के बावजूद, भाजपा के समर्थन में नहीं आया। इसी तरीके से हाड़ौती और प्रदेश के बड़े दलित नेता मंत्री मदन दिलावर जो हाड़ौती के ही हैं, उन्हें भी कैंपेनिंग से दूर रखा गया। वसुंधरा राजे उनसे भी नाखुश सी रहती हैं। अंता विधानसभा में मीणा समाज के मतदाता बहुतायत में होने के बावजूद, मीणा समाज के सबसे बड़े नेता किरोड़ी लाल मीणा की भी उपचुनाव में एंट्री नहीं हो पाई। वसुंधरा राजे से उनकी अदावत पुरानी है।

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा ने पूरा चुनाव कांग्रेस प्रत्याशी प्रमोद जैन भैया को टारगेट करके लड़ा, परंतु नुकसान उन्होंने भाजपा को अधिक पहुंचाया है।

मैथिली ठाकुर ने सबसे कम उम्र में विधायक बनने का कीर्तिमान बनाया

गायिका मैथिली मात्र 25 साल 3 माह 20 दिन की उम्र में अली नगर सीट से विधायक निर्वाचित हुईं

पटना, 14 नवंबर। बिहार की जानी-मानी गायिका मैथिली ठाकुर ने महज 25 साल तीन महीने 20 दिन की उम्र में चुनाव जीतकर देश में सबसे कम उम्र में विधायक चुने जाने का रिकॉर्ड कायम किया है।

- मैथिली हिन्दी, भोजपुरी, मैथिली, अवधि आदि भाषाओं में मुख्यतः लोक गीतों के लिये जानी जाती हैं। यूट्यूब व सोशल मीडिया के माध्यम से उन्होंने लोकप्रियता प्राप्त की है।

मधुबनी जिले के बेनीपट्टी में 25 जुलाई 2000 को जन्मी मैथिली ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से ठीक पहले भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की और अलीनगर विधानसभा सीट से चुनाव लड़ा। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के बिनोद मिश्रा को 11,730 मतों से पराजित किया।

इसके साथ ही मैथिली ने देश के इतिहास में सबसे युवा विधायक चुने जाने का गौरव हासिल किया। मैथिली को 84,915 और मिश्रा को 73,185 मत मिले।

मैथिली हिंदी, भोजपुरी, मैथिली, अवधि और अन्य भाषाओं में मुख्यतः लोकगीतों के लिए जानी जाती हैं। यू-ट्यूब और सोशल मीडिया के माध्यम से देश और दुनिया में अपनी गायकी की पहचान स्थापित करने वाली मैथिली को भाजपा ने उनकी लोकप्रियता को देखते हुए टिकट दिया था और उनकी जीत ने इस पर मुहर लगायी।

मौजूदा विधायकों में मैथिली से पहले तेलंगाना कांग्रेस के मिनमपल्ली रोहित के नाम सबसे कम उम्र में विधायक चुने जाने की उपलब्धि थी जो 26 साल की उम्र में विधायक बने थे।

बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम, 2025

क्र.सं.	पार्टी	परिणाम
1	भाजपा	89
	जदयू	85
	सहयोगी	28
	एनडीए	202
2	राजद	25
	कांग्रेस	6
	सहयोगी	4
	महागठबंधन	35
3	जनसुराज	0
4	अन्य	6

नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

"सुशासन बाबू" के रूप में मशहूर नीतीश कुमार को उनके अनुशासित प्रशासन की पुरानी छवि से बड़ा लाभ मिला। राजनैतिक रूप से पाले (गठबंधन) बदलते रहने के बावजूद, जनता ने उन्हें कानून-व्यवस्था और स्थिर शासन के लिए एक भरोसेमंद विकल्प माना।

सुधांश पंत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुधांश पंत को 31 अक्टूबर 2023 को मुख्य सचिव के पद पर नियुक्ति दी गई थी। गत 1 जनवरी 2024 को उन्होंने राजस्थान में पद संभाला था, वे 22 महीने 10 दिन मुख्य सचिव रहे।

बताया जा रहा है कि, राज्य सरकार ने आईएएस वी. श्रीनिवास के नाम पर मुहर लगाते हुए केंद्र सरकार को 1 दिन पहले ही प्रस्ताव भेजा था। जिसके बाद केंद्र सरकार ने वी.श्रीनिवास को राजस्थान के लिए कार्यमुक्त कर दिया। वे पिछले 7 सालों से केंद्र सरकार में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

- निवर्तमान मुख्य सचिव केन्द्र में कैबिनेट सैक्रटेरियट में ओएसडी नियुक्त हुए हैं।

बिलाड़ा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दोस्त को सफाईकर्मी के पद के लिए नियुक्ति देने के लिए 50 हजार से 1 लाख रूपए तक की माँग सीएमएचओ जोधपुर ग्रामीण डॉक्टर मोहनदान देथा के लिए की जा रही है। शिकायत पर एसीबी जोधपुर डीआईजी भुवन भूषण यादव के सुपरविजन में एएसपी चक्रवर्ती सिंह राठौड़ के नेतृत्व में मय जाब्ता के ट्रेप कार्यवाही करते हुए डॉक्टर बुधराज बिश्नोई 3.70 लाख की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों पकड़ा गया। ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव के सुपरविजन में आरोपी से पूछताछ और अग्रिम कार्रवाई जारी है।

कांग्रेस अभी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नाम वोटर सूची से हटाए गए। देशभर से लोगों को वोट डालने के लिए बिहार भेजा गया। भाजपा नेताओं ने बिहार के प्रवासी मतदाताओं को लाने के लिए ट्रेनें चलवाई, सफ़र का खर्च उठाया और फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया।

कांग्रेस का यह भी आरोप है कि चुनाव आयुक्त तब भी चुप रहे, जब चुनाव प्रचार के बीच 1 करोड़ महिला मतदाताओं को 10,000 रुपये दिए गए, जो चुनाव आयोग के नियमों का स्पष्ट उल्लंघन था।

क्या यह लोकतंत्र का अपहरण करने की कोशिश है? क्या लोगों को यह समझने की ज़रुरत है कि बिहार का यह नतीजा देश के लिए क्या संकेत देता है और आगे देश के बाकी हिस्सों पर इसका प्रभाव हो सकता है?

राहुल गांधी ने चुनाव से पहले ही वोट चोरी का मुद्दा उठाया था और यह भी कहा था कि जिस तरह से चुनाव आयुक्त भाजपा और एनडीए को नाजायज़ तरीकों से सत्ता में लाने के लिए मदद कर रहे हैं, उसके कारण वे (राहुल) चुनाव हार जाएंगे।

बिहार चुनाव के संचालन और एनडीए की जीत पर जहाँ बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं, वहीं राहुल गांधी के नेतृत्व पर भी गंभीर सवालिया निशान लगा है। भाजपा के लिए अगला लक्ष्य पश्चिम बंगाल है, जहाँ वह किसी भी कीमत पर सत्ता हासिल करने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि गंगा बिहार से पश्चिम बंगाल की ओर बहती है। यह साफ संकेत है कि अब राजनीतिक लड़ाई बंगाल में जमने वाली है, जहाँ भाजपा किसी भी कीमत पर सत्ता हथियाने के लिए कटिबद्ध है।

राज्य ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अदालत ने कहा कि परिसीमन की कार्रवाई तीन सदस्यीय राज्य स्तरीय कमेटी के जरिए करायी जाये। इसके लिए कमेटी जिला कलेक्टर की ओर से भेजे प्रस्ताव पर कार्रवाई करेगी। वहीं अदालत ने मामले में परिसीमन को चुनौती देने वाली याचिकाओं को खारिज करते हुए, दखल देने से इनकार कर दिया है। इसके अलावा, अदालत ने प्रधान और सरपंचों को हटाकर प्रशासक लगाने के खिलाफ दायर याचिकाओं को भी खारिज कर दिया है। अदालत ने कहा कि परिसीमन की कार्रवाई को पुनः चुनौती नहीं दी जा सकती है। सुनवाई के दौरान, अदालत ने महाधिवक्ता से पूछा कि परिसीमन के कितने दिन में चुनाव करा लिए जाएंगे, क्योंकि परिसीमन के बाद चुनाव कराने में ढील नहीं दी जा सकती।

दिल्ली कार बम धमाके में नूंह के दो डॉक्टर गिरफ्तार

अल-फलाह युनिवर्सिटी की जमीन व प्रशासनिक रिकॉर्ड की विस्तृत जांच शुरु

चंडीगढ़ , 14 नवंबर। राष्ट्रीय राजधानी में लाल किले के पास हुए कार बम धमाके मामले में जांच एजेंसियों ने हरियाणा के नूंह जिले से दो डॉक्टरों को हिरासत में लिया है। साथ ही अल-फलाह यूनिवर्सिटी की जमीन और प्रशासनिक रिकॉर्ड की विस्तृत पड़ताल भी शुरू कर दी गई है।

जांच से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक, दोनों युवक हाल ही में यूनिवर्सिटी के मेडिकल विंग से जुड़े थे। उनके मोबाइल फोन से मिले कुछ डेटा में संदिग्ध बातचीत के संकेत मिलने के बाद उन्हें पूछताछ के लिए बुलाया गया। अधिकारियों ने बताया कि बरामद डिजिटल सामग्री की अभी तकनीकी जांच जारी है।

पहचाने गए युवकों में से एक मुस्ताकिम, नूंह के सुन्हेड़ा गांव का रहने वाला है। वह चीन से एमबीबीएस कर भारत लौटा था और यहां इंटर्नशिप कर रहा था। परिजनों के अनुसार, वह नौ नवंबर को दिल्ली में नौकरी से जुड़ी परीक्षा देने गया था। अगले दिन देर रात एजेंसियों ने गांव पहुंचकर उसे पूछताछ के लिए साथ लिया। परिवार का कहना है कि उसकी सामान्य फोन बातचीत को गलत तरीके से संदिग्ध माना गया है।

दूसरा युवक मोहम्मद, अहमदवास गांव का रहने वाला बताया गया है। उसने करीब छह माह पहले एमबीबीएस पूरा किया था और यूनिवर्सिटी अस्पताल में इंटर्न के तौर पर काम कर रहा था। 15 नवंबर को उसकी औपचारिक ज्वाइनिंग होनी थी, लेकिन कॉल रिकॉर्ड की जांच के बाद उसे भी इस सप्ताह हिरासत में ले लिया गया। इसके समानांतर, शुक्रवार को अल-फलाह यूनिवर्सिटी और उसके मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा घेरा बढ़ा दिया गया। परिसर में प्रवेश केवल पहचान सत्यापन के बाद ही हो रहा है, जबकि कई ब्लॉकों में आवाजाही सीमित कर दी गई है।

- अल-फलाह यूनिवर्सिटी व मेडिकल कॉलेज में सुरक्षा घेरा बढ़ा। केवल पहचान सत्यापन के बाद ही प्रवेश दिया जा रहा है। कई ब्लॉकों में आवाजाही सीमित की।

इसी दौरान, फरीदाबाद जिला प्रशासन ने यूनिवर्सिटी की करीब 78 एकड़ जमीन का विस्तृत सर्वे शुरू किया है। राजस्व विभाग की टीमें निर्माण संरचनाओं, खाली पड़े हिस्सों, पुराने भूमि सौदों और उनसे जुड़े वित्तीय दस्तावेजों की जांच कर रही हैद्ध ताकि मंजूरशुदा उपयोग और वास्तविक स्थिति का मिलान किया जा सके।

जांचकर्ता यह भी पड़ताल कर रहे हैं कि हिरासत में लिए गए दोनों डॉक्टरों का किसी अन्य संदिग्ध उमर नबी से कोई संपर्क था या नहीं, जो कथित तौर पर धमाके वाले दिन नूंह से दिल्ली आया था। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह जांच अभी शुरुआती स्तर पर है।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अब तक की कार्रवाई प्रक्रियात्मक है और अंतिम निष्कर्ष डिजिटल फॉरेंसिक, वित्तीय जांच और एजेंसियों की संयुक्त रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगा। जरूरत पड़ने पर प्रवर्तन निदेशालय भी जांच से जुड़ सकता है।

भारतीय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जैसे अंतरराष्ट्रीय सेक्स तस्करी गिरोह से जुड़ाव साबित हुआ, तो इसका असर अत्यंत गंभीर और ज़हरीला हो सकता है। सत्तारूढ़ दल और अन्य राजनीतिक समूह तत्काल कडी कार्रवाई की मांग कर सकते हैं।

मुख्य आरोपी डॉ. नबी का पुलवामा में घर बम विस्फोट से उड़ाया

सुरक्षा बलों ने विस्फोट से पहले आस-पास के निवासियों को घर खाली करने को कहा था

श्रीनगर, 14 नवंबर। दिल्ली में लाल किला के पास कार बम विस्फोट मामले के मुख्य आरोपी डॉ. उमर नबी के जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में स्थित घर को विस्फोट से उड़ा दिया गया।

- शीर्ष अधिकारियों के अनुसार इस तरह की कार्यवाही का उद्देश्य स्थानीय युवकों को आतंकवादी समूहों में शामिल होने से हतोत्साहित करना है।

अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि दक्षिण कश्मीर के पुलवामा स्थित डॉ. नबी के घर को नियंत्रित विस्फोट के जरिए गुरुवार की देर रात को ध्वस्त किया गया। स्थानीय लोगों ने बताया कि सुरक्षा बलों ने इलाके को सील कर दिया था और घर को विस्फोट से उड़ाने से पहले आस-पास के निवासियों को घर खाली करने को कहा गया था।

जांचकर्ताओं ने खुलासा किया था कि डॉ. उमर ने ही सोमवार शाम लाल किले के पास हुए विस्फोट वाली आई-20 कार चलाई थी, जिसमें कई लोगों की जान चली गई थी।

वहीं जम्मू-कश्मीर पुलिस ने घर उड़ाने की घटना पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, लेकिन शीर्ष अधिकारियों ने कहा है कि इस तरह की कार्रवाई का उद्देश्य स्थानीय युवाओं को आतंकवादी समूहों में शामिल होने से हतोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि इस कदम का उद्देश्य यह कड़ा संदेश देना है कि आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के गंभीर परिणाम होते हैं, न केवल संबंधित लोगों के लिए, बल्कि उनके परिवारों के लिए भी।

श्रीनगर के सांसद आगा रूहुल्लाह ने घर उड़ाने की निंदा करते हुए कहा कि इस कदम से सजा नहीं मिलेगी, बल्कि यह केवल सामूहिक पीड़ा देगा।

सांसद ने एक्स पर कहा, "कश्मीर की कड़ाके की सर्दी में बिना सबूत/अदालती आदेश या घटना से जुड़े किसी कानून के पूरे परिवार को बेघर करना क्रूरता का काम है।

विधानसभा उपचुनावों में कांग्रेस व भाजपा को दो-दो सीटें मिलीं

पीडीपी, आम आदमी पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा व मिजो नेशनल फ्रंट ने एक-एक सीट जीती

नयी दिल्ली, 14 नवंबर। देश के सात राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में कांग्रेस, भाजपा को दो, आम आदमी पार्टी (आप), जम्मू-कश्मीर पीडीपी, झारखंड मुक्ति मोर्चा और मिजो नेशनल फ्रंट को एक-एक सीट पर जीत हासिल हुयी है। ये उपचुनाव तेलंगाना की जुबली हिल्स, राजस्थान की अंता, पंजाब की तरनतारन, झारखंड की घाटशिला, ओडिशा की नौपाड़ा, मिजोरम की डम्पा तथा जम्मू-कश्मीर की नगरोटा एवं बडगाम सीट पर हुए थे।

इनमें कांग्रेस को जुबली हिल्स और अंता सीटों पर जीत हासिल हुयी, जबकि भाजपा को नगरोटा और नौपाड़ा सीट पर विजय मिली। घाटशिला से झामुमो, बडगाम से जम्मू-कश्मीर पीडीपी, तरनतारन से आम आदमी पार्टी और डम्पा सीट से मिजो नेशनल फ्रंट को जीत मिली है।

- उपचुनावों में कांग्रेस को जहाँ अंता (राजस्थान) व जुबली हिल्स (तेलंगाना) में विजय मिली, भाजपा ने नगरोटा (जम्मू कश्मीर) व नौपाड़ा (ओडिशा) में जीत हासिल की।

कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव ने जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) उम्मीदवार मगंती सुनीता को 24,729 मतों के अंतर से हराया।

राजस्थान की अंता सीट पर कांग्रेस के प्रमोद जैन भाया को 69,571 वोट मिले। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भाजपा के मोरपाल सुमन को 15,612 मतों से पराजित किया। सुमन को 53,959 वोट मिले।

झारखंड के घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रत्याशी सोमेश सोरेन ने बड़ी जीत दर्ज की है। उन्हें कुल 104794 वोट मिले, जबकि भाजपा के बाबूलाल सोरेन 66270 मत ही हासिल कर सके। सोमेश सोरेन 38524 वोट के अंतर से जीत हासिल की।

ओडिशा की नौपाड़ा सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जय ढ ोलकिया ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी घासी राम माझी को 83748 मतों से हराया। जय ढ ोलकिया को123869 मत मिले, तो कांग्रेस प्रत्याशी को 40121 मत प्राप्त हुए।

मिजोरम में डंपा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में मिजो नेशनल फ्रंट के डॉ आर ललथांगलियाना ने अपने निकटतम उम्मीदवार जोराम पीपुल्स मूवमेंट के वनलालसेलोबो को 562 मतों से पराजित कर दिया।

पंजाब में तरनतारन विधानसभा सीट के उपचुनाव में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार हरमीत सिंह संधू ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी शिरोमणि अकाली दल की प्रत्याशी सुखविंदर कौर को 12091 मतों से हरा कर सीट को बरकरार रखा। संधू को 42649 को मत मिले, जबकि शिरोमणि अकाली दल की प्रत्याशी सुखविंदर कौर को कुल 30558 वोट मिले।

जम्मू-कश्मीर की नगरोटा विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा की दिव्यरानी राणा ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी जम्मू-कश्मीर नेशनल पैंथर्स पार्टी के उम्मीदवार हर्ष देव सिंह को 24647 मतों से पराजित किया। राणा को कुल 42350 मिले, जबकि सिंह ने कुल 17703 मत हासिल किये। जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस यहां पर तीसरे नवंबर पर रही है और उसकी उम्मीदवार शमीम बेगम ने कुल 10872 मत प्राप्त किये।

एक बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरजेडी के लिए है, जो नतीजों में यह संकेत देख रही है कि पार्टी या तो बहुत कमजोर हो जाएगी या हाशिये पर चली जाएगी। असदुद्दीन ओवैसी ने मुस्लिम बहुल सीमांचल क्षेत्र में 6 सीटें जीतकर आरजेडी के एम-वाई समीकरण को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। उधर यादव वोट बैंक भी टूट गया, क्योंकि ओबीसी और पिछड़ी महिलाएं, जिनमें यादव महिलाएं भी शामिल थीं, एनडीए के साथ चली गईं। इस संकट को और बढ़ाया तेजस्वी परिवार के भीतर के विवाद ने, जो प्रचार के दौरान खुलकर सामने आया। कांग्रेस, जिसने 1 सीट जीती और 5 पर आगे थी, उसे भी अब गंभीरता से सोचना होगा कि उसकी रणनीतियाँ और अभियान असर क्यों नहीं छोड़ पा रहे हैं।

भू-अभिलेख ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एसीबी राजसमन्द टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि भू-प्रबंध विभाग द्वारा राजसमंद जिले में चलाये जा रहे पैमाइश कार्य में परिवादी की आराजियात की मौके के हिसाब से पैमाइश की कार्यवाही करने एवं नक्शा शुद्धिकरण करने की एवज में भू-अभिलेख निरीक्षक कमलेश चन्द्र खटीक की ओर से दस लाख रुपये रिश्वत की मांग की जा रही है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908